मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	35.1	19.7
जमशेदपुर	34.7	16.8
डालटनगंज	33.6	15.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | मंगलवार 12 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 02, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ [illegible] ● वर्ष : 1, अंक : 324 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चुनावी बॉन्ड मामला

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा

हमने 15 फरवरी को आदेश दिया था और आज 11 मार्च है. ऐसे में बीते 26 दिनों में आपने क्या किया? हम एसबीआई से स्पष्टवादिता की उम्मीद करते हैं.

निर्वाचन आयोग 15 मार्च को शाम 5 बजे अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित कर दे पूरी डिटेल

स्टेट बैंक को सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार, कहा

24 घंटे में दीजिए ब्यौरा

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक को बड़ा झटका देते हुए चुनावी बॉन्ड संबंधी जानकारी का खुलासा करने के लिए समय-सीमा बढ़ाने का अनुरोध करने वाली उसकी याचिका सोमवार को खारिज कर दी और उसे अगले 24 घंटे यानी 12 मार्च को कामकाजी घंटे समाप्त होने तक निर्वाचन आयोग को चुनावी बॉन्ड संबंधी विवरण उपलब्ध कराने का आदेश दिया है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने निर्वाचन आयोग को भी एसबीआई द्वारा साझा की गई जानकारी 15 मार्च को शाम पांच बजे तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करने का निर्देश दिया. इस पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बीआर गवई, जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल रहे. पीठ ने एसबीआई को नोटिस दिया कि यदि बैंक उसके निर्देशों और समय-सीमा का पालन करने में विफल रहता है, तो शीर्ष अदालत अपने 15 फरवरी के फैसले की जानबूझ कर अवज्ञा करने के लिए उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है. संविधान पीठ ने 15 फरवरी को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए केंद्र की चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया था और इसे असंवैधानिक करार देते हुए निर्वाचन आयोग को चंदा देने वालों, चंदे के रूप में दी गई राशि और चंदा प्राप्तकर्ताओं का 13 मार्च तक खुलासा करने का आदेश दिया था.

कोर्ट ने रद्द किया एसबीआई का अनुरोध

पीठ ने कहा कि अर्जी में एसबीआई की दलीलों से पर्याप्त संकेत मिलता है कि कोर्ट ने जिस जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया था, वह आसानी से उपलब्ध है. उपरोक्त चर्चा के मद्देनजर, 30 जून, 2024 तक चुनावी बॉन्ड की खरीद और उन्हें भुनाए जाने के विवरण को सार्वजनिक करने का समय बढ़ाने का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज की जाती है. पीठ ने एसबीआई की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे की दलीलों पर गौर किया कि विवरण एकत्र करने और उनका मिलान करने के लिए अधिक समय चाहिए क्योंकि जानकारी इसकी शाखाओं में दो अलग-अलग कक्षों में रखी गई थी. उन्होंने कहा कि अगर मिलान प्रक्रिया न करनी हो तो एसबीआई तीन सप्ताह के भीतर इस प्रक्रिया को पूरा कर सकता है. पीठ ने कहा कि उसने एसबीआई को चंदा देने वालों और चंदा प्राप्त करने वालों के विवरण का अन्य जानकारी से मिलान करने का निर्देश नहीं दिया है. उसने कहा कि एसबीआई को सिर्फ सीलबंद लिफाफा खोलना है, विवरण एकत्र करना है और निर्वाचन आयोग को जानकारी देनी है. पीठ ने पूछा, पिछले 26 दिन में आपने क्या कदम उठाए हैं? आपकी अर्जी में इस बारे में कुछ नहीं बताया गया.

कौन-कौन सा डिटेल देगा एसबीआई?

आज शाम तक एसबीआई को दो अलग-अलग डेटा सेट जमा कराने होंगे

- **पहला :** किस तारीख को इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदा गया? किसने खरीदा? और उसकी वैल्यू कितनी थी?
- **दूसरा :** राजनीतिक पार्टियों को इलेक्टोरल बॉन्ड से कितना चंदा मिला? किस तारीख को इलेक्टोरल बॉन्ड भुनाया गया? और कितने बॉन्ड इनकैश हुए?

अब आगे क्या

1. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एसबीआई को 12 मार्च तक इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी सारी डिटेल जमा कराने को कहा है.
2. कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर तय समय-सीमा के भीतर जानकारी नहीं दी जाती है तो ये जानबूझ कर अदालत की अवमानना होगी और एसबीआई के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है.
3. अब 12 मार्च तक एसबीआई इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी सारी जानकारी चुनाव आयोग को जमा कराएगा. इसके बाद 15 मार्च की शाम 5 बजे तक चुनाव आयोग को अपनी वेबसाइट पर सारी जानकारी देनी होगी.

किसने क्या कहा

ऐसा लगता है मानो मेयर चुनाव की काउंटिंग से लेकर इलेक्शन बॉन्ड तक, इस देश में लोकतंत्र सिर्फ सुप्रीम कोर्ट की वजह से बचा हुआ है. यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बाकी संस्थाएं और एजेंसियां, अपने कर्तव्यों को भुला कर, सिर्फ और सिर्फ एक पार्टी विशेष की सेवा में तत्पर दिखती हैं. **- चंपाई सोरेन, मुख्यमंत्री झारखंड**

मोदी के चंदे के धंधे की पोल खुलने वाली है! चुनावी बॉन्ड इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला साबित होने जा रहा है, जो भ्रष्ट उद्योगपतियों और सरकार की सांठगांठ की पोल खोल कर पीएम मोदी का असली चेहरा देश के सामने लाएगा. क्रोनोलॉजी स्पष्ट है - चंदा दो-धंधा लो, चंदा दो-प्रोटेक्शन लो! चंदा देने वालों पर कृपा की बौछार और जनता पर टैक्स की मार, यही है मोदी सरकार. **- राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	61,600
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

बिटक्वाईन का मार्केट कैप चांदी से ज्यादा

शुभम संदेश नेटवर्क

आर्थिक क्षेत्र में सोमवार को एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में बिटक्वाईन का मार्केट कैप चांदी के मार्केट कैप से अधिक हो गया. दुनिया भर में चांदी का मार्केट कैप जहां 1.3 ट्रिलियन डॉलर है, वहीं बिटक्वाईन का मार्केट कैप 1.4 ट्रिलियन डॉलर हो गया है. बिटक्वाईन एक क्रिप्टोकरेंसी है, जो सिर्फ 14 साल पहले चलन में आया है. दुनिया के कई देशों ने हाल में क्रिप्टोकरेंसी को स्वीकार किया है. कई देशों ने इसके लिए अलग से कायदे कानून बनाये हैं. भारत में इसे लेकर सरकार बहुत पीछे हैं. क्रिप्टोकरेंसी की बात करें तो भारत सरकार इससे होने वाली कमाई से 30 प्रतिशत टैक्स और एक प्रतिशत जीएसटी वसूलती है, पर इसे स्वीकार नहीं करती. दुनिया भर में क्रिप्टोकरेंसी का विस्तार हो रहा है, जबकि भारत में आरबीआई के गोवर्नर शक्तिकांत दास इसे जुआ बताते हैं. हाल ही में यूएस ने बिटक्वाईन के ईटीएफ को मंजूरी दी है. जिसके बाद से बिटक्वाईन समेत तमाम क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है. क्रिप्टोकरेंसी ब्लॉकचैन पर आधारित एक सिस्टम के तहत काम करता है. भारत में करीब 80 हजार करोड़ रुपये का निवेश क्रिप्टोकरेंसी में हो चुका है. हाल के दिनों में इसकी लोकप्रियता बढ़ी है.

चौधरी को गिरफ्तारी से मिली सुप्रीम राहत

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में झारखंड के तत्कालीन सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद कथित तौर पर

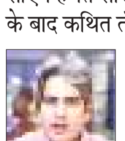

आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर रांची में दर्ज एक प्राथमिकी के सिलसिले में टीवी समाचार एंकर सुधीर चौधरी को सोमवार को गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया. सोरेन को ईडी द्वारा गिरफ्तार किये जाने के बाद टीवी चैनल पर चौधरी ने कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी.चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने पत्रकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा की इन दलीलों पर गौर किया कि वह गिरफ्तारी के खतरे का सामना कर रहे हैं. पीठ ने आदेश दिया, अगले आदेशों तक, कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए. कोर्ट ने चौधरी की याचिका पर राज्य पुलिस और अन्य को नोटिस भी जारी किया. एक आदिवासी समूह ने चौधरी की कथित टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत पुलिस में एक शिकायत दायर कराई थी.

तीन देशों के गैर मुस्लिम शरणार्थियों को मिलेगी नागरिकता

देशभर में सीएए लागू

कुमार माधवन

केंद्र की मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है. आम चुनाव से पहले केंद्र का यह बड़ा कदम है. इससे अब तीन पड़ोसी देशों के गैर मुस्लिमों को भारत की नागरिकता मिल सकेगी. इसके लिए उन्हें केंद्र द्वारा तैयार किए गए ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन देना होगा. उधर, केंद्र द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के बाद दिल्ली, यूपी समेत कई राज्यों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है. दरअसल, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने सीएए को अपने घोषणा पत्र में शामिल किया था. इसे पार्टी ने बड़ा मुद्दा बनाया था. गृह मंत्री अमित शाह हाल ही के अपने चुनावी भाषणों में कई बार सीएए को लागू करने की बात कर चुके थे. उन्होंने ऐलान किया था कि लोकसभा चुनाव से पहले इसे देश में लागू कर दिया जाएगा. अब सरकार ने इसके लिए नोटिफिकेशन जारी करते हुए इसे लागू कर दिया है.

ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होगा

सीएए से संबंधित एक वेब पोर्टल भी तैयार : सीएए के तहत मुस्लिम समुदाय को छोड़कर तीन मुस्लिम बहुल पड़ोसी मुल्कों से आने वाले बाकी धर्मों के लोगों को नागरिकता देने का प्रावधान है. केंद्र सरकार ने सीएए से संबंधित एक वेब पोर्टल भी तैयार कर लिया है, जिसे नोटिफिकेशन के बाद लॉन्च किया जाएगा. तीन मुस्लिम बहुल पड़ोसी मुल्कों से आने वाले वहां के अल्पसंख्यकों को इस पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा और सरकारी जांच पड़ताल के बाद उन्हें कानून के तहत नागरिकता दी जाएगी. इसके लिए बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए विस्थापित अल्पसंख्यकों को कोई दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी.

मोदी सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

2019 में केंद्र सरकार ने कानून में किया था संशोधन

साल 2019 में नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार ने नागरिकता कानून में संशोधन किया था. इसमें अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से 31 दिसंबर 2014 से पहले आने वाले छह अल्पसंख्यकों (हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी) को भारत की नागरिकता देने का प्रावधान किया गया था. नियमों के मुताबिक, नागरिकता देने का अधिकार केंद्र सरकार के हाथों में होगा.

किसे मिलेगी नागरिकता?

नागरिकता देने का अधिकार पूरी तरह से केंद्र के पास है. पड़ोसी देश अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, जैन, पारसी, बौद्ध और ईसाई समुदायों से आने वाले प्रवासियों को भारतीय नागरिकता देने के लिए 1955 के नागरिकता एक्ट में संशोधन किया गया है. ऐसे प्रवासी, जो अपने देशों में धार्मिक उत्पीड़न से तंग आकर 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत में आकर शरण ले चुके हैं. इस कानून के तहत उन लोगों को अवैध प्रवासी माना गया है, जो भारत में वैध यात्रा दस्तावेज (पासपोर्ट और वीजा) के बगैर घुस आए हैं या फिर वैध दस्तावेज के साथ तो भारत में आए हैं, लेकिन तय अवधि से ज्यादा समय तक यहां रुक गए हों.

नागरिकता के लिए करना होगा ये काम

सरकार ने पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन बनाया है. इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल भी तैयार किया गया है. आवेदक अपने मोबाइल फोन से भी एप्लाई कर सकता है. आवेदकों को वह साल बताना होगा, जब उन्होंने दस्तावेजों के बिना भारत में प्रवेश किया था. आवेदकों से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा. नागरिकता से जुड़े जितने भी ऐसे मामले पेंडिंग हैं वे सब ऑनलाइन कंवर्ट किए जाएंगे. पात्र विस्थापितों को सिर्फ पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा. उसके बाद गृह मंत्रालय जांच करेगा और नागरिकता जारी कर देगा.

मैं बंगाल में सीएए लागू नहीं होने दूंगी : ममता

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीएए को लेकर ने कहा है कि अगर कोई भेदभाव होता है

तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे. अगर सीएए कहता है कि आप आज नागरिक हैं तो क्या इसका मतलब यह है कि वे पहले नागरिक नहीं थे? ममता ने सवाल करते हुए कहा कि क्या इसका मतलब यह है कि मतुआ का आधार कार्ड इसी वजह से रद्द किया जा रहा है? मैं इस बारे में डिटेल देखने के बाद सब बताऊंगी.

भाजपा ध्रुवीकरण का प्रयास कर रही: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सीएए, 2019 को अधिसूचित किए जाने पर आरोप लगाया कि चुनाव से पहले देश और

खासकर बंगाल एवं असम में ध्रुवीकरण का प्रयास किया गया है. पार्टी नेता जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि चुनावी बॉन्ड पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद हेडलाइन मैनेज करने की सरकार ने कोशिश भी की है. ऐसा चुनाव में ध्रुवीकरण करने के लिए किया गया है, विशेष रूप से असम और बंगाल में.

जो भी देशहित में है, वह होना चाहिए : अर्जुन मुंडा

आम चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले केंद्र सरकार ने सीएए को लागू कर दिया है. भाजपा के वरिष्ठ नेता और

केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा, जो लोग चीजों को राजनीतिक चश्मे से देखते हैं, उनकी राय अलग हो सकती है, मैं उस पर नहीं जाऊंगा, लेकिन सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि जो भी देशहित में है,वो होना चाहिए. इससे नागरिकता नहीं जाएगी. ये कानून तो नागरिकता देने के लिए लाया गया है.

सरफराज अहमद और प्रदीप वर्मा ने भरा पर्चा, निर्विरोध होंगे निर्वाचित, घोषणा 14 को

सरफराज व प्रदीप जाएंगे राज्यसभा

- हरिहर महापात्रा ने नहीं भरा पर्चा, नहीं मिला कोई प्रस्तावक और समर्थक विधायक

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड में दो सीट के लिए इंडिया गठबंधन की ओर से डॉ. सरफराज अहमद और एनडीए गठबंधन से प्रदीप वर्मा ने आज नामांकन के अंतिम दिन अपना-अपना पर्चा दाखिल कर दिया. अंतिम दिन मुंबई के व्यवसायी हरिहर महापात्रा ने पर्चा दाखिल नहीं किया. उन्हें न तो कोई प्रस्तावक मिला और न ही कोई समर्थक विधायक. इसलिए अब सरफराज अहमद और प्रदीप वर्मा का राज्यसभा जाना तय हो गया है. 13 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी और नाम वापसी की अंतिम तारीख 14 मार्च है. इसी दिन दोनों प्रत्याशियों की निर्विरोध निर्वाचित होने की घोषणा विधानसभा के प्रभारी सचिव सैयद हैदर जावेद करेंगे और दोनों विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र सौंपेगें. मालूम हो कि झारखंड के कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू और समीर उरांव का कार्यकाल पूरा होने के कारण यह दो सीट रिक्त हुई है. कांग्रेस के लाख प्रयास के बाद भी यह सीट झामुमो के खाते में चली गयी और डॉ. सरफराज अहमद गठबंधन के सर्वसम्मत प्रत्याशी घोषित हुए.

इससे पूर्व एनडीए प्रत्याशी प्रदीप वर्मा ने अपना नामांकन पत्र दिन के सवा एक बजे दाखिल किया. इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष अमर बाऊरी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह विधायक बाबूलाल मरांडी, आजसू पार्टी विधायक लंबोदर महतो और एनसीपी विधायक कमलेश सिंह मौजूद थे. वहीं करीब सवा दो बजे डॉ सरफराज अहमद ने अपना पर्चा दाखिल किया. इस मौके पर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, कांग्रेस विधायक दल नेता आलमगीर आलम, मंत्री मिथिलेश ठाकुर, राजद के मंत्री सत्यानंद भोक्ता, माले विधायक विनोद सिंह आदि मौजूद थे.

एक छोटे कद के नेता को बड़ी जिम्मेवारी के लिए नेतृत्व को शुक्रिया : प्रदीप वर्मा

नामांकन दाखिल करने के बाद प्रदीप वर्मा ने कहा कि मैं भाजपा आलाकमान का बहुत शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने एक छोटे से नेता को एक बड़ी जिम्मेदारी दी है. साथ ही मेरे साथ यहां पर मौजूद तमाम भाजपा के विधायकों मैं शुक्रगुजार हूं. प्रदीप वर्मा से जब राज्यसभा चुनाव के दौरान हॉर्स ट्रेडिंग और कैश कांड से हट कर निर्विरोध चुनाव पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि यह मोदी जी का काल है. यहां कोई गड़बड़ी नहीं होगी.

हेमंत जो कहते हैं वह करते हैं, जो जिम्मेवारी मिली है उसका निर्वाहन करूंगा : डॉ सरफराज अहमद

नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद पूर्व विधायक डॉ सरफराज अहमद ने कहा की पार्टी ने अपना वादा पूरा किया इसके लिए मैं शुक्रगुजार हूं. हेमंत सोरेन ने अपना वादा निभाया. हेमंत जो कहते हैं वही करते हैं. डॉ. सरफराज ने कहा कि इसमें गठबंधन की एकता नजर आएगी. पूरे हिंदुस्तान में इंडिया गठबंधन को यह मैसेज जाएगा. उन्होंने कहा कि मैं पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद देता हूं कि मुझे इस लायक समझा. मुझे जो जिम्मेदारी मिली है मैं दिलो-जान से उसका निर्वहन करूंगा. इस मौके पर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने उन्हें बधाई दी. मालूम हो कि गांडेय विधानसभा सीट से विधायक रहे डॉ. सरफराज अहमद ने 31 जनवरी 2023 को इस्तीफा दे दिया था. उस समय ऐसा माना जा रहा था कि तत्कालीन राजनीति परिस्थितियों में राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति में कल्पना मुर्मू सोरेन को सीएम बनाने के लिए गैर आरक्षित सीट को रिक्त कराया गया था.

1980 में पहली बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते थे

डॉ सरफराज अहमद की बात करें तो वो झारखंड मुक्ति मोर्चा के कद्दावर नेताओं में शुमार हैं. 1980 में वे पहली बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बने थे. बिहार से झारखंड अलग होने के बाद 2009 से लेकर 2014 तक वो गांडेय सीट से कांग्रेस के विधायक रहे. लेकिन 2019 विधानसभा चुनाव से ठीक पहले वे जेएमएम में शामिल हुए और गांडेय से चुनाव जीतकर विधायक बने.

मिशन दिव्यास्त्र | पीएम मोदी एक्स पर दी जानकारी, साथ में बधाई भी दी, आधी दुनिया आ गयी है जद में

भारत ने स्वदेशी अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण किया

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत ने सोमवार को न्यूक्लियर बैलेस्टिक मिसाइल अग्नि-5 की पहली फ्लाइट टेस्टिंग की, जो सफल रही. इस मिसाइल की सफल फ्लाइट टेस्टिंग से भारत की जद में सिर्फ चीन और पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि आधी दुनिया आ गई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक इन इंडिया प्रोजेक्ट के तहत विकसित अग्नि -5 मिसाइल के पहले सफल फ्लाइट टेस्ट के लिए डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन के वैज्ञानिकों को शुभकामनाएं दी हैं.

भारत के पास अग्नि सीरीज की 1 से 5 तक मिसाइलें हैं. सभी अलग-अलग रेंज के हैं. अग्नि-5 इनमें से सबसे खास है. यह मिसाइल 5 हजार से भी ज्यादा दूर टारगेट को हिट कर सकती है. इसकी फ्लाइट टेस्टिंग की तैयारी काफी पहले से की जा रही थी.

मिशन से भारत को मिलेगी नई पहचान

मिशन दिव्यास्त्र के परीक्षण के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है जिनके पास एमआईआरवी (एमआईआरवी) क्षमता है. यह प्रणाली स्वदेशी एवियोनिक्स प्रणालियों और उच्च सटीकता सेंसर पैकेजों से सुसज्जित है, जो यह सुनिश्चित करती है कि पुन: प्रवेश करने वाले वाहन वांछित सटीकता के भीतर लक्ष्य बिंदुओं तक पहुंचें। यह क्षमता भारत की बढ़ती तकनीकी शक्ति की प्रतीक है.

जल्द ही सेना के बेड़े में शामिल होगी

मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल टेक्नोलॉजी से यह सुनिश्चित होगा कि एक ही मिसाइल अलग-अलग लोकेशन पर कई युद्ध प्रमुखों को तैनात कर सकती है. मिशन दिव्यास्त्र की सफल फ्लाइट टेस्टिंग के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास एमआईआरवी टेक्नोलॉजी है. अग्नि-5 एक न्यूक्लियर बैलेस्टिक मिसाइल है जो मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) तकनीक से लैस है. यह भारत के दुश्मनों के लिए एक चेतावनी की तरह है. इस मिसाइल के सफल परीक्षण से भारत की जद में सिर्फ चीन और पाकिस्तान ही नहीं बल्कि आधी दुनिया आ गई है.

12 मिनट में बीजिंग, डेढ़ मिनट में पाकिस्तान हो सकता है तबाह

बता दें कि अग्नि-5 मिसाइल की रेंज और इसकी रफ्तार ही इसकी खासियत है, यह चीन और पाकिस्तान को पल भर में तबाह कर सकती है. दिल्ली से बीजिंग की दूरी 3791 किमी है, यह दूरी तय करने में इस मिसाइल को 12.63 मिनट लगेंगे. इसके अलावा पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचने में यह सिर्फ डेढ़ मिनट लेगी. इतने कम समय में यह नई दिल्ली से इस्लामाबाद की 679 किमी की दूरी तय कर लेगी. मारक क्षमता को देखें तो पाकिस्तान के आगे अफगानिस्तान और ईरान तक इसकी जद में होंगे. इस परियोजना की निदेशक एक महिला है और इसमें महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है.

पीएम नरेंद्र मोदी का विपक्ष पर करारा हमला

घमंडिया गठबंधन के चश्मे का नंबर अभी तक नहीं बदला है

एजेंसी। गुरुग्राम

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले पीएम नरेंद्र मोदी लगातार राज्यों का दौरा करके कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं. इसी क्रम में वो दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करने हरियाणा के गुरुग्राम पहुंचे, जहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित भी किया. इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर हमला करते हुए कहा कि घमंडिया गठबंधन के नेता कह रहे हैं कि चुनाव की वजह से मोदी काम कर रहा है, लेकिन उन्हें पता ही नहीं है कि 10 सालों में कितने चुनाव आए और चले गए. उन्होंने कहा, घमंडिया गठबंधन की नींद खराब हो गई है. उनको समझ ही नहीं आ रहा कि इतनी तेज़ी से भी काम हो सकता है क्या? वो कह रहें हैं चुनाव की वजह से मोदी काम कर रहा

है लेकिन 10 सालों में ना जाने कितने चुनाव चले गए लेकिन इनके चश्मे का नंबर नहीं बदला. वो अभी भी निगेटिव है. कांग्रेस के लोग चुनावी घोषणाएं की सरकार चलाते थे. घोषणा कर करके घोंसले में घुस गए. हमारी सरकार जिस योजना का शिलान्यास करती है उसका लोकार्पण भी करती है. उन्होंने आगे कहा, पहले डिले होता था अब डिलीवरी होती है. पहले विलंब होता था अब विकास होता है. कांग्रेस से 7 दशक तक जो गड्ढे खोले थे वो अब तेजी से भरे जा रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

हेमंत के विरुद्ध कोर्ट ने जारी किया समन

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री और बरहेट के विधायक हेमंत सोरेन के विरुद्ध समन जारी हुआ है. रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम ने समन जारी करते हुए हेमंत सोरेन को अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है. दरअसल पिछले सोमवार को ईडी द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) पर अपना फैसला सुनाया था. अपने फैसले में कोर्ट ने प्रथम दृष्टया (प्राइमा फेसी) यह माना है कि हेमंत सोरेन ने ईडी के समन का उल्लंघन किया है. वहीं अदालत ने हेमंत के खिलाफ समन भी जारी करने का निर्देश दिया, उसी आदेश के आलोक में समन जारी हुआ है.

सीएम ने हेमंत से जेल में की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने सोमवार को पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से होटवार जेल में मुलाकात की है. ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच आधे घंटे तक बातचीत हुई है. हालांकि इस दौरान दोनों के बीच क्या बात हुई, इसे लेकर खबर लिखने तक कोई जानकारी नहीं मिली है. गौरतलब है कि जमीन घोटाला मामले में ईडी ने बीते 31 जनवरी को हेमंत सोरेन की गिरफ्तार किया था. जिसके बाद विधायक दल के नेता चंपाई सोरेन ने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने की दावेदारी पेश की थी. इसके बाद उन्होंने दो फरवरी को राज्य के मुख्यमंत्री के रुप में शपथ लिया था.

वकील के घर से 21 लाख का सामान ले उड़े चोर

रांची। हाईकोर्ट के अधिवक्ता के घर का ताला तोड़कर 21 लाख के समान की चोरी कर ली गई. यह घटना रविवार की देर रात एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के मरियातू, चंदघासी में हुई है. जहां हाइकोर्ट के अधिवक्ता के घर का ताला तोड़कर दो से तीन लाख रुपये नगद और करीब 21 लाख रुपये के सोने और चांदी के जेवरात चोरी कर ली गई. इस घटना की जानकारी सोमवार की सुबह अधिवक्ता को हुई. जिसके बाद इसकी सूचना एयरपोर्ट थाना पुलिस को दी गई. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल में चुकी हुई है.

हाल ए झारखंड : लोक प्रशासन और डिफेंस में सिर्फ 2.60 फीसदी महिलाएं, शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही हैं 11.07 फीसदी महिलाएं

इंफॉर्मेशन कम्यूनिकेशन सेक्टर में महिलाओं की भागीदारी सिर्फ 0.74%

रवि भारती। रांची

झारखंड में कृषि को छोड़ कर किसी भी सेक्टर में महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है. राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार झारखंड में इंफॉर्मेशन एंड कम्यूनिकेशन के फील्ड सिर्फ 0.74 महिलाएं ही अपनी सेवा दे रही हैं. वित्तीय प्रबंधन और इंश्योरेंस के क्षेत्र में 1.80 फीसदी महिलाएं कार्यरत हैं. लोक सेवा (पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन) व डिफेंस में महिलाओं का योगदान सिर्फ 2.60 फीसदी है. शिक्षा के क्षेत्र में 11.07 महिलाएं ही अपनी सेवा दे रही हैं.

खास बातें

- सोशल वर्क से जुड़ी हैं 3.43 महिलाएं
- इंश्योरेंस के क्षेत्र में 1.80 फीसदी महिलाएं कार्यरत
- विभिन्न सेवाओं में 16.43 फीसदी महिलाएं जुड़ी हैं

सोशल वर्क में सिर्फ 3.43 महिलाएं काम कर रही हैं. वहीं विभिन्न सेवाओं में 16.43 फीसदी महिलाएं जुड़ी हैं.

ग्रामीण क्षेत्र में 83.70 % महिलाएं कर रही हैं काम

झारखंड में ग्रामीण क्षेत्र में 83.70 फीसदी महिलाएं कृषि क्षेत्र में काम कर रही हैं. जबकि शहरों में 22.16 फीसदी महिलाएं कृषि कार्य से जुड़ी हैं. खनन के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं का योगदान 0.20 फीसदी है. जबकि शहरी क्षेत्रों में खनन कार्य में महिलाओं का योगदान 0.49 फीसदी है. मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में ग्रामीण महिलाएं की भागीदारी सिर्फ 8.08 फीसदी है. जबकि शहरी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी 18.69 फीसदी है.

शहरी क्षेत्र में इस कटेगरी में महिलाओं की भागीदारी

कटेगरी	भागीदारी
इंफॉर्मेशन कम्यूनिकेशन	0.74
फाइनांश एंड इंश्योरेंस	1.80
प्रोफेशनल एंड टेक्निकल	0.56
पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन	2.60
एजुकेशन	11.07
सोशल वर्क	3.43
अन्य सेवा	16.43 (प्रतिशत में)

ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी

क्षेत्र	ग्रामीण (प्रतिशत)	शहरी (प्रतिशत)
कृषि	83.70	22.16
खनन	0,20	0.49
प्राइमरी सेक्टर	83.9	22.65
मैन्यूफैक्चरिंग	8.08	18.69
वाटर सप्लाई	0.00	0.40
कंस्ट्रक्शन	2.97	5.51
ट्रेड	2.10	8.75
एकोमडेशन	0.37	6.06

व्यापार के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी 2.10 फीसदी

व्यापार के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी सिर्फ 2.10 फीसदी है. जबकि शहरों में महिलाओं की भागीदारी 8.75 फीसदी है. एकोमडेशन और फूड सर्विस सेक्टर में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी 0.37 फीसदी और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी 6.06 फीसदी है. वहीं तृतीयक क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी 5.05 फीसदी और शहरी क्षेत्र में 52.75 फीसदी भागीदारी है.

1717.19 करोड़ की लागत से आठ सड़क परियोजनाओं का किया शिलान्यास व लोकार्पण

पीएम ने दी झारखंड को सड़कों की सौगात

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को झारखंडवासियों को 1717.19 करोड़ की आठ सड़क परियोजनाओं की सौगात दी है. राजधानी रांची के सीएमपीडीआई के मयूरी सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएम ने इन परियोजनाओं का शिलान्यास पर लोकार्पण किया.

इन परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास व लोकार्पण

1. 707 करोड़ की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 33 के रांची बाईपास का चार लेन का निर्माण किया जाएगा.
क्या होगा फायदा
इस बाईपास की लंबाई 26.27 किमी की होगी. रांची में ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी, रांची से जमशेदपुर के बीच हाई स्पीड कनेक्टिविटी मिलेगी.

2. 300.46 करोड़ की लागत से पोखरिया से गोविंदपुर तक 4 लेन सड़क का निर्माण किया जाएगा.
क्या होगा फायदा
इस सड़क के बन जाने के बाद धनबाद से जामताड़ा, देवघर, दुमका जाने में लगने वाले समय में कमी आएगी. इसकी कुल लंबाई 15 किलोमीटर होगी.

3. 57 करोड़ की लागत से गुमला से कोलेबिरा तक सड़क का निर्माण किया जाएगा.
क्या होगा फायदा
यह राष्ट्रीय राजमार्ग झारखंड के गुमला, सिमडेगा जिला से ओडिशा राज्य के राउरकेला को जोड़ता है. जनजाति क्षेत्र के राजमार्ग में इस समाज के जीवन में सुधार होने की संभावना है. इसकी कुल लंबाई 47.07 किलोमीटर की होगी.

4. 76.50 करोड़ की लागत से सुंदरपहाड़ी से धरमपुर तक सड़क का निर्माण किया जाएगा.
क्या होगा फायदा
समय की बचत होगी. राइडिंग क्वालिटी मिलेगी. इसकी कुल लंबाई 27.05 किमी होगी.

5. 18.07 करोड़ की लागत से सुल्ताना से बिरहु तक सड़क निर्माण किया जाएगा.
क्या होगा फायदा
राजमार्ग हजारीबाग और चतरा जिले को जोड़ता है. यात्रा सुगम होगी और समय में कमी आएगी. इसकी लंबाई 10.5 किलोमीटर होगी.

6. 438 करोड़ की लागत से गिरिडीह बाईपास का निर्माण किया जाएगा.
क्या होगा फायदा
इस परियोजना के पूरा होने से रांची, देवघर तक यातायात सुगम हो जाएगी. इसकी कुल लंबाई 23.84 किलोमीटर की होगी.

7. 85.28 करोड़ की लागत से मुर्गातल से धनबाद तक सड़क निर्माण किया जाएगा.
क्या होगा फायदा
इस सड़क के बन जाने के बाद जमशेदपुर से धनबाद की यात्रा करने में समय कम लगेगी. इसकी कुल लंबाई 44 किलोमीटर की होगी.

8. 32.25 करोड़ की लागत से रूपनारायणपुर से जामताड़ा तक का सड़क निर्माण किया जाएगा.
क्या होगा फायदा
इसकी कुल लंबाई 20 किलोमीटर होगी. पश्चिम बंगाल सीमा से जामताड़ा, देवघर एवं दुमका जाने में समय में कमी आएगी.

700 करोड़ की लागत से रामकृपाल कंस्ट्रक्शन ने इसका निर्माण कराया है.

रांची- बाइपास बनने से जाम से मिलेगी मुक्ति

रांची बाइपास विकास से रामपुर खंड सड़क 26.27 किमी लंबी है. यह रांची रिंग रोड को भी जोड़ती है. इसके बनने से रांची रिंग रोड करीब 86 किमी लंबा तक बन जाएगा. छह चरणों में पथ निर्माण विभाग ने रिंग रोड को बनवाया था, यह हिस्सा विकास से रामपुर तक की सड़क को एनएच-33 में मिलाता है. 700 करोड़ की लागत से रामकृपाल कंस्ट्रक्शन ने इसका निर्माण कराया है. इसके बनने से रांची से जमशेदपुर जाने के लिए चार लेन रास्ता मिल जाएगा. वहीं, रामगढ़ रोड भी जाना आसान होगा. कांटाटोली चौक होते हुए अब बड़े वाहनों के आवागमन की आवश्यकता नहीं होगी, यहां रोजाना जाम से छुटकारा मिलेगा.
ये रहे मौजूद : कांके रोड स्थित सीएमपीडीआई के मयूरी सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में लोकसभा सांसद सुदर्शन भगत, पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, एनएचएआई के मुख्य अभियंता उमेश कुमार सहित कई अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे.

रांची-बनारस वंदे भारत ट्रेन का पीएम नरेंद्र मोदी आज करेंगे ऑनलाइन शुभारंभ

प्रमुख संवाददाता। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार 12 मार्च को रांची-बनारस वंदे भारत ट्रेन का ऑनलाइन शुभारंभ करेंगे. रांची रेलवे स्टेशन पर इस दौरान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इस दौरान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और सांसद संजय सेठ ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर रवाना करेंगे. यह ट्रेन बोकारो स्टील सिटी, हजारीबाग, कोडरमा व गया जंक्शन होकर चलेगी. ट्रेन के आठ कोच में 560 सीटें हैं. दक्षिण पूर्व रेलवे के अनुसार मंगलवार को ही देशभर में 10 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई जाएगी. रेलवे की ओर से इसके लिए समय सारणी जारी कर दी गयी है.

कब खुलेगी यह ट्रेन

- रांची से यह ट्रेन सुबह 5.10 बजे खुलेगी व बनारस दोपहर 1.00 बजे पहुंचेगी.
- **रांची से बनारस का सफर 7.50 घंटे का होगा.**
- रांची से बनारस के लिए इस ट्रेन का एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया नाश्ता व भोजन के साथ 2725 रुपए होगा.
- बिना नाश्ता और भोजन के 2325 रुपए है. वहीं, चेयरकार का किराया नाश्ता व भोजन के साथ 1505 व बिना नाश्ता व भोजन के 1160 रुपये है.
- बनारस से रांची आनेवाले यात्रियों को नाश्ता की सुविधा नहीं मिलेगी.
- बनारस से रांची का किराया 2675 रुपए खाना के साथ और बिना भोजन के 2325 रुपए है. वहीं, चेयरकार का किराया 1450 रुपए भोजन के साथ व बिना भोजन के 1160 रुपए है.

मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति धार्मिक स्थल में तोड़फोड़ करते हैं

झारखंड के जिलों में बार-बार हो रही है सांप्रदायिक हिंसा फैलाने की साजिश

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में बार-बार सांप्रदायिक हिंसा फैलाने की साजिश हो रही है. असामाजिक तत्वों धार्मिक स्थलों से छेड़छाड़ कर माहौल बिगड़ने की कोशिश कर रहे हैं. कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं जिसमें मानसिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के द्वारा धार्मिक स्थल में घुसकर मूर्तियों को खंडित करने की घटना को अंजाम दिया गया है.

जानें कब-कब हुई सांप्रदायिक हिंसा फैलाने की साजिश

11 मार्च 2024 : रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र के उमेडंडा में तीन धार्मिक स्थलों में मूर्तियों को खंडित कर दिया गया.

16 नवंबर 2023 : रांची के मांडर थाना क्षेत्र के मुड़मा गांव में चार मंदिरों की प्रतिमाओं को खंडित किया गया था. इस घटना को सुखदेव उरांव नामक आरोपी ने शराब के नशे में अंजाम दिया था. सुखदेव मानसिक रूप से कमजोर बताया गया.

28 सितंबर 2022 : रांची के मेन रोड पर मल्लाह टोली में स्थित एक धार्मिक स्थल पर तोड़फोड़ की गई थी. इस मामले में पुलिस ने मानसिक रोगी को गिरफ्तार किया था.

16 फरवरी 2024 : रांची के नगड़ी में मूर्ति विसर्जन करने जा रहे जुलूस पर पथराव किया गया. जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी.

21 जनवरी 2024 : धनबाद में भगवा झंडा लगाने को लेकर दो समूहों के बीच मारपीट और पत्थरबाजी की घटना हुई थी.

08 जनवरी 2024 : रांची के बरियातू में असामाजिक तत्वों ने देवी-देवताओं की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया था. जिसके बाद लोग आक्रोशित हो गए थे.

5 नवंबर 2023 : बोकारो के ललपनिया थाना क्षेत्र में असामाजिक तत्वों के धार्मिक स्थल पर देवी-देवताओं की प्रतिमा विखंडित कर दी थी. इसे लेकर आक्रोशित लोगों ने ललपनिया गोमिया मुख्य मार्ग को जाम कर दिया था.

04 नवंबर 2023 : गढ़वा जिला के सदर थाना के बलिगढ़ गांव के धार्मिक स्थल में शरारती तत्वों ने तोड़फोड़ की थी. जिससे लोग आक्रोशित हो गये थे.

30 सितंबर 2023 : धनबाद के गोविंदपुर में कुछ युवकों ने धार्मिक स्थल पर मूर्तियों को खंडित किया था. जिसके बाद लोग आक्रोशित हो गये थे.

नक्सल विरोधी अभियान से अलग है ये बीमा

बम निरोधक दस्ते के जवानों के लिए 60 लाख का बीमा तय

संवाददाता । रांची

बम निरोधक दस्ते के 59 सदस्यों को इसका लाभ मिलेगा. इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने प्रति सदस्य 2950 रुपये वार्षिक प्रीमियम का भुगतान किया है. यह बीमा नक्सल विरोधी अभियान से अलग है. नक्सल विरोधी अभियान के लिए बीमा पहले से लागू है. पुलिस मुख्यालय ने बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीडीएस) के लिए योजना बनायी थी. मुख्यालय का तर्क है कि बम निरोधक दस्ते को नक्सल अभियान के अलावा भी आकस्मिक बम जांच, आईईडी जांच, औचक निरीक्षण या प्रशिक्षण के क्रम में कोई नुकसान पहुंचेगा तो इस बीमा का उसको लाभ मिलेगा. एकरारनामे के अनुसार, बम निष्क्रिय ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों-पदाधिकारियों के घायल, निः शक्तता या बलिदान होने की स्थिति में संबंधित जिला के पुलिस अधीक्षक चिकित्सा, निशक्तता या मृत्यु बीमा के लिए दावा एकरारनामे में वर्णित निर्देशों के आलोक में होगा.

जानें किस परिस्थिति में कितना मिलेगा लाभ

मृत्यु की स्थिति में 100 प्रतिशत, स्थाई रूप से निशक्तता में 100 प्रतिश और दो अंगों की क्षति होने पर (जैसे दोनों आंखें या फिर एक आंख व एक अन्य अंग नष्ट होने पर) भी 100 प्रतिशत बीमा राशि मिलेगी. एक अंग या एक आंख नष्ट होने पर 50 प्रतिशत राशि मिलेगी. स्थाई रूप से हल्का निशक्त होने पर आईआरडीए के नार्म्स के अनुसार राशि मिलेगी. जख्मी होने पर निजी या सरकारी अस्पताल में इलाजरत रहने पर अधिकतम 20 लाख रुपये, पुलिसकर्मी की मृत्यु की स्थिति में दो बच्चों की शिक्षा के लिए प्रति बच्चा दो लाख और बम निष्क्रिय करने के दौरान मृत्यु होने पर शव ले जाने के लिए 50 हजार दिया जायेगा.

दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए हो स्थायी रैंप की व्यवस्था

केंद्रों पर होंगी आवश्यक सुविधाएं : कुमार

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने राज्य के सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों से कहा कि आसन्न लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर अपने क्षेत्राधीन सभी मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले लोगों एवं मतदानकर्मियों के लिए सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं का भौतिक सत्यापन कराकर आगामी 27 मार्च तक प्रतिवेदित करें. मतदान केन्द्र को अनिवार्यतः भवन के निचले तल्ले में अवस्थित होना चाहिए ताकि वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं को कोई असुविधा नहीं हो.

मतदान केंद्र में प्रवेश और निकास का अलग-अलग हो दरवाजा : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदान केंद्र में प्रवेश और निकास का अलग-अलग दरवाजा होना चाहिए. सभी मतदान केंद्रों पर दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए स्थायी रैम्प होने चाहिए.

- जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को मतदान केंद्रों के भौतिक सत्यापन का निर्देश

इसके अलावे पेयजल, प्रकाश-विद्युत की उपलब्धता भी होनी चाहिए. सभी मतदान केंद्रों पर मतदानकर्मियों एवं पोलिंग एजेंट सहित दिव्यांग, गर्भवती महिला एवं वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के लिए पर्याप्त संख्या में कुर्सी- टेबुल व बेंच की व्यवस्था की जानी है. सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुरुषों एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, छोटे शिशुओं के लिए क्रेच के अलावे सभी मतदान केंद्रों पर न्यूनतम 15 फुट गुणा 15 फुट के अस्थायी टेन्टेड छाया की व्यवस्था भी की जानी है. उन्होंने कहा कि इसे मूर्त रूप देने के लिए प्रत्येक जिले में एक वरीय पदाधिकारी को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है. प्रत्येक सेक्टर पदाधिकारी को अपने क्षेत्राधीन सभी मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करना है. सभी निर्वाची पदाधिकारियों से कहा गया है कि वे मतदान केंद्रों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाओं की व्यवस्था के लिए अपने क्षेत्र के कम से कम 20 फीसदी मतदान केंद्रों का ससमय भौतिक सत्यापन कर लें.

3 सीओ व 7 सहायक बंदोबस्त पदा. बदले

रांची। राज्य सरकार ने तीन सीओ (अंचल अधिकारी) और सात सहायक बंदोबस्त पदाधिकारियों का तबादला कर दिया है. सोमवार को इसका आदेश जारी कर दिया. आदेश के अनुसार विशुनपुर के सीओ दिनेश कुमार गुप्ता को चिनिया का सीओ, शेखर को चिनया से विशुनपुर सीओ की जिम्मेवारी सौंपी गई है. माधवी मिश्रा को जलडेगा से स्थानांतरित करते हुए कुड़ू का सीओ बनाया गया है. वहीं सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी किरण बोदरा को रांची से हजारीबाग, प्रीति केरकेट्टा को हजारीबाग से धनबाद, अमृता खाखा को हजारीबाग से रांची, शादां नुसरत को दुमका से हजारीबाग, निर्मल सोरेन को पलामू से धनबाद राजेश कुमार को धनबाद से पलामू और मिथिलेश चौधरी को धनबाद से दुमका का सहायक बंदोबस्त पदाधिरकारी बनाया गया है.

योजना एचआईवी पीड़ितों की पेंशन योजना में 2781 लाभुक बढ़े

झारखंड में पेंशन योजनाओं पर खर्च हुए 1992.50 करोड़

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने विभिन्न पेंशन योजनाओं के मद में सालाना 1992.50 करोड़ रुपए खर्च की है. वहीं पेंशन योजनाओं में लाभुकों की संख्या में भी वृद्धि हुई है. मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना में लाभुकों की संख्या में 91917 की वृद्धि हुई है. वहीं स्वामी विवेकानंद स्वालंबन प्रोत्साहन योजना में 16872 लाभुकों की संख्या में वृद्धि हुई है. मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना में लाभुकों की संख्या में 39555 की वृद्धि हुई है. मुख्य एचआइवी पीड़ित के लिए लागू पेंशन योजना में लाभुकों की संख्या में 726 की वृद्धि हुई है.

वृद्धवस्था पेंशन में सबसे अधिक राशि खर्च

राज्य में सबसे अधिक राशि मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना में खर्च की गई है. इस योजना के तहत 662.84 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं. वहीं मुख्यमंत्री आदिम जनजाति पेंशन योजना के तहत 39.57 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं. इंदिरा गांधी ओल्ड एज पेंशन स्कीम के तहत 703.20 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं. इस श्रेणी में पेंशधारियों की संख्या 9,31,868 है. इंदिरा गांधी विडो पेंशन स्कीम के तहत 234.55 करोड़ रुपए खर्च किए गए. इसमें पेंशनधारियों की संख्या 2,56,708 है.

इंदिरा गांधी विधवा पेंशन योजना में 70.38 % राशि खर्च

वित्तीय वर्ष 2023-24 में सबसे कम खर्च मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना में की गई है. अब तक इस श्रेणी में 40.88 फीसदी राशि खर्च की गई है. इंदिरा गांधी विधवा पेंशन में सबसे अधिक 70.38 फीसदी राशि खर्च की गई है. इंदिरा गांधी नेशनल डिसेबिलिटी पेंशन स्कीम के तहत 69.70 फीसदी राशि खर्च की गई है. एचआईवी पीड़ित पेंशन योजना के तहत 42.61 फीसदी राशि खर्च की गई है.

पेंशन योजना	अब तक भुगतान (लाख में)	खर्च का प्रतिशत
इंदिरा गांधी ओल्ड पेंशन स्कीम	70320.58	56.86
इंदिरा गांधी विडो पेंशन स्कीम	23455.37	70.38
इंदिरा गांधी डिसेबिलिटी पेंशन	2294.67	69.70
नेशनल फैमिली बेनेफिट	654.6	32.73
मुख्यमंत्री वृद्धा पेंशन	66284.41	40.88
मुख्यमंत्री आदिम जनजाति पेंशन	3957.65	48.94
मुख्यमंत्री निराश्रित महिला पेंशन	18740.88	40.31
मुख्यमंत्री एचआईवी पीड़ित पेंशन	285.88	42.61
स्वामी विवेकानंद प्रोत्साहन	13256.75	46.00

CLASSIFIED

तापमान
31.1° अधिकतम | 15.0° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | मंगलवार 12 मार्च 2024 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 02, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 324 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चांद नजर आया, पहला रोजा आज से

सोमवार को एदार ए शरीया झारखंड के द्वारा हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार दरगाह, डुरंडा रांची के परिसर में रमजानुल मुबारक का चांद देखने की व्यवस्था की गई. इस दौरान रमजानुल मुबारक का चांद देखा गया. जिसके बाद निर्णय लिया गया कि 11 मार्च से तरावीह शुरू और रमजानुल मुबारक का पहला रोजा 12 मार्च मंगलवार से प्रारंभ हो रहा है.

फाइल फोटो

गर्मी में जलापूर्ति के लिए रांची नगर निगम की कार्ययोजना हर साल होती है फेल

जल संकट दूर करने के लिए फिर तैयार हो रहा एक्शन प्लान

तरुण कुमार चौबे । रांची

राजधानी रांची में गर्मी के मौसम में जल संकट से निपटने के लिए रांची नगर निगम ने फिर से इस साल योजना तैयार की है. हालांकि हर साल नगर निगम का प्लान धरातल पर पूरी तरह से उतर नहीं पाता है. इस साल रांची नगर निगम ने अपने वाटर सप्लाई एक्शन प्लान को लेकर तैयारी शुरू कर दी है. कुछ दिन पहले प्रशासक अमित कुमार ने सभी इलाकों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिये थे. रिपोर्ट में क्षेत्रवार पानी की स्थिति की जानकारी तैयार की गयी है. इसके साथ ही जलशाखा ने पीएचईडी विभाग के साथ बैठक कर उनसे मदद मांगी है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर निगम ने पीएचईडी विभाग द्वारा उपयोग किये जा रहे टैंक से प्रतिदिन 300 टैंकर भरने की मांग की थी. लेकिन पीएचईडी विभाग ने केवल 150 टैंकर भरने की अनुमति दी है.

विभाग का कहना है कि उन्हें भी पूरे शहर में पानी की आपूर्ति करनी है. अगर प्रतिदिन 300 टैंकर पानी निगम को दिया जायेगा, तो उनके पास आपूर्ति करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं बचेगा. निगम की ओर से तैयार की गयी रिपोर्ट के मुताबिक गर्मी के मौसम में जिन इलाकों में टैंकरों से पानी की आपूर्ति की गयी है, उसके अलावा नये इलाकों में जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है. वहां भी पानी पहुंचाने की योजना बनायी गयी है. इस काम के लिए एजेंसी की तलाश की जा रही है. नगर निगम की ओर से टेंडर भी जारी कर दिया गया है. पिछले साल सप्लाई का काम एमडी एजेजा नाम की एजेंसी को सौंपा गया था. लेकिन एजेंसी ने ठीक से काम नहीं किया. इसलिए इस साल निगम एक से अधिक एजेंसी को काम सौंपने जा रही है. इसके साथ जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 20 टैंकर बढ़ाया जायेगा. रांची के कांके रोड़, हरमू, रातू रोड, आनंद नगर, विद्यानगर, तुपुदाना आदि इलाकों में पेयजल संकट की समस्या सबसे अधिक होती है. इन इलाकों के पाइपालाइन से अभी तक जलापूर्ती शुरू नहीं हो पायी है. जिसके कारण इन इलाकों की हालत सबसे खराब हो जाती है.

डीप बोरिंग लंबे समय से है खराब

नगर निगम हर साल जलसंकट से निजात पाने के लिए कई तरह के योजना बनाती है, लेकिन उनकी योजना हर बार धरी की धरी ही रह जाती है. राजधानी के कई इलाकों में खराब पड़ी डीप बोरिंग व चापानल को दुरुस्त नहीं कराया जा रहा है. शहर में कुल 3000 चापाकल हैं. जिनमें 150 के कीब सूख चुकी है. इसके साथ 300 से अधिक चापाकल बरसात में ही काम करता है. ये चापाकल फरवरी से पहले ही सूख जाता है. इसके साथ पूरे शहर में मिनी एचवाइडीटी कि संख्या 1611 और एचवाइडीटी कि संख्या 177 हैं. इनमें से भी कई गर्मी आते ही सूख जाते हैं.

जलाशयों में भरी गाद व जलकुंभी

नगर निगम जलसंकट से लड़ने कि लिए एक्शन प्लान बना रहा है. वहीं शहर के जलाशयों की स्थिति भी गंभीर बनी हुई. जलाशयों में गर्मियों में प्यास बुझाने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है. रूक्का डैम में गाद की सफाई नहीं होने के कारण जलस्तर कम हो गया है. सिर्फ दस फीट ही पानी सप्लाई कर पीने लायक बचा है. गाद की सफाई होती तो पानी का भंडारन बढ़ जाता है. इसके साथ ही डैमों में जलकुंभी का भी भरमार लगा हुआ है.

20 नए टैंकर, पर पुराने में लग रही है जंग

गर्मी में परेशानी को देखते हुए निगम ने 20 नए टैंकर खरीदने का फैसला लिया है. अभी निगम के पास में 54 टैंकर हैं. लेकिन पूरे शहर के लिए ये पर्याप्त नहीं हैं. इसलिए निगम 20 नए टैंकरों खरीदेगा. लेकिन निगम के स्टोर कार्यालय में कई टैंकरों में जंग लग गया है. यहां रखे दर्जनों टैंकर की स्थिति जर्जर हो चुकी है. हालत यह है कि टैंकर से जितना पानी भेजा जाता है, उससे अधिक तो बह ही जाता है. टैंकरों के रखरखाव भी नहीं किया जा रहा है.

गर्मी में हर साल होता है राजधानी में जलसंकट

राजधानी रांची में हर साल करीब ग्राउंड वाटर रिचार्ज नहीं होने से लगभग 80 प्रतिशत पानी बर्बाद होता है. इसके साथ शहर की बढ़ती जनसंख्या से तेजी से शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, कम बारिश और ग्राउंड वाटर का दोहन है. साथ ही साथ जरूरत के अनुसार वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था नहीं की गई है. बारिश का पानी बेकार चला जाता है. शहर में 10 प्रतिशत घरों में ही रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगा हुआ है.

शहर में पानी संरक्षित रखने के लिए क्या है प्लानः हाईकोर्ट

रांची । झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और रांची नगर निगम से पूछा है कि शहर के जल स्रोतों में पानी संरक्षित रखने के लिए सरकार और निगम के पास क्या प्लान है? गर्मी में पेयजल की समस्या से कैसे लड़ेंगे? भविष्य में रांची में पेयजल का संकट ना आए इसके लिए निगम और सरकार क्या योजनाएं बना रही है. इस मामले को लेकर सोमवार को हाईकोर्ट जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अदालत में सुनवाई हुई. हाईकोर्ट ने इस मामले में रांची के जलस्रोतों के अतिक्रमण एवं रांची शहर के बड़ा तालाब की साफ-सफाई को लेकर स्वतः संज्ञान लिया है. अब इस मामले में अगली सुनवाई तीन अप्रैल को होगी.

भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग के लिए बनाए गए हैं नियम : निगम : सुनवाई के दौरान रांची नगर निगम की ओर से बताया गया कि निगम ने भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग के लिए नियम बनाए गए हैं. इसका पालन नहीं करने वाले भवन मालिको एवं अपार्टमेंट के निवासियों से डेढ़ गुना अतिरिक्त होल्डिंग टैक्स वसूला जा रहा है. तीन-चार माह में राजधानी के कांके डैम, हटिया डैम एवं गेतलसूद डैम का झारखंड स्टेट स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के माध्यम से सेटेलाइट मैपिंग किया जाएगा. ताकि इन तीन डैम का जल स्रोत, कैचमेंट एरिया, डैम के आसपास के अतिक्रमण आदि की जानकारी हो सके.

जलसंकट गहराया

तापमान बढ़ते ही रांची में होने लगी पेयजल की समस्या

संवाददाता । रांची

अत्यधिक गर्मी बढ़ने के साथ-साथ पेयजल की समस्या गहराने लगी है. शहर के विभिन्न क्षेत्रों के कुआं, चापानल और बोरिंग सूखने लगे हैं. जलस्रोतों का पानी धीरे-धीरे कम होने लगा है. शहर में पानी के लिए लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. मार्च महीने से ही अधिकांश लोगों का बोरिंग सूखने लगे हैं. हरमू, सिंदवार टोली, टैगोर हिल, बरियातू और मोराहबादी इसमें शामिल है. हरमू वार्ड संख्या 34 में पानी के लिए मार्च महीने से ही लोग पानी का इंतजाम करना शुरू करने लगे हैं. मई महीने में पूरी तरह से बोरिंग सूख जाता है. पानी के लिए नगर निगम के टैंकर पर निर्भर रहना पड़ता है.

पानी के लिए लोग मारपीट पर उतारू हो जाते हैं. पीने का वैकल्पिक व्यवस्था जार पानी होता है. सत्येद्र कुमार ने कहा कि मुहल्ले में 6 महीने पहले मिनी एचवाईडीटी लगा है. शुरू में पानी आया था. उसके बाद से पानी ही नहीं आया है. प्रखर वर्मा ने बताया कि अत्यधिक गर्मी बढ़ने लगी है. पानी की समस्या होने लगी है. लोग अभी से पानी के इंतजाम में जुट गये हैं. सार्थक श्रेष्ट ने बताया कि विद्यानगर, जमुनानगर में पानी की समस्या से निजात दिलाने के लिए कोई सामने नहीं आ रहा है. चुनाव समय सभी नेता मुहल्ले में घूमते हैं. 5 हजार की आबादी में तीन जगह ही मिनी एचवाईडीटी लगाया गया है. उपेद्र प्रसाद ने बताया कि चुनाव सामने आ रहा है. नेता लोग वोट मांगने के लिए आयेंगे. लेकिन पानी की समस्या को दूर करने की बात नहीं करेंगे. आबादी के हिसाब से मिनी एचवाईडीटी लगाना था. लेकिन अभी तक नहीं लगाया गया है. सप्लाई पानी बिछाया गया है, लेकिन अभी तक पानी नहीं पहुंच पाया है.

लोग परेशान

खास बातें

- कई इलाकों में अभी से शुरू हो गयी पानी की किल्लत
- समस्या से निजात दिलाने के लिए कोई नहीं आ रहा सामने

अधिवक्ता के घर से 21 लाख की चोरी

संवाददाता । रांची

हाईकोर्ट के अधिवक्ता के घर का ताला तोड़ कर 21 लाख रुपए की समान की चोरी कर ली गई. यह घटना रविवार की देर रात एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के मरियातू, चंदघासी में हुई है.जहां हाइकोर्ट के अधिवक्ता के घर ताला तोड़कर दो से तीन लाख रुपये नगद और करीब 21 लाख रुपये के सोने और चांदी के जेवरात चोरी कर ली गई. इस घटना की जानकारी सोमवार की सुबह अधिवक्ता को हुई. जिसके बाद इसकी सूचना एयरपोर्ट थाना पुलिस को दी गई. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल में झुकी हुई है और मामले की जांच कर रही है.

शहर में हर तरफ जाम ही जाम, राहगीर रहे हलकान

राजधानी की हर सड़क का एक जैसा नजारा

संवाददाता। रांची

राजधानी रांची के लगभग सभी मुख्य मार्ग हर दिन जाम रहते हैं. इस वजह से राहगीरों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. शाम 5:30 बजे से जाम की स्थिति बनी हुई है. मिली जानकारी के अनुसार, मेन रोड, कोकर रोड, रातू रोड, सर्कुलर रोड में जाम के कारण गाड़ियां रेंग रही हैं. अपने गंतव्य तक जाने में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

ट्रैफिक कंट्रोल की ओर से कहा गया की जाम के कारण का पता नहीं लग सका है. हालांकि सोमवार और शनिवार को ट्रैफिक लोड ज्यादा रहता है. ट्रैफिक क्लियर करने के लिए तमाम ट्रैफिक पुलिस के जवान और अधिकारी मौजूद हैं. वहीं ट्रैफिक एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि वो ग्राउंड पर मौजूद हैं. जल्द ट्रैफिक को क्लियर करने के कोशिश की जा रही है.

मांडर में घर से शौच गयी महिला की हत्या

मांडर (रांची) । थाना अंतर्गत परयागो गांव में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है. घटना सोमवार सुबह 5 बजे की है. जानकारी के अनुसार परयागो निवासी दुलारी कच्छप के परिजनों के अनुसार अन्य दिनों की तरह सुबह के लगभग पांच बजे घर से शौच के लिए निकली थी. काफी देर तक घर नहीं लौटने पर लोगो से पूछताछ करने लगे तभी कुछ देर बाद गांव वालों ने परिजनों को सूचना दी कि घर से थोड़ी दूर स्थित सड़क किनारे दुलारी कच्छप मरी पड़ी है. तभी इसकी सूचना पुलिस को दी गई. सूचना मिलने पर मांडर पुलिस गांव पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया. परिजनों ने बताया कि उनका गांव के गोतिया के साथ 12 एकड़ की जमीन को लेकर विवाद चल रहा है. कोर्ट से कुछ ही दिनों के अंदर जमीन को लेकर फैसला आना. उन्हें आशंका है कि जमीन विवाद में दूसरे पक्ष के लोगों ने ही उनकी हत्या गला दबाकर कर दी है. दुलारी देवी पुराना स्वयं सहायता महिला समूह से जुड़ी हुई थी, पर 4 साल पूर्व किसी कारण बस उसे उस समूह से निकाल दिया गया था, जिसकी जांच अभी तक चली रही है. इसके बाद वह अपने पति के साथ घर के निकट ही होटल व्यवसाय से जुड़ गई थी, उसके चार बच्चे भी हैं.

मेकॉन पुल के पास युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

बिहार की ट्रेन से आया युवक पेड़ से झूल गया

संवाददाता। रांची

मेकॉन पुल के पास युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. यह घटना डोरंडा थाना क्षेत्र के मेकॉन सैटेलाइट पुल के पास की है, जहां एक युवक ने पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतक की पहचान नंदू कुमार झा के रूप में हुई है. वह मूल रूप से बिहार का रहने वाला था. घटना की सूचना मिलने के बाद डोरंडा थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने पुल के पास एक पेड़ पर युवक का शव लटकता देखा.

इसके बाद पुलिस को इसकी जानकारी दी. सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से युवक के शव को पेड़ से नीचे उतारा. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. बताया जा रहा है कि युवक ट्रेन से आया और आम के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली.

तमाड़ में प्रेमी युगल का शव बरामद, दोनों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली

रांची। जिले के तमाड़ थाना क्षेत्र के बरवा नहर के पास सोमवार सुबह प्रेमी युगल का शव बरामद हुआ है. मृतकों की पहचान 22 वर्षीय प्रेमी प्रलाद लोहरा और 18 वर्षीय प्रेमिका संगीता कुमारी के रूप में हुई है. दोनों तमाड़ थाना क्षेत्र के बरवा गांव के निवासी हैं. दोनों ने जहर खाकर आत्महत्या की है. जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह बरवा नहर के पास प्रेमी युगल का शव देखा. शव मिलने की खबर से मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी. ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की जांच में जुटी है. बताया जा रहा है युवक और युवती के बीच कई सालों से प्रेम प्रेसंग चल रहा था. दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन दोनों के घरवाले शादी के लिए राजी नहीं थे. इसलिए दोनों ने जहर खा आत्महत्या कर ली.

बेतला वन अभयारण्य में लौटेगी रौनक, लोगों को हो सकेंगे बाघों के दीदार

एक साल में पीटीआर में दिखे चार बाघ, वन विभाग की टीम उत्साहित

खास बातें

- पिछले साल भी पलामू में देखा गया था एक बाघ
- पीटीआर में लगाये गये कैमरों में कैद हुई बाघों की तस्वीर

आशीष टैगोर। रांची/लातेहार

बेतला आनेवाले सैलानियों के लिए एक और खुशखबरी है. पीटीआर नेशनल पार्क क्षेत्र में एक बाघ और देखा गया है. एक साल में पलामू व्याघ्र परियोजना (पीटीआर) में 4 बाघ देखे गये. पिछले साल मार्च मे पीटीआर में बाघ दिखा था. उसके बाद नवंबर में दो बाघ देखे गये. अब मार्च में फिर से बाघ देखे जाने का दावा वन विभाग का है. पीटीआर में लगे कैमरों में बाघ की तसवीर कैद हुई है. बाघ स्वस्थ्य है और पिछली बार देखे गये बाघो से अलग है. यह बाघ उसी इलाके में देखा गया जहां नवंबर के माह में बाघ देखे गये थे. चौथा बाघ देखे जाने से वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी खासे उत्साहित हैं.

50 कैमरे लगाये गये हैं

पीटीआर वन क्षेत्र 1129 वर्ग किलोमीटर में है और इसमें बाघों एवं अन्य वन्य जीवों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 50 से अधिक कैमरे लगाये गये हैं. इन्ही कैमरों में से एक मे उक्त बाघ की तसवीर कैद हुई है. इन कैमरों में पूर्व में पाये गये तीन बाघ की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है. उनके द्वारा जंगल में शिकार करने की तसवीरें भी कैमरों में कैद की गयी है. विशेषज्ञों ने बताया कि बेतला में अभी तक जितने भी बाघ देखे गये हैं, सभी नर हैं. शायद वे मादा की तलाश में भटक रहे हैं और अभी तक अपना स्थायी निवास नहीं बना पाये हैं. वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार पीटीआर में बाघों के स्थायी प्रवास के लिए प्रयास किये जा रहे हैं.

कब कहां देखे गये बाघ

आज से दो साल पहले तक कहा जाता था कि बेतला या पीटीआर में बाघों कें संरक्षण के नाम पर लाखों रूपया पानी की तरह बहाया जा रहा है, लेकिन इसका फलाफल शून्य है. लेकिन विगत एक सालों में पीटीआर में बाघों की चहलकदमी ने सभी मिथक तोड़ दिये हैं. पिछले वर्ष सबसे पहले मार्च के महीने में पीटीआर के कूटकू वन प्रक्षेत्र में बाघ को देखा गया था. इसके बाद नवंबर में गारू वन प्रक्षेत्र में बाघ देखा गया. तीसरी बार भी नवंबर के माह में ही बेतला नेशनल पार्क में बाघ देखा गया. बेतला आये कोलकाता के पर्यटको ने उसकी तसवीर कैमरे में कैद की थी. चौथी बार भी बेतला नेशनल पार्क में ही बाघ देखा गया है.

गौशाला की जंग

मारवाड़ी समाज के युवा से लेकर बुजुर्ग तक जमीन बेचने या लीज देने पर हैं अचंभित

उठाये सवाल- अब दे रहे सफाई, आमसभा में स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की?

राजन बॉबी। रांची

रांची गौशाला न्यास समिति के 110 लोगों की सदस्यता के साथ ही साथ जमीन औने-पौने दाम पर बेचे जाने का मामला मारवाड़ी समाज में चर्चा का विषय बना हुआ है. समाज के युवा से लेकर बुजुर्ग तक जमीन स्कूल व फैक्ट्री के लिए दिए जाने को लेकर सवाल उठा रहे हैं. सदस्यों का साफ-साफ कहना है कि गौशाला की जमीन बेचने या लीज पर देने का फैसला आखिर चुनिंदा लोगों ने अपने स्तर से कैसे ले लिया. आम सदस्यों को विश्वास में क्यों नहीं लिया गया. इससे कहीं न कहीं गौशाला की जमीन को लेकर हेरफेर किया जाने की बू आती है. सदस्यों का कहना है कि करोड़ों की जमीन आखिर औने-पौने दाम पर क्यों बेची गयी. नियम कानूनों व गौशाला के संविदान को ताक पर रख कर क्यों फैसले लिये गये. सदस्यों और मारवाड़ी समाज के लोगों द्वारा लगातार किये जा रहे सवालों के

हमले से बौखलाये गौशाला न्यास बोर्ड के चेयरमैन रतन जालान ने चुप्पी तोड़ी, कहा कि ट्रस्ट बोर्ड की बैठक कर सारे विवाद सुलझा लिये जाएंगे, भ्रम के कारण कुछ समस्याएं आयी हैं, एसे दूर कर लिया जाएगा, लेकिन सदस्यों को उनकी बातों पर तनिक भरोसा हैं. सदस्यों का कहना है उनसे ज्यादा जालान जी को कौन जानता है. उनकी बातों पर कतई भरोसा नहीं किया जा सकता.

आमसभा में क्यों नहीं स्थिति स्पष्ट की थी? : गौशाला न्यास समिति के सदस्यों के साथ मारवाड़ी समाज के लोगों का कहना है कि समिति के अध्यक्ष पुनित पोद्दार पर उन्हें भरोसा है. समाज में उनकी छवि भी बेहतर है और गौशाला के लिए वे तन, मन धन से जुड़े भी हैं. लेकिन गौशाला न्यास बोर्ड के चेयरमैन पर वे कतई भरोसा नहीं कर सकते. सदस्यों का कहना है कि चेयरमैन जालान को तो आमसभा में ही सदस्यों की उपस्थिति में सारी स्थिति स्पष्ट कर देनी चाहिए थी. लेकिन आनन-फानन आमसभा समाप्त कर दी गयी. सदस्यों का कहना है कि आज ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन सफाई दे रहे हैं कि किसी भी सदस्य के मन में किसी तरह का कोई भी भ्रम है या दिक्कत है, तो मंच पर बैठ कर बात कर सकते हैं. जब ऐसा ही था तो आमसभा में उन्होंने स्थिति क्यों नहीं स्पष्ट की थी. सारे सदस्यों की उपस्थिति में स्थिति स्पष्ट कर देते तो भ्रम दूर हो जाता. तो जिस दिन मामला स्पष्ट करना चाहिए था, उस दिन स्पष्ट नहीं किया और अब फिर से मिलजुल कर बैठने की बात कह रहे हैं, तो इस पर कैसे भरोसा किया जाए?

जानिए सदस्य हर रोज उठा रहे हैं कैसे -कैसे सवाल?

- जब संविधान में स्पष्ट है कि गौशाला न्यास से जुड़ा कोई भी व्यक्ति गौशाला की जमीन या संपत्ति हीं खरीद सकता, तो फिर कैसे जिसे जमीन बेची गयी, उसे ही ट्रस्टी भी बना दिया गया?
- बाढ़ू गांव स्थित गौशाला की जमीन का सौदा संविधान में उल्लेखित नियमों व तथ्यों को ताक पर रख कर क्यों किया गया ?
- गौशाला की जमीन बेचनी ही थी, तो पादर्शिता क्यों नहीं बरती गयी, गुपचुप तरीके से सौदा क्यों कर दिया गया?
- पुराने लेटर पैड पर सचिव प्रदीप राजगढ़िया को सिग्नेचर ऑफ एक्सीक्यूटेंट का अधिकार कैसे दिया गया और किसने दिया?
- सीएनटी नेचर की गौशाला की गोचर भूमि की आखिर कैसे राजकुमार केडिया के नाम रजिस्ट्री करा दी गयी?
- गौशाला न्यास समिति के सचिव प्रदीप राजगढ़िया को जमीन बेचने के लिए ऑथोराइजेशन लेटर किसने और कैसे दिया?
- गौशाला की जिस जमीन की रजिस्ट्री दूसरों को की गयी है, उस डीड में कहीं भी जमीन के इतिहास का उल्लेख क्यों नहीं है?
- गौशाला समिति व अफसरों के गंठजोड़ ने बेशकीमती जमीन को कब्जियाने या बेचने की नियत से अफसरों के साथ मिलकर खेल तो नहीं किया ?
- किन परिस्थतियों में गौशाला की जमीन राजकुमार केडिया और संजीव खीरवाल के नाम पर मात्र 7,174 रुपये प्रति डिसमिल की दर से रजिस्ट्री कर दी गयी?
- सदस्य और मारवाड़ी समाज की यह मांग कि गौशाला की जमीन हर हाल में फिर से गौशाला को वापस लौटायी जानी चाहिए. सदस्यों को इंतजार है कि आखिर इस पर ट्रस्टी और पदाधिकारी क्या फैसला लेंगे?

कैबिनेट की बैठक आज, दर्जन भर एजेंडों को मिलेगी मंजूरी

इसके अलावा लिए जा सकते हैं और भी बड़े फैसले

संवाददाता । रांची

कैबिनेट की बैठक मंगलवार शाम चार बजे से होगी. जानकारी के अनुसार बैठक में एक दर्जन से अधिक प्रस्तावों को स्वीकृति मिल सकती है. केंद्र के अनुरूप राज्यकर्मियों को 4% महंगाई भत्ता देने पर मुहर लग सकती है. एक जनवरी 2024 से इसका लाभ सभी राज्यकर्मी, पेंशनधारी व पारिवारिक पेंशनधारियों को मिल सकता है. कैबिनेट में राज्यकर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 62 वर्ष करने पर भी विचार हो सकता है. जनजातीय भाषा अकादमी शुरू करने का प्रस्ताव भी बैठक में रखा जा सकता है. बैठक में पथ निर्माण, ग्रामीण विकास और ऊर्जा की कई योजनाओं को स्वीकृति मिलती है. जानकारी के अनुसार, आचार संहिता लगने से पहले राज्य सरकार कई विकास योजनाओं को स्वीकृति दे सकती है. इसके अलावा बैठक में कई नीतिगत निर्णय भी लिये जा सकते हैं.

खास बातें

- राज्यकर्मियों के 4% डीए के प्रस्ताव को मिल सकती है मंजूरी
- जनजातीय भाषा अकादमी के प्रस्ताव पर बन सकती है सहमति
- कैबिनेट की बैठक शाम 4 बजे प्रोजेक्ट भवन में होगी

रिम्स ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ सीबी शर्मा
- सर्जरीः डॉ विनय प्रताप
- ऑर्थोपेडिकः डॉ जीके गुप्ता
- न्यूरोसर्जरीः डॉ आनंद प्रकाश
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- ईएनटीः डॉ संदीप कुमार (पहली पाली), डॉ बिनोद कुमार सिन्हा (दूसरी पाली)
- नेत्रः डॉ राहुल कुमार
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- सीटीवीएसः डॉ विनीत महाजन
- कार्डियोलॉजीः डॉ हेमंत नारायण
- नेफ्रोलॉजीः डॉ प्रज्ञा पंत

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार और डॉ सत्येंद्र
- सर्जरीः डॉ अजीत कुमार
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ विनीता जे एक्का और डॉ तान्या प्रिया
- पीडियाट्रिक(शिशु रोग): डॉ अभिषेक
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- ऑनकोलॉजीः डॉ गुंजेश

शहर में आज

1. राष्ट्रीय युवा शक्ति द्वारा रांची बंद सुबह 9 बजे से
2. प्रोजेक्ट भवन में कैबिनेट की बैठक 4 बजे से
3. शहर के अन्य हिस्सों में कार्यक्रम दिन के 10 बजे से

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

इरफान को एचईसी के मुद्दों से अवगत कराया

रांची। सोमवार को एचईसी बचाव मजदूर जन संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल ने जामताड़ा के विधायक डॉ इरफान अंसारी से मुलाकात की. इस दौरान एचईसी से जुड़े मुद्दों से उन्हें अवगत करवाया गया. उन्हें मजदूरों के बीच आने का भी निमंत्रण दिया, जिसे विधायक ने स्वीकार किया. प्रतिनिधिमंडल में हरेंद्र प्रसाद यादव, कुंदन सिंह, विजय साहू, हैदर, अवधेश कुमार चौधरी शामिल थे.

भाजपा ने अपने वादे को पूरा किया : प्रतुल

रांची। भाजपा ने सीएए कानून के लागू होने का स्वागत किया है. प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि भाजपा ने 2019 के अपने मेनिफेस्टो में किए गए वादे को पूरा किया. इस कानून के पारित होने से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में रह रहे हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, पारसी समुदाय के लोगों को फायदा होगा. अब उनको नागरिकता मिल सकेगी. अब वे यहां संपत्ति भी खरीद सकते हैं. मोदी सरकार एक-एक कर कांग्रेस की गलतियों को ठीक कर रही है.

सीएए लागू करना स्वागतयोग्य : काली

रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी कृष्ण शर्मा काली ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा नागरिकता संशोधन कानून लागू करने का स्वागत किया है. कहा कि इससे धार्मिक तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों को गंभीर झटका लगेगा. भाजपा के 2019 घोषणा पत्र में सीएए लागू करने का संकल्प था. इससे उत्पीड़ित लोगों के लिए भारत में नागरिकता पाने का मार्ग प्रशस्त होगा.

लोकसभा चुनाव को लेकर डीसी ने की बैठक, एनफोर्समेंट एजेंसी के जिला स्तरीय नोडल पदाधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

चुनाव की घोषणा के साथ ही फ्लाइंग स्क्वॉड व स्टेटिक सर्विलांस टीम प्रभावी

संवाददाता । रांची

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने सोमवार को समाहरणालय में आसन्न लोकसभा चुनाव को लेकर बैठक की गई. इस दौरान एनफोर्समेंट एजेंसी के जिला स्तरीय नोडल पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए. उन्हें कहा गया कि फ्लाइंग स्क्वाड (उड़न दस्ता दल) चुनाव की घोषणा के साथ प्रभावी हो जाता है एवं स्टेटिक सर्विलांस टीम चुनाव की अधिसूचना पर क्रियाशील हो जाती है. इन्हें अपने कार्यों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पूरा करने को कहा गया. डीसी ने संबंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि फ्लाइंग स्क्वाड एवं स्टेटिक सर्विलांस टीम द्वारा राशि, शराब, अवैध वस्तु, मादक द्रव्य आदि चीजों को जब्त किए जाने की स्थिति में इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम पर रियल टाइम एंट्री के उपरांत संबंधित एनफोर्समेंट एजेंसी को अपने-अपने विभाग के नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए.

बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी रांची विवेक कुमार सुमन, राज्य नोडल अधिकारी, राज्य पुलिस विभाग (एसपीडी), आयकर विभाग (आईटीडी) राज्य उत्पाद शुल्क विभाग (एसईडी), केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी), राज्य वस्तु एवं सेवा कर/वाणिज्यिक कर (एसजीएसटी/सीटी), राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), असम राइफल्स, भारतीय तट रक्षक (आईसीजी), रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), डाक विभाग (डीओपी), वन विभाग, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई), राज्य नागरिक उड्डयन विभाग (एससीएडी), नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), राज्य परिवहन विभाग के अधिकारी/पदाधिकारी एवं संबंधित सभी अधिकारी उपस्थित थे.

चुनाव तैयारी

- ईसीएम सिस्टम पर होगी जब्त सामानों की रियल टाइम एंट्री
- एनफोर्समेंट एजेंसी को नियम के तहत कार्रवाई के निर्देश

आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट के लिए 'सीविजिल' ऐप

भारत के चुनाव आयोग ने वास्तविक समय के अपडेट के लिए एक तकनीकी प्लेटफॉर्म विकसित किया है. यह प्लेटफ़ॉर्म क्षेत्र से बरामदगी पर वास्तविक समय के अपडेट के लिए है. चुनाव के दौरान अवैध रूप से नकदी, शराब, ड्रग्स और दूसरी अवैध सामग्री के इस्तेमाल को रोकने के लिए चुनाव आयोग सक्रिय रहता है. इस दौरान चुनाव आयोग द्वारा ऐसी अवैध सामग्री को जब्त भी किया जाता है. भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किए गए नए सीविजिल ऐप से इन सभी कमियों को दूर होने और फास्ट-ट्रैक कम्प्लेन रिसेप्शन और निवारण प्रणाली बनने की उम्मीद है. 'सीविजिल' नागरिकों के लिए निर्वाचन के दौरान आदर्श आचार संहिता और व्यय संबंधी उल्लंघनों की रिपोर्ट करने के लिए एक नवोन्मेषी मोबाइल ऐप्लिकेशन है. 'सीविजिल' का अर्थ जागरूक नागरिक है और यह स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचनों के संचालन में नागरिकों द्वारा निभाई जा सकने वाली सक्रिय और जिम्मेदार भूमिका पर जोर देती है.

'सीविजिल' ऐप क्या है?

'सीविजिल' एक उपभोक्ता अनुकूल एंड्रॉइड एप्लिकेशन है. इसे संचालित करना आसान है. इसका उपयोग उपचुनाव, विधानसभा एवं संसदीय निर्वाचनों की अधिसूचनाओं की तारीख से आदर्श आचार संहिता एवं व्यय संबंधी उल्लंघनों की रिपोर्टिंग के लिए किया जा सकता है. इस ऐप की विशिष्टता यह है कि यह केवल लाइव फोटो और वीडियो के साथ ऐप के भीतर से ऑटो लोकेशन ही कैप्चर करता है, ताकि फ्लाइंग स्क्वॉड को समयबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए डिजिटल साक्ष्य मिलना सुनिश्चित हो सके.

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया

आखिर किसे बचाना चाह रहा एसबीआईः गुलाम मीर

दो टूक

- कोर्ट में एसबीआई की अपील खारिज होने पर दी प्रतिक्रिया
- धन घोटाले में शामिल नामों को छिपाने के प्रयास विफल

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने इलेक्टोरल बांड पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए स्वागत किया है. इन्होंने पूछा कि आखिर किसको बचाना चाहता है एसबीआई? मीर ने कहा कि अगर भारतीय स्टेट बैंक ने 12 मार्च तक चुनावी बॉन्ड के बारे में जानकारी नहीं दी, तो उन्हें परेशानी हो सकती है. सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें चेतावनी दी और बैंक की अपील खारिज कर दी. धन घोटाले में शामिल नामों को छिपाने के प्रयास विफल रहा.

बैंक के पास सभी आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए 12 मार्च तक का समय है. मुख्य न्यायाधीश ने बैंक की स्थिति से निपटने के तरीके पर सवाल उठाए. बैंक के अध्यक्ष को यह पुष्टि करनी होगी कि क्या उन्होंने अदालत के आदेशों का पालन किया है. यदि वे भविष्य में इसका पालन नहीं करेंगे तो परिणाम भुगतने होंगे. कोर्ट राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता चाहता है और सरकार के साथ अवैध लेनदेन को रोकना चाहता है.

अंतत : ज्योतिष बन कर ट्रेन की सीट पर बैठनेवालों को सुप्रीम कोर्ट ने उतार दिया

मीर ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश ने भारतीय स्टेट बैंक को अपने कार्यों में पारदर्शिता और ईमानदारी न बरतने पर फटकार लगाई. बैंक से पिछले 26 दिनों से वे क्या कर रहे हैं, इसके बारे में अधिक जानकारी प्रदान करने के लिए कहा गया था. मुख्य न्यायाधीश ने इन गुणों का वर्णन करने के लिए 'कैडर' शब्द का उपयोग करते हुए ईमानदार और पारदर्शी होने के महत्व पर जोर दिया. अदालत ने बैंक को उनके आदेशों का पालन करने और आवश्यक जानकारी प्रदान करने की याद दिलाई. इस घटना ने एक यात्री की कहानी की याद दिला दी, जिसने ज्योतिषी होने का बहाना करके ट्रेन की सीट पर घुसने की कोशिश की थी. जैसे यात्री को अंतत: पता चला पकड़ लिया गया और ट्रेन से उतार दिया गया. वैसे ही भारतीय स्टेट बैंक भी सच्चा नहीं होने पर पकड़ा गया.

उम्मीद है सही रिपोर्टिंग करेगी मीडिया : ठाकुर

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि इस जानकारी से चुनावी फंड में धोखाधड़ी और फर्जी कंपनियों की संभावित संलिप्तता का खुलासा होने की उम्मीद है. उम्मीद की जाती है कि मीडिया इस जानकारी को रिपोर्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. क्योंकि कुछ आउटलेट इस मुद्दे को अनदेखा करना या कम महत्व देना चुन सकते हैं. कांगेस प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि इस मामले में प्रधानमंत्री की जवाबदेही पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि उनकी चुप्पी और सरकार की कार्रवाई से जानकारी छुपाने में उनकी संलिप्तता का संदेह पैदा हो गया है. कोर्ट के फैसले से मामले को लेकर चल रही अटकलों और अफवाहों पर विराम लग गया है. आज विपक्ष ही नहीं, पूरे देश में एसबीआई की विश्वसनीयता को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है. एसबीआई की ओर से डाटा देने के लिए और 137 दिनों का समय मांगना अपने आप में हास्यास्पद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है.

महिला कर्मियों को 730 दिनों का अवकाश देने के निर्णय का स्वागत

महिलाओं ने सीएम का आभार जताया

बोले सीएम

- मजबूत राज्य व राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका
- महिलाओं के स्वावलंबन की दिशा में किया जा रहा काम

संवददाता । रांची

राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा महिला कर्मियों को अपने नाबालिग बच्चों की देखभाल के लिए 730 दिनों का मातृत्व अवकाश देने का निर्णय को लेकर महिला कर्मियों के बीच हर्ष का वातावरण है. इसी सिलसिले में आज महिला बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग की सैकड़ों महिला कर्मियों ने ढोल-नगाड़े और अबीर-गुलाल के साथ मुख्यमंत्री आवास पहुंच कर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए आभार जताया.

महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि मजबूत परिवार, समाज राज्य और देश के निर्माण के लिए महिलाओं का सशक्त होना आवश्यक है. यही वजह है कि उनकी सरकार महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की है. इसी कड़ी में राज्य की सेवा दे रहे महिला कर्मियों के हित में उन्हें सेवाकाल में अपने बच्चों की देखभाल के लिए दो वर्षों का अवकाश देने का फैसला लिया है. इससे निश्चित तौर पर महिला कर्मियों का मनोबल बढ़ेगा और वे समर्पित भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए राज्य के विकास में भागीदार बनेंगी.

महिला कर्मी बोलीं- महिलाओं के हित में सरकार का कार्य बेहतर

महिला बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग की महिला कर्मियों ने मुख्यमंत्री को इस बात के लिए धन्यवाद दिया कि सरकार महिला पदाधिकारी और कर्मियों के हित में लगातार निर्णय ले रही है. हमारी मांगों को लेकर सरकार का रवैया हमेशा से सकारात्मक देखने को मिल रहा है. आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका के मानदेय में बढ़ोतरी के साथ अन्य लाभ और सुविधाएं देने की मांग को इस सरकार ने पूरा कर उन्हें सम्मान देने का काम किया है. कहा कि हम सभी आपको भरोसा दिलाते हैं कि राज्य को बेहतर बनाने में पूरी निष्ठा के साथ कार्य करते आए हैं और आगे भी करते रहेंगे. इस अवसर पर महिला बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग की सहायक निदेशक कंचन सिंह, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी लातेहार अलका हेंब्रम और बाल विकास परियोजना पदाधिकारी नीलिशा कुमारी समेत राज्य भर से आईं विभाग की महिला पदाधिकारी और कर्मी, महिला पर्यवेक्षिकाएं तथा सहायिका एवं सेविकाएं मौजूद थीं.

ईडी के खिलाफ राजद का विरोध प्रदर्शन

देश में लोकतंत्र और संविधान पर मंडरा रहा खतरा : अनीता

संवाददाता । रांची

ईडी के खिलाफ प्रदेश राजद ने अल्बर्ट एक्का चौक के समक्ष प्रदर्शन किया. इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव ने कहा कि देश में इमरजेंसी से भी खराब हालात हैं. विपक्षी दलों को निशाने पर लेकर कार्रवाई की जा रही है. मजबूत लोकतंत्र के लिए विपक्ष का भी मजबूत होना आवश्यक है. मगर, जिस तरह मोदी सरकार ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग कर रही है, उससे साफ नजर आ रहा है कि लोकतंत्र और संविधान अब खतरे में है. विपक्षी नेताओं का बिना अपराध साबित हुए उन्हें जेल की सलाखों के पीछे डाला जा रहा है. मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, संजय राउत, हेमंत सोरेन और अब सुभाष यादव को टारगेट किया गया है. उन्होंने यह भी कहा कि राजद और उसके कार्यकर्ता कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे कि उनके नेता पर इस तरह से अत्याचार किया जाए. हम सब सड़क से संसद तक इस बात को उठाएंगे.

हेमंत सोरेन मामले को लेकर 26वें दिन भी जारी रहा झामुमो का उपवास

चुनाव में जनता देगी जवाब : शुभेंदु

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन मामले को लेकर झामुमो का उपवास कार्यक्रम 26वें दिन भी जारी रहा. मोरहाबादी के बापू वाटिक के समक्ष सोमवार को सरायकेला-खरसांवा जिला अध्यक्ष डॉ. शुभेंदु महतो की अध्यक्षता में उपवास हुआ. उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन और उनके परिवार का झारखंड के लिए जो योगदान रहा है, उसे कोई भूल नहीं सकता. इस कारण वो सभी के दिल में बसते हैं. हेमंत सोरेन को केंद्र सरकार ने केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरूपयोग कर फंसाने का काम किया है. इसका जवाब लोकसभा और विधानसभा चुनाव में जनता बीजेपी को देगी.

जल्द रिहा नहीं हुए हेमंत तो उग्र आंदोलनः आलम : झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम ने कहा झूठे और निराधार केस बना कर हेमंत सोरेन को प्रताड़ित किया जा रहा है. इसके विरोध मे लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है. अगर हेमंत सोरेन को जल्द रिहा नहीं किया गया, तो जनता उग्र आंदोलन के लिए भी विवश होगी. इस मौके पर नंदकिशोर मेहता, पप्पू वर्मा, गुरुचरण मुखी, सुशीला एक्का, डॉ हेमलाल मेहता, रामशरण तिर्की, अंतू तिर्की, मनोहर कर्मकार, रांची जिला उपाध्यक्ष जनक नायक, कलाम आजाद, बीरु साहू, अश्विनी शर्मा, सरायकेला नगर अध्यक्ष बड़ा बाबू सिंह देव, संजय दास, राजेश लाहा, आफताब आलम, अरविंद सिंह देवल, तालकेश्वर महतो, संजय राय, बबलू राम, घनश्याम मंडल, आदिल इमाम, कैथरिना तिर्की, डोनाल मंडल, रॉकी कालिंदी, मंगला प्रधान, सालो देवी, राधा हेंब्रम, अंशू लकड़ा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

रोष व्याप्त

- झूठे केस में हेमंत सोरेन को किया जा रहा प्रताड़ित : मुश्ताक
- जल्द रिहा नहीं करने पर उग्र आंदोलन को विवश होगी जनता

सीएम से मिले एनसीबी के डिप्टी डायरेक्टर

अफीम की खेती नष्ट करने के लिए कर रहे हैं कार्रवाई : हितेश

संवाददाता । रांची

मुख्यमंत्री चपाई सोरेन से सोमवार को नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो ऑफ़ इंडिया पूर्वी क्षेत्र के डिप्टी डायरेक्टर जेनरल हितेश गोदारा ने मुलाकात की. उन्होंने मादक पदार्थ के अवैध कारोबार तथा अफीम की खेती को नष्ट करने के लिए की जा रही कार्रवाई से संबंधित जानकारी मुख्यमंत्री को दी.

उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि इस दिशा में राज्य सरकार की ओर से पूरा सहयोग मिल रहा है. हमारा प्रयास मादक पदार्थों की तस्करी, और कारोबार को रोकने के साथ अफीम आदि के उत्पादन को हर हाल में नष्ट करना है. इस अवसर पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ऑफ़ इंडिया -झारखंड- बिहार के जोनल डायरेक्टर अभिषेक आनंद और रांची एनसीबी के सुपरिंटेंडेंट एस शारिक उमर मौजूद थे.

डीआरएम ने सीएम से मिल कर आमंत्रण दिया

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से सोमवार को रांची रेल मंडल के डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा ने मुलाकात की. उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि 12 मार्च को रांची-बनारस वंदे भारत ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑनलाइन हरी झंडी दिखाएंगे. इस अवसर पर रांची में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. उन्होंने मुख्यमंत्री को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र दिया.

मिलन कार्यक्रम

झामुमो और कांग्रेस के सैकड़ों नेता, कार्यकर्ताओं ने थामा भाजपा का दामन

युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही राज्य सरकार : बाबूलाल

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो और कांग्रेस के सैकड़ों नेता एवं कार्यकर्ता सोमवार को प्रदेश कार्यालय में भाजपा में शामिल हो गए. सभी का पार्टी में स्वागत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जेएसएससी परीक्षा में 35 से 50 लाख रुपये तक में प्रश्न पत्र बेचा जा रहा है. यह सरकार सिर्फ बच्चों, नौजवानों का भविष्य ही नहीं, बल्कि झारखंड का भी भविष्य बर्बाद करने में लगी है.

पहले भी ऐसी कई तरह की परीक्षाओं में गड़बड़ी सामने आयी थी, लेकिन हेमंत सरकार मानने को तैयार नहीं थी. छात्रों ने जब सड़क पर उतर कर विरोध किया, तो सरकार को स्वीकार करना पड़ा.

लगाया आरोप

- 35 से 50 लाख में बेचा जा रहा जेएसएससी का प्रश्न पत्र
- विपक्ष की कोई विचारधारा नहीं सिर्फ 'मोदी को हटाओ' लक्ष्य

भाजपा में शामिल होने वालों में विनोद कुमार, जेके पासवान, शंभू इजरा, राहुल यादव, फुरकान अहमद, तफेजुल अंसारी, यासीन अंसारी, अक्षय केसरी, शमीम अली, लादेन खान, नदीम अंसारी, आकाश महाराणा, राम साहू, सिंटू यादव, चंदन रवानी, चंदन यादव, राम साहू, बदल साहू, अनिल साहू, रिंटू साहू, पिंटू साहू, पप्पू यादव, राजीव कुमार, संजय कुमार, शिवनारायण उरांव, सनिका उरांव, बिहारी महापात्रा सहित कई कायकर्ता रहे. इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, सह प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, अशोक बड़ाईक, युवा मोर्चा अध्यक्ष शशांक राज उपस्थित थे.

पीएम विकसित भारत बनाने को लेकर कृतसंकल्पित

मरांडी ने कहा कि आज झारखंड में जिनकी सरकार है, उस पार्टी के लोग, पार्टी की नीतियों एवं कार्य संस्कृति से क्षुब्ध होकर भाजपा में शामिल हो रहे हैं. एक ओर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने को लेकर कृतसंकल्पित हैं, तो वहीं दूसरी ओर अन्य दलों की कोई विचारधारा नहीं है. उनका सिर्फ एक ही मकसद है कैसे अपने परिवार को बचाएं और अपने बच्चों का भविष्य को सुरक्षित करें. इसके लिए उनका सिर्फ एक लक्ष्य है, मोदी को हटाओ. राज्य में झामुमो-कांग्रेस का स्वार्थी गठबंधन सरकार की अकर्मण्यता और विकास विरोधी मानसिकता से कांग्रेस जनता के मन से उतरने लगी है.

बदल सकता है मौसम, पश्चिमी विक्षोभ का दिख सकता है असर

16 मार्च से बारिश की संभावना

संवाददाता। रांची

झारखंड में फिर मौसम बदलने वाला है. मौसम विभाग के अनुसार उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय रहने के कारण कल से 13 मार्च के बाद राज्य के कुछ हिस्सों में आंशिक बादल छाए रह सकते है. वहीं 16 और 17 फरवरी को हल्की बारिश की भी संभावना है. पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा. सबसे अधिक उच्वतम तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस चाईबासा और सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस गोड्डा में दर्ज किया गया. राज्य में अगले 3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है.

बिन मौसम बरसात बढ़ा सकती है परेशानी पारा 30 डिग्री से. पार

बिन मौसम बरसात लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है. ठंड, गर्मी और बारिश ने बीमारियों को न्योता दे दिया है. अस्पतालों में मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है. वहीं दवाई दुकानों में भी भिड़ देखी जा रही है. पूरे झारखंड का उच्वतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है. सबसे अधिक तापमान पाकुड़ में 35 .4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

तापमान (डिग्री से. में)

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.0	15.0
जमशेदपुर	34.7	16.8
डाल्टेनगंज	33.6	15.1
बोकारो	32.5	14.5
चाईबासा	33.4	15.2
देवघर	33.3	12.5
गिरिडीह	32.0	14.1
गढ़वा	31.4	13.8
लोहरदगा	31.7	13.0
गोड्डा	33.4	11.2

▼ ब्रीफ खबरें

मनाया गया लोहरा समाज का 13वां मिलन समारोह

रांची। रातू प्रखंड के रातू किला स्थल में लोहरा समाज का 13वां मिलन समारोह सह प्रतिभा मिलन समारोह का आयोजन हुआ. कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीकांत शर्मा ने किया. संचालन सचिव राकेश कुमार शर्मा ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया. मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, विशिष्ट अतिथि सत्यनारायण शर्मा, शिव कुमार शर्मा, दुधेश्वर विश्वकर्मा, सुरेश चंद्र शर्मा शामिल थे. इस अवसर पर पूर्व मंत्री ने कहा कि लोहरा समाज को हक अधिकार के लिए लडना होगा. इसके लिए सभी को एकजुट होना होगा.

शिक्षा अधिकार अधिनियम को लेकर की गई बैठक

रांची। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में समाहरणालय में बैठक हुई. इसमें झारखंड निःशुल्क अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम 2011 के तहत निजी विद्यालयों को मान्यता प्राप्त करने के लिए जिला प्रारंभिक शिक्षा समिति की बैठक करते हुए सम्बंधित प्रस्ताव पर विचार किया गया. बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक रांची मिथलेश केरकेट्टा, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि एवं सम्बंधित सभी अधिकारी उपस्थित थे. बैठक में 18 निजी विद्यालय को मान्यता देने को लेकर विचार-विमर्श किया गया.

प्रबुद्ध लोगों ने हमजा रहमान को दी बधाई

रांची। रांची शहर के प्रबुद्ध लोगों ने रोबोट बनाने वाले हमजा रहमान को उसके आवास में जाकर बधाई दी. शहर के बाहर के लोग भी हमजा रहमान से आकर मिल रहे हैं और उन्हें बधाई दे रहे हैं. लोगों ने कहा कि ऐसी प्रतिभा को सरकारी सहयोग मिलना चाहिए. जिससे कि प्रतिभा को निखारा जा सके और आने वाले समय में देश की सुरक्षा पर नए-नए आविष्कार लगातार कर सके. भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ दिलीप सोनी ने कहा कि प्रतिभा किसी कमी की मोहताज नहीं होती है अगर उसमें लगन हो. उन्होंने कहा कि ऐसे होनहार छात्र की मदद करनी चाहिए.

चेतन क्रिकेट टूर्नामेंट में बीआईटी मेसरा विजयी

रांची। बीआईटी मेसरा के खेल मैदान में आयोजित चेतन देवराज मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में बीआईटी मेसरा की टीम ने सरला बिरला विश्वविद्यालय को चार विकेट से हरा दिया. सरला बिरला की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 21.3 ओवरों में सभी विकेट खोकर 91 रन बनाए. टीम की तरफ से बिष्णु ने 17 और अभिषेक ने 16 रनों का योगदान दिया. जवाबी पारी खेलने उतरी बीआईटी की टीम ने 17.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया. विजेता टीम की ओर से अभिनव 19 और सुधांशु ने 15 रनों का योगदान दिया. वहीं प्रीतम और विष्णु ने 2-2 विकेट हासिल किए.

डीएवी कपिलदेव में 17 को होगी प्रवेश परीक्षा

रांची। डीएवी कपिल देव पब्लिक स्कूल, कडरू में 17 मार्च को ग्यारहवीं कक्षा के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा. विज्ञान और वाणिज्य संकाय में प्रोविजनल एडमिशन के लिए छात्र ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं. प्री बोर्ड के अंकों के आधार पर निर्धारित शर्तों को पूरा करनेवाले वाले छात्र फॉर्म भरकर प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं.

राजकीय उर्दू प्राथमिक विद्यालय का बोरिंग 6 साल से ठप, पानी की किल्लत

पियूष गौतम ।रांची

राजकीय उर्दू प्राथमिक विद्यालय कडरू में पानी की घोर समस्या पिछले 6 वर्षों से लगातार जारी है. विद्यालय में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है. बच्चों के पीने के लिए विद्यालय की प्राचार्या पानी से भरा जार बाहर से मंगाती हैं. स्कूल की रसोइया ने उस जगह को दिखाया जहां पहले स्कूल का बोरिंग हुआ करता था. बोरिंग वाली जगह पर मिट्टी भर चुकी है. इससे बोरिंग पूरी तरह से लुप्त हो गई है. शौचालय का हाल तो किसी इंसान के इस्तेमाल लायक भी नहीं बचा है. शौचालय में ईंट, सिगरेट बट और कफ सिरप की शीशी बिखरी पड़ी है. वहीं प्राचार्या जुलियानी हेरेंज ने बताया कि शाम होते ही विद्यालय परिसर नशेड़ियों का अड्डा बन जाता है.

बताया कि अगस्त 2017 में जब मैंने यहां पदभार संभाला था, तभी से बोरिंग खराब पड़ा है. पूर्व वार्ड पार्षद शशि सिंह और जिला शिक्षा अधीक्षक को समस्या के समाधान के लिए आवेदन भी दिया गया. लेकिन कोई हल नहीं निकला. वैसे तो पूरे सालभर हमें पानी के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती है. इससे यहां पर बच्चों को काफी परेशानी होती है. लेकिन अब गर्मी भी शुरू होने वाली है. एक बार फिर से हमारे सामने पानी की संकट खड़ी हो जाएगी.

शौचालय इस्तेमाल के लायक नहीं, स्कूल परिसर बना है नशेड़ियों का अड्डा

गंदे पानी से धोया जाता है फर्शः नेहा

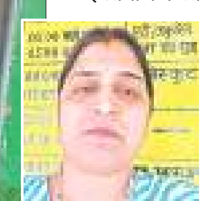

शिक्षिका नेहा श्रीवास्तव ने बताया कि पानी के अभाव में स्कूल के बच्चों के लिए खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले पानी को दोबारा इस्तेमाल करते हैं. चावल व सब्जियों को धोने के बाद बचे हुए गंदे पानी से ही स्कूल परिसर का फर्श धोया जाता है, क्योंकि हमारे पास और कोई विकल्प नहीं है. इसके अलावा शौच के लिए भी हमें अन्य विकल्प तलाशना पड़ता है, जिस कारण कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है. स्कूल की रसोइया ने बताया कि सबसे अधिक कष्ट तो तब होता है, जब पानी से भरा बाल्टी सिर पर ढोकर लाना पड़ता है. क्योंकि पानी नहीं लाउंगी तो बच्चों के लिए खाना नहीं पक पाएगा और बच्चे भूखे रह जाएंगे. इससे एक अलग ही समस्या हो जाएगी.

शिक्षा परिषद को भेजी जाएगी सूची

जिला शिक्षा अधीक्षक मिथिलेश केरकेट्टा ने बताया कि यह मामला आपके द्वारा ही मेरे संज्ञान में आया है. जहां-जहां इस तरह की समस्याएं हैं, हम ऐसे विद्यालयों की सूची बना रहे हैं. इसके बाद समस्या के समाधान के लिए स्कूलों की सूची झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद को भेजी जाएगी.

महबूबी, बकरखानी, सूजी टोस की जमकर हो रही खरीदारी

रमजान आज से, राजधानी में सज गया सेहरी बाजार

रेहान अहमद।रांची

रमजान उल मोबारक के अवसर पर सोमवार से राजधानी में रमजान बाजार सज गया है. मेन रोड स्थित रायक बेकरी, इकरा मस्जिद के आगे भारत बेकरी, समेत जगह-जगह रमजान के मौके पर सेहरी की दुकानें सज गई हैं. रमजान को लेकर लोग सुबह से ही रोजा रखने के लिये सेहरी की खरीदारी में जुटे नजर आये. दोपहर बाद शाम से देर रात तक मेन रोड में सेहरी की खरीदारी करते दिखे. रायल बेकरी के संचालक मो सरफराज ने बताया कि लोगों के पसंद का ख्याल करते हुए उत्तम क्वालिटी के सेहरी आइटम तैयार कर दुकान में सजाया गया है. उम्दा क्वालिटी की वजह से ही ग्राहक लंबे समय से अच्छी संख्या में आ रहे हैं. सेहरी के लिये लोग महबूबी, बकरखापनी और सूजी टोस की खूब खरीदारी कर रहे हैं.

यहां भी सजे हैं सेहरी बाजार : हरमू, चर्च रोड, कडरु, डोरंडा, पहाड़ी टोला, हिंदपीढ़ी, पुंदाग, बरियातु, इलाही नगर, कर्बला चौक, कांटा टोली, थड़पखना, रतन टाकिज, डॉ फतेउल्लाह रोड, गुदड़ी, आजाद बस्ती, पुरानी रांची आदि क्षेत्रों में दुकानें सजी हैं.

सेहरी सामग्री	मूल्य
बकरखानी	25 रु पीस
छोटा बकरखानी	10 रु पीस
स्पेशल बकरखानी	50 रु पीस
नारियल बकरखानी	20 रु पीस
तोश/पापड़	40 रु पैकेट
खोवा बकरखानी	120 रु पीस
महबूबी	50 रु पीस
तीन बन	10 रु पीस
तिनमुडिया	50 रु पीस
बेकरी मीठा किस्कीट	240 रु केजी
नमकीन	200 रु केजी
मीठा पापड़	120 रु केजी
मिक्स केक	50 रु पीस
फ्रूट केक	100 रु पीस
क्रीम रोल	50 रु पीस
ब्रेड	15 से 40 रुपये
सलाइस ब्रेड	40 से 80 रुपये
सूजी टोस	70 रु पैकेट

मरहबा ने गरीबों में बांटे रोजा किट

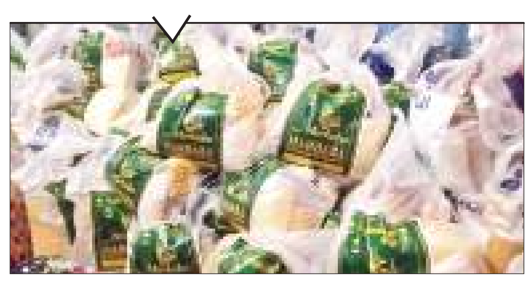

रांची। रमजान उल मुबारक में गरीबों, दर्दमंदों का खास ख्याल रखने को कहा गया है. इसे अमल करते हुए मरहबा ह्यूमन सोसाइटी की ओर से शहर में करीब 200 गरीबों के बीच रोजा किट बांटा गया है. सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी नेहाल अहमद ने कहा कि यह काम नेकी के रूप में किया जा रहा है. किसे दिया गया है, इसे परदे में रखा गया है. अगर बता ही दिया जाये तो फिर यह नेकी नहीं अपने की बड़ाई करना होगा. रोजा किट में चना, चनादाल, सरसों तेल, चीनी, चायपत्ती, चावल, आटा, सेहरी के लिये ब्रेड तकसीम किये गये.

रमजान का चांद नजर आते ही तराबीह की नमाज शुरू हो गई

रांची। माहे रमजान का चांद नजर आने के बाद सोमवार से शहर की तमाम मस्जिदों में तराबीह की नमाज शुरू हो गई. हाफिज कुरआन ए पाक को 20 रकात की नमाज में पढ़ाते हैं. मौलाना अब्दुल माजिद ने कहा कि मस्जिदों में तराबीह की नमाज 20, 22, 24, 26 रमजान को मुकम्मल (पूरी) होती है. मालूम हो कि कारोबारी, व्यापारी, नौकरी करने वाले जिनके पास समय का अभाव होता है, उनके लिए शहर में जगह-जगह बड़े हॉल व लोगों के घरों में 10 दिनों की तराबीह की नमाज शुरू की गई है. यहां 10 दिनों में कुरआन मुकम्मल हो जाएगी. 10 दिवसीय तराबीह की नमाज मेन रोड मधुबन मार्केट, अंजुमन प्लाजा, सरफराज चौक, डोरंडा, कडरु, कांटाटोली, पुरानी रांची, बरियातु आदि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में हो रही है.

हर बुराई से बचने का नाम तकवा है : माजिद

रांची। हरमू हामीम मस्जिद के इमाम मौलाना अब्दुल माजिद ने कहा कि गरीबों, मिसकिनों, यतीमों का रमजान उल मुबारक के महीने में खास ख्याल करना चाहिये. पैगंबर मोहम्मद (स.) ने फरमाया है कि गरीबों का रमजान में खास ख्याल रखें. जिसने किसी को इफ्तार कराया उसे पूरे रोजे का सवाब मिलता है. नबी (स.) ने फरमाया भूखों को खाना खिलाना, प्यासों की प्यास बुझाना, इस नेक अमल के बहुत सारे फायदे हैं. रमजान उल मुबारक इबादत, हमदर्दी रब को राजी करने, तलाश व उसके करीब होने का मुबारक महीना है. इसमें मोमिन बंदों के हर नेक अमल व हर नेकी का अज्र (पुण्य) बढ़ा दिया जाता है. बाकी (कुछ) काम इबादत और सबब के होते हैं. जैसे गरीबों को खाना खिलाना है. एक माह बगैर गुनाह के गुजारना है. रोजा का मकसद तकवा है. रोजा तकवा की सीढ़ी है. तकवा यानी परहेजगारी, हर बुराई से बचने का नाम तकवा है. अल्लाह फरमाता है कि रोजा मेरे लिये है, लेकिन मैं ही इसका बदला दूंगा. इफ्तार में सूरज गुरूब (डूब) जाये तो फौरन इफ्तार करना अफजल (अच्छा) है.

झारखंड छात्र मोर्चा ने रांची विवि मुख्यालय गेट पर जड़ दिया ताला

रांची। झारखंड छात्र मोर्चा के द्वारा सोमवार को रांची विश्वविद्यालय में विभिन्न मांगो को लेकर आरयू के मुख्यालय पर ताला जड़ दिया. इसके साथ छात्रों ने यूजी सेमेस्टर 4 के 90% छात्रों के फेल होने पर आपत्ति जताई. छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय द्वारा कोई गड़बडी हुई है. इसलिए फिर से कॉपियों की जांच करवायी जाए. इसके साथ समेस्टर 5 का फार्म भरने कि तिथि बढ़ायी जाए. वहीं तालाबंदी में छात्र मोर्चा अध्यक्ष अमन तिवारी, सचिव असद फेराज टिंकू, संगठन सचिव इरफान अहमद, उपाध्यक्ष अमन ठाकुर, उपाध्यक्ष अतिकुर रहमान, संयुक्त सचिव कासिफ रज़ा, कृष्णा कुमार, तनवीर, बबिता लामा, प्रियंका टोप्पो, अरशी परवीन, पुष्पा कुमारी, तन्नू कुमारी, नीतीश कुमार आदि सैकड़ों छात्र मौजूद थे.

क्या है छात्रों की मांग

1. छात्र हित में सेमेस्टर 4 के 90% लगभग बच्चे अनुतीर्ण हुए, उन्हें पास किया जाय.
2. यूजी सेमेस्टर 5 की जब तक सिलेबस पूरा नहीं हो जाती तब तक सेमेस्टर 5 की परीक्षा तिथि को बढ़ाया जाए.
3. महाविद्यालयों में अनावश्यक परीक्षा सेंटर देकर कक्षा को बाधित न किया जाय.
4. यूजी सेमेस्टर 4 के परीक्षा परिणाम किए बगैर यूजी सेमेस्टर का मिड सेम की परीक्षा ली गई जो बिल्कुल गलत है. उसे निरस्त किया जाए.
5. एक अथवा दो पेपर के परीक्षा शुल्क (बाकलोग) को कम किया जाय. वर्तमान में 700 रुपया लिया जाता है. उसे पर पेपर के हिसाब से लिया जाए,
6. परीक्षा विलंब शुल्क को कम किया जाए.

32वां नमो नमो नारायणी भजनोत्सव 15 से शुरू

रांची। श्री राणी सती मंदिर कमेटी रांची की ओर से 15 से 17 मार्च तक श्री राणी सती मंदिर प्रांगण में होली रंगोत्सव होगा. इस अवसर पर 32वां नमो नमो नारायणी भजनोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. 15 से 17 मार्च तक कई आयोजन सुबह 8 बजे से रात्रि 9 बजे तक होंगे. यह जानकारी कमेटी के रतनलाल जालान ने दी.

न्यूज अपडेट ▼

सरला बिरला के छात्रों का क्विज में उत्कृष्ट प्रदर्शन

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों ने भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'फिट इंडिया क्विज' प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया है. प्रतियोगिता के प्रारंभिक चरण में कक्षा दसवीं के छात्र मो. अम्मार अहमद ने प्रदेश स्तर पर आठवां रैंक जबकि कक्षा ग्यारहवीं के अभिषेक कुमार आयुष ने 11वीं रैंक हासिल कर सफलता का परचम लहराया है. बता दें कि 'फिट इंडिया क्विज' प्रतियोगिता का संचालन 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' द्वारा किया गया. जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2019 में किया था. विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने छात्रों के इस सफलता पर हर्ष व्यक्त किया. वहीं प्राचार्या परमजीत कौर ने छात्रों की सराहना करते हुए प्रतियोगिता के अगले स्तर के लिए शुभकामनाएं दी.

सीयूजे में सेमिनार का हुआ आयोजन

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के ऊर्जा अभियंत्रण विभाग में सोमवार के परिप्रेक्ष्य में जैव ईंधन की उपयोगिता विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार में मुख्य अतिथि मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्राचार्य प्रो॰ एमके झा थे. सेमिनार की शुरुआत प्रो॰ एमके झा, प्रो॰ समदर्शी, प्रो॰ लाटा और डॉ॰ सचिन कुमार ने द्वीप-प्रज्वलित कर की. प्रो॰ एमके झा ने अपने भाषण में बायो-फ्यूल्स से संबंधित अनेक जानकारियां दीं. जैसे कि वैज्ञानिक खोज, इसके उपयोग, उच्च शिक्षा और विकास पर इसका प्रभाव. उन्होंने आम जीवन में ऊर्जा-श्रोत के रूप में इसके अनुप्रयोग और सरकार द्वारा उठाए जा रहे महत्वपूर्ण कदमों पर भी चर्चा की.

आईएचएम में झारखंड कौशल प्रतियोगिता शुरू

रांची। झारखंड कौशल प्रतियोगिता 2023-24 का शुभारंभ सोमवार को रांची स्थित आईएचएम में हुआ. इस पांच दिवसीय राज्यस्तरीय प्रशिक्षण सह प्रतियोगिता का आयोजन आईएचएम, आईटीआई, झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम, राज हॉस्पिटल, प्रेमसंस मोटर्स एवं साई ब्यूटी संस्थान में किया जा रहा है. कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि उप निदेशक आरडीएसडीई पीके मडावी ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए चार बातें कौशल, ज्ञान, मेहनत और विचारधारा महत्वपूर्ण होती हैं. मैं चाहता हूं कि झारखंड के प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे और विश्व स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करें. मेरी शुभकामनाएं आप सभी के साथ है. बता दें कि झारखंड कौशल प्रतियोगिता के तहत विजेता प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया स्किल्स में भाग लेने का अवसर मिलेगा. जहां देश के अलग-अलग राज्यों के विजेता प्रतिभागी शामिल होंगे.

जेएसएससी परीक्षा की तिथि हो घोषित

रांची। जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा को रद्द हुए एक महीने से ज्यादा का वक्त बीत गया है. पर परीक्षा की तिथि अब तक जरी नहीं की गई है. विगत दिनों में परीक्षा 28 जनवरी एवं 4 मार्च को रखी गई थी. 28 जनवरी हुए परीक्षा के पश्चात प्रश्न पत्र लीक होने के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई थी. एक महीने से भी अधिक समय बीतने के बाद भी जेएसएससी की तिथि घोषित नहीं की गई है. जिसे लेकर झारखंड स्टेट स्टूडेंट एसोसिएशन ने सोमवार को राजभवन के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना देने का प्रण लिया. उनका एक ही नारा एक ही मांग जेएसएससी सीजीएल फेयर एग्जाम हो. इस मौके पर काजल मंडल, विनय कुमार, रोहित कुमार सिंह, एके बनवाल, गौतम, निरज, अभि, रवि, रितेश एवं अन्य छात्र उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री से मिले ताइक्वांडो फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता।रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से सोमवार को ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की. उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि राजधानी रांची के खेलगांव में इस वर्ष 5 जून से 10 जून तक अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स सेमिनार कोर्स का आयोजन होना है. भारत को इसकी पहली बार मेजबानी मिली है और रांची में इसके आयोजन का निर्णय लिया गया है. उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इसके सफल आयोजन को लेकर झारखंड सरकार भागीदार बने. मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में वर्ल्ड ताइक्वांडो मास्टर्स यूनियन के फाउंडर प्रेसिडेंट ग्रैंड मास्टर की हांग किम, ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के प्रेसिडेंट फिरोज अहमद, जेनरल सेक्रेटरी प्रभात कुमार शर्मा, झारखंड ताइक्वांडो संघ के संजय शर्मा, ग्रैंड मास्टर- मुंबई परवेज खान, ग्रैंडमास्टर-दिल्ली अनिल ठाकुर, ग्रैंडमास्टर-ओडिशा मनमोहन भांजा शामिल थे.

राष्ट्रीय युवा शक्ति के बैनर तले बाइक रैली

संवाददाता।रांची

राष्ट्रीय युवा शक्ति के बैनर तले रांची बंद के पूर्व संध्या पर सोमवार को पिस्कामोड़ से बाईक रैली निकाली गई. नगर भ्रमण करते हुए रैली शाम 5.30 बजे जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम पहुंची. सभी वहां से पैदल मार्च करते हुए अलबर्ट एक्का चौक पहुंचे. सोमवार शाम 6 बजे रांची बंद के पूर्व संध्या पर मशाल जुलूस निकाला. अध्यक्ष उतम यादव ने कहा कि 12 मार्च को रांची बंद बुलाया गया है. शहीद भगत सिंह के प्रतिमा को रांची में जगह नहीं दिया जा रहा है. प्रशासन और नगर निगम हमारी बात नहीं सुन रहे हैं. शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने के लिए राजभवन के समक्ष लगातार अनिश्चितकाली धरने पर हैं. हमारी मांग सरकार नहीं सुन रही है. विवश होकर रांची बंद बुलाना पड़ा है. 22 मार्च तक प्रतिमा स्थापित नहीं हुआ तो 23 मार्च को शहीद भगत सिंह के शहादत दिवस पर फांसी के फंदे पर लटकेंगे. मौके पर उमेश साहू, योगेश कुमार रॉक, आर्यन मेहता मौजूद थे.

सम्मान

इंडिया नेटबुक्स की ओर दिल्ली में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया था

डॉ. श्रीनिवास चंद्र साहित्य रत्न पुरस्कार से सम्मानित

संवाददाता।रांची

रांची के मशहूर कवि और लेखक डॉ. श्रीनिवास चंद्र ठाकुर को सोमवार को नई दिल्ली में साहित्य रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया. यह अवार्ड समारोह इंडिया नेटबुक्स और बीपीए फाउंडेशन की ओर दिल्ली मे आयोजित किया गया था. समारोह में डॉ ठाकुर को सुप्रसिद्ध साहित्यकार चित्रा मुद्गल साहित्य रत्न सम्मान दिया गया. समारोह में साहित्यकार डॉ सूर्यबाला, नासिरा शर्मा, ममता कालिया, प्रेम जनमेजय, डॉ लालित्य ललित, प्रख्यात पत्रकार राहुल देव सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे. डॉ एनसी ठाकुर मूल रूप से बांका जिले के कदराचक गांव के निवासी हैं. हाल में ही प्रसार भारती (आकाशवाणी और दूरदर्शन) रांची में सहायक केंद्र निदेशक की लंबी सेवा के बाद रियाटर हुए हैं.

युवा पुरस्कार से सम्मानित होंगी कथाकार जसिंता केरकेट्टा

रांची। रचनात्मकता दृष्टिकोण हम सभी मनुष्यों के भीतर होता है. हमें जरूरत है तो उन्हें तराशने की. हर व्यक्ति अपने पेशे में रचनात्मक होता है. मनुष्यों को अपने रचनात्मक कार्य को पहचान कर उन्हें निखारने की जरूरत है. एसे ही झारखंड की आदिवासी बेटी जसिंता केरकेट्टा हैं, जिन्होंने लेखका, कवयित्री के रूप में अपनी पहचान बनाई है. जसिंता को भारतीय भाषा परिषद की ओर से कवि एवं चर्चित कथाकार के 2024 के युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. साथ ही रचनात्मकता और उत्कृष्ट साहित्यिक योगदान के लिए 51 हजार की राशि दिया जाएगा. युवा साहित्यकार को स्मृति चिह्न ल 51000 की राशि का चेक अर्पित किया जाएगा.

एबीवीपी ने आरयू में जड़ा ताला

परिषद ने सेमेस्टर 4 के रिजल्ट में गड़बड़ी का लगाया है आरोप

संवाददाता ।रांची

छात्रों की विभिन्न समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सोमवार को रांची विश्वविद्यालय में तालाबंदी कर दी. लॉकडाउन का पालन कर रहे छात्र परिषद के सदस्यों ने कहा कि सत्र 2021-2024 के सेमेस्टर 4 के जारी रिजल्ट में सभी कॉलेजों के लगभग 75% छात्र फेल हो गए हैं.

इसके साथ ही सेमेस्टर 5 का परीक्षा फॉर्म भरना का समय निकाल दिया गया हैं. मौके पर मौजूद विश्वविद्यालय संयोजक शिवेंद्र सौरव ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन का पहला काम एडमिशन, परीक्षा और रिजल्ट पर काम करना है, लेकिन कुलपति और रजिस्ट्रार अपना काम छोड़कर निजी तौर पर टेंडर बेचने में लगे हैं. परीक्षा और नामांकन के काम के लिए एजेंसियों को नियुक्त किया जाता है. इसके बाद भी आए दिन एजेंसी एडमिट कार्ड और रिजल्ट में गड़बड़ी कर रही है. इसके बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन एजेंसी को संरक्षण दे रहा है. महानगर मंत्री ऋतुराज शाहदेव ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों पर जुल्म करती जा रही है. सेमेस्टर 4 का जो रिजल्ट आया है वह पूर्णतः निराधार है. विश्वविद्यालय प्रशासन को विचार करने की आवश्यकता है कि आखिर पूरा डिपार्टमेंट कैसे फैल हो सकता है. सेमेस्टर 4 के परिणाम की पुनः जांच होनी चाहिए अन्यथा अभाविप अनिश्चितकाल के लिए आंदोलन प्रारंभ करेगी.

सिल्ली विधायक ने सोनाहातू और राहे में कई योजनाओं का शिलान्यास किया

हमारा लक्ष्य जेनरेशन को विकसित करना है: सुदेश महतो

संवाददाता। सोनाहातू/राहे

विधायक सुदेश कुमार महतो ने सोमवार को सोनाहातू और राहे में विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया. इसमें सोनाहातू प्रखंड के जिलिंगसेरेग गांव में डेढ़ किलोमीटर सड़क तथा 300 फीट पीसीसी सड़क, तिलाईपीडी गांव में साढ़े तीन किलोमीटर सड़क तथा तालाब निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. राहे प्रखंड के बंसिया गांव में 1 किलोमीटर सड़क का शिलान्यास किया. सोनाहातू में 2 करोड़ 42 लाख तथा राहे में एक करोड़ 12 लाख से निर्माण कार्य को पूरा किया जाना है. शिलान्यास समारोह को सम्बोधित करते हुए विधायक सुदेश महतो ने कहा कि गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य पर गुणात्मक सुधार किया जा रहा है.

शिक्षा को लेकर हाई स्कूल और मिडिल स्कूल में स्मार्ट क्लास, स्टूडेंट्स बस सेवा, लाइब्रेरी आदि की सुविधा दिया जा रहा है. स्वास्थ्य को लेकर हर पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र को विकसित किया जा रहा है. हर घर मे शुद्ध पेयजल पहुँचाने का काम किया जा रहा है. प्रखंड के सभी जर्जर सड़क का मरम्मत किया जायेगा. गांव में राजनीतिक जागरूकता लाने का काम किया गया है. योजनाओं के माध्यम से हम गांव में भरोसा देने का काम कर रहे है. हमारा लक्ष्य जेनरेशन को विकसित करना है. मौके पर सुनील सिंह चितरंजन महतो, वीणा मुंडा, रमेश मुड़ा, अनिता देवी,रोशन मुंडा,बबलू खान,कमल सिंह मुंडा, राजकिशोर लोहरा, मनोज मेहता, बालेंदु महतो आदि मौजूद थे.

खास बातें

- शिक्षा व स्वास्थ्य पर व्यापक सुधार किया जा रहा है
- हाई स्कूल और मिडिल स्कूल स्मार्ट क्लास शुरू
- हर पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र को विकसित किया जा रहा है

ब्रीफ खबरें

राहे में आपसी विवाद में युवक की हत्या

राहे। थाना क्षेत्र के लोवाहातू पंचायत के दुधीटांड गांव में 23 वर्षीय युवक की हत्या हुई है. घटना रविवार रात की बतायी जा रही है. युवक मोहन महली सिल्ली थाना क्षेत्र के पोगड़ा गांव का रहने वाला था. गांव में रविवार की शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम छऊ नृत्य का आयोजन किया गया था. ग्रामीणों के अनुसार नृत्य कार्यक्रम का समापन रात 9 बजे के आसपास हो गयी थी. युवक घर से दोपहर बाद ही घर से कार्यक्रम देखने के लिये निकला था. इसी क्रम में युवक मोहन महली का किसी दूसरे पक्ष के साथ विवाद हुआ था. ग्रामीणों के अनुसार विवाद ही हत्या का कारण हो सकता है.

उपायुक्त ने जागरूकता वाहन को किया रवाना

रांची। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने सोमवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता वाहन को रवाना किया. इस दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह, विभिन्न सीडीपीओ एवं सहिया उपस्थित थीं. मिशन शक्ति महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल है. जिसका मकसद महिलाओं को सशक्त और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है. इस मिशन के तहत महिलाओं को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्रदान करना है. अभियान के तहत महिला सशक्तीकरण के लिए समाहरणालय में डिस्ट्रिक हब बनाया गया है. साथ ही रिनपास परिसर कांके में वन स्टॉप सेंटर भी स्थापित है. जागरूकता वाहन के माध्यम से जिलावासियों को मिशन शक्ति के बारे में जानकारी दी जायेगी.

खलारी पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

खलारी। खलारी पुलिस ने सोमवार को क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर खलारी पुलिस उपाधीक्षक राम नारायण चौधरी के निर्देश पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया. मौके पर खलारी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर विजय सिंह के नेतृत्व मे एंटी क्राइम को लेकर चेकिंग में बिना हेलमेट, मास्क, ड्राइविंग लाइसेंस, नशे में वाहन चालन और बिना पंजीयन के वाहनों की जांच की गई. इसक्रम में दो पहिया वाहन, तीन पहिया वाहन व चार पहिया वाहन को रोक कर आवश्यक वाहनों की कागजात और डिक्की खुलवा कर जांच की गयी.वहीं हेलमेट नहीं पहनने वाले बाइक चालकों को फटकार लगाते हुए हेलमेट लगाकर सड़क पर चलने को निर्देश दिया गया. साथ नियम उल्लंघन पर जुर्माना वसूली की चेतावनी देकर वाहनों को छोड़ा गया.

प्रदीप वर्मा को ओरमांझी के लोगों ने दी बधाई

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि सह पूर्व युवा मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रकाश कुमार महतो ने प्रदीप वर्मा को एनडीए से झारखंड से राज्यसभा उम्मीदवार बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं. प्रदीप वर्मा की पहचान सरला बिरला यूनिवर्सिटी के संस्थापक के रूप में है. मौके पर सांसद प्रतिनिधि प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि मुझे खुशी है कि भारत के प्रधानमंत्री एवं एनडीए पार्टी ने प्रदीप वर्मा को राज्यसभा के लिए प्रत्याशी घोषित किया है. उन्होंने कहा कि सामाजिक कार्य, परोपकार और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रदीप वर्मा जी का योगदान बहुत बड़ा और प्रेरणादायक रहा है. यह हमारा देश की नियति को आकार देने में कार्यकर्ताओं की ताकत और क्षमता का उदाहरण है.

पुटकी में एक नकाबपोश के पास पिस्टल होने की खबर पर पुलिस ने टेंट उखाड़ कर फेंका

महिला समिति के धरने में हंगामा, हुई बमबाजी

संवाददाता। पुटकी

पुटकी के भागाबांध 17 नंबर स्थित निजी कंपनी ईगल दीप प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय के मुख्य गेट पर सोमवार को नशा उन्मूलन महिला समिति के धरना के दौरान जमकर बवाल हुआ. समिति की महिलाएं अपनी 8 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना देने पहुंची थीं. सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिलाओं को खदेड़ कर भगा दिया. खदेड़ने के क्रम में कुछ महिलाओं को चोटें आई हैं. धरना के लिए लाये गए टेंट को भी हटा दिया गया. वहीं कुछ उपद्रवियों ने कंपनी के गेट से करीब 500 मीटर दूर आंदोलन कर रहे लोगों की खड़ी आधा दर्जन बाइक को क्षतिग्रस्त कर दिया. क्षेत्र में दहशत फैलाने के लिए सुतली बम भी फोडे. गए. घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी दीपक कुमार मौके पर पहुंचे. पुटकी, केंदुआडीह, मुनिडीह समेत पुलिस लाइन से बड़ी संख्या में फोर्स बुलाई गई. पुलिस ने उपद्रव कर रहे लोगों को हिरासत में लिया है.

धरना का नेतृत्व कर रही महिला समिति की नेत्री सुंदरी देवी ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि पूर्तव घोषित

कार्यक्रम के तहत धरना देने पहुंचीं महिलाओं पर पुलिस ने लाठियां बरसाईं और खदेड़ दिया. महिलाओं ने भागाबांध ओपी प्रभारी प्रवीण कुमार पर अभद्र व्यवहार करने का आरोप भी लगाया.

सूत्रों के अनुसार, वरीय पुलिस अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली कि दंगा फैलाने के लिये कुछ लोगों को पैसे देकर बुलाया गया है. आंदोलन कर रहे कुछ नकाबपोश लोगों पर शक होने पर पुलिस ने उनकी धर-पकड़कर जांच की. एक युवक पिस्टल के साथ पकड़ा गया, जबकि कई नकाबपोश भीड़ का फायदा उठा भाग निकले.

बरवाअड्डा में 54 लाख रु. का फेंसेडिल सिरप जब्त

बरामद दवाएं

बरवाअड्डा। गुजरात पुलिस की सूचना पर सोमवार को बरवाअड्डा पुलिस और ड्रग इंस्पेक्टर ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में बरवाअड्डा भेलाटांड़ पानी टंकी के पास की एक गोदाम में छापेमारी की. छापामारी में पुलिस ने गोदाम में अवैध रूप रखे फेंसेडिल की 26000 बोतल जब्त की, जिसकी बाजार कीमत लगभग 54 लाख रुपये है. गुजरात पुलिस ने गुजरात में एक ट्रक पकड़ा था, जिसमें अवैध तरीके के फेंसेडिल सिरप ले जायी जा रही थी. मामले में एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज किया गया था. हिरासत में लिए गए चालक ने पुलिस को बताया था कि झारखंड के धनबाद जिला अंतर्गत बरवाअड्डा क्षेत्र से दवा को लोड किया गया था. रविवार को मामले को सत्यापित करने के लिए चालक को लेकर गुजरात पुलिस बरवाअड्डा पहुंची थी. रविवार को बरवाअड्डा पुलिस को ले कर गोदाम पहुंचने पर वहां काम कर रहे कर्मचारी ताला लगा कर कर भाग गए थे.

अवैध महुआ शराब भट्ठियों को पुलिस ने किया नष्ट

सिल्ली/मुरी। सिल्ली थाना प्रभारी मोहित कुमार के नेतृत्व में सिल्ली प्रखंड के कई गांवों में अवैध महुआ शराब भट्ठियों पर छापामारी चलाया गया. यह अभियान दोमादिह, चातमबरी, हलमाद, लोटा एवं केशादीह आदि गांव में अवैध रूप से महुआ शराब 400 सौ केजी बनाई जा रही है. जहां भाटियों को थाना के द्वारा नष्ट किया गया. मोहित कुमार ने कहा कि यह अभियान सिल्ली प्रखंड के पूरे गांवों में चलाया जाएगा जिसका मुख्य उद्देश्य है कि गांवों को नशा मुक्त करना है. क्योंकि आए दिन सड़क दुर्घटना कहीं ना कहीं होती रहती है जिसका एक ही कारण है नशा गांवों में महुआ शराब बंद हो जाएगी तो बहुत सारे नव युवक नशे के सेवन से बचेंगे.

सड़क दुर्घटना में एलआईसी एजेंट घायल, किया रेफर

बेड़ो। पुरनापानी लापुंग सड़क पर सोमवार की सुबह दो बाइकों की टक्कर में दोलैचा निवासी व्यवसायी एवं एलआईसी एजेंट 44 वर्षीय बजरंग गंभीर रूप से घायल हो गये. उनके सिर पर अंदरुनी चोटें आई हैं. बजरंग भगत के परिजनों ने बताया कि बेड़ों में बैंक ऑफ़ इंडिया के नीचे लक्ष्मी नारायण कंपलेक्स में अपना प्रतिष्ठान खोलने अपने बाइक में सवार होकर जा रहा था. तभी विपरित दिशा से एक दूसरे मुर्गी लदे टोकरी लेकर जा रहे बाइक सवार ने तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक बाइक चलाते हुए बजरंग भगत की बाइक में टक्कर मार दी. टक्कर लगने के बाद बाइक सवार अपनी बाइकको छोड़कर भाग निकला. बताया जा रहा है कि वह मसिया का रहने वाला था. बाद में उसने घटनास्थल जाकर अपना सामान लेकर भाग निकला.

मैक्लुस्कीगंज में झामुमो ने निकाली न्याय यात्रा

संवाददाता. मैक्लुस्कीगंज

झारखंड मुक्ति मोर्चा खलारी प्रखंड समिति द्वारा तुमांग पंचायत के करकटटा बस्ती में न्याय यात्रा निकाली गई.न्याय यात्रा के माध्यम से आदिवासी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित समस्त आदिवासी समाज पर केंद्र सरकार बीजेपी और मनुवादी विचारधारा द्वारा जो अत्याचार किया जा रहा. उसके विरोध में तमाम झारखंड राज्य के ग्रामीणों में आक्रोश है जिसका असर आने वाली लोकसभा चुनाव में वर्तमान केन्द्र सरकार को दिखाई देगा जनता के लिए कई कल्याणकारी योजना बनाई गई है. जिसका लाभ सीधे आमजनता को मिल रहा है जिसमे अबुआ आवास, सर्वजन पेंसन, विधवा पेंशन ,फुले बाई सावित्री किशोरी समृधी योजना और गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लोकार्पण मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन के द्वारा किया गया है. इस मौके पर खलारी प्रखंड अध्यक्ष अनील पासवान , चितरंजन सिंह, कलाम रिजवी,याकूब अंसारी ,शंभुदास गौरव सिंह, बीरू ,गणेश पहान किसुन मुंडा, पंकज मुंडा, सत्रुधन मुंडा, मजीता देवी ,पूनम देवी बेबी देवी ,उमा देवी, तरो देवी सरिता देवी, नोनी देवी ,मंगरी देवी ,अघनी देवी आदि ग्रमीण मौजूद थे.

नरकोपी थाना क्षेत्र में चला चेकिंग अभियान

बेड़ो। नरकोपी पुलिस ने विभिन्न क्षेत्रों में वाहन चेकिंग चलाया. इस दौरान बिना ड्राइविंग लाइसेंस, ट्रिपल लोडिंग, तथा बिना इंश्योरेंस के रेस ड्राइविंग में तीन अलग-अलग बाइक को जब्त किया. नरकोपी के थानेदार देवप्रताप धान ने मोटर वाहन अधिनियम की सुसंगत धाराओं में अभियोजन चलाते हुए माननीय न्यायालय में नन एफआईआर आवेदन पत्र समर्पित कर दिया. नरकोपी के थानेदार देवप्रताप धान ने सोमवार को आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए अपराध और दुर्घटना नियंत्रण को लेकर सड़कों पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया. इस दौरान बिना हेल्मेट के चल रहे दर्जनों बाइक एवं स्कुटी के चालको के वाहन को जब्त किया . वहीं चार पहिया वाहन सहित अन्य बड़ी वाहनों के मुल कागजात का भी जांच किया. बाइक चालकों के कागज को पड़ताल और घरों से हेल्मेट लाने के बाद जब्त वाहनों को मुक्त किया गया. एएसआई कंचन सिंह एवं राम नगीना प्रसाद सहित पुलिस के जवानों ने लोगों को हमेशा हेल्मेट लगा कर वाइक चलाने की हिदायत देते दी.

बिरसा विस्थापित प्रभावित मंच ने किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता। खलारी

बिरसा विस्थापित प्रभावित मंच ने समस्याओं को लेकर एन के महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया . इससे पूर्व ग्रामीण पैदल चल कर नारेबाजी करते हुए डकरा महाप्रबंधक कार्यालय पहुंचे. जहां प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और सभा का आयोजन किया गया. जिसकी अध्यक्षता बहुरा मुंडा और संचालन महेंद्र उरांव ने किया. सभा में सीसीएल की विस्थापन नीति पर सवाल उठाते हुए वक्ताओं ने कहा कि नई खदान और रोहिणी ओसीपी खोलने के लिए जिन लोगों को हटाए जाना है वे लोग पूर्व से ही विस्थापित किये गए हैं. अब फिर से उन्हें विस्थापित करने की बात पर सीसीएल कुछ स्पष्ट जानकारी नहीं दे रही है कि किस नियम के तहत उन्हें हटाया जाएगा, बसाया जाएगा और उन्हें क्या सुविधा मिलेगी. 21 सूत्री मांग में रोहिणी नई खदान के लिए

अधिग्रहित की गई जमीन का सीमांकन कर पिलरिंग करने की मांग की गई. इस मौके पर बहुरा मुंडा, रामेश्वर भोगता, ध्वज राम धोबी , महेन्द्र उराव, उमेश लोहरा, किशन मुंडा, पंकज मुंडा, सूरज लोहरा, बिगन उरांव, कालेश्वर मुंडा, शत्रुघ्न मुंडा, लालु मुंडा, अनिल राम, छोटू राम, विजय, मनोज रेनू देवी, सुक्रमणि देवी, सीता देवी, पुष्पा देवी, इतवारिया सीता, शांति देवी सहित समेत कई गांव के ग्रामीण मौजूद थे.

अराजकता बुढ़मू में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश, धरना पर बैठे सांसद-विधायक

अशांति फैलाने का प्रयास, मूर्तियों को किया गया खंडित

संवाददाता। बुढ़मू

बुढ़मू : असामाजिक तत्वों ने एक बार फिर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की है. राजधानी रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र के उमेडंडा में रविवार देर रात असामाजिक तत्वों ने तीन मंदिरों में मूर्तियों को खंडित कर दिया है. सोमवार सुबह जब पुजारी सिधेश्वर मिश्रा प्रतिदिन की भांति सुबह लगभग चार बजे पूजा करने मंदिर पहुंचे, तो देखा तीनों मंदिरों में मूर्तियों को असामाजिक तत्वों ने खंडित कर दिया है. पुजारी ने ग्रामीणों को इसकी सूचना दी. घटना की सूचना पाकर मंदिरों में ग्रामीणों की भीड़ जमा होने लगी है. आक्रोशितों ग्रामीणों ने सड़क को जाम कर दी और इस घटना में शामिल असामाजिक तत्वों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे. सड़क

जाम की सूचना पर बुढ़मू थानेदार रामजी कुमार, खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी, खलारी इंस्पेक्टर विजय सिंह, मांडर इंस्पेक्टर जयप्रकाश राणा, मैक्लुस्कीगंज थानेदार , मांडर व चान्हो के थानेदार सहित भारी संख्या में पुलिस बल उमेडंडा पहुंच गये.

खास बातें

- बुद्धिजीवियों की सूझबूझ से मामला शांत कराया गया
- सांसद, विधायक व हिंदूवादी नेता पहुंचे घटनास्थल

एडीएम के आश्वासन पर माने लोग

ग्रामीण इतने आक्रोशित थे कि किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे. दोपहर लगभग बारह बजे एडीएम राजेश्वर नाथ आलोक धरनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने सांसद-विधायक समेत ग्रामीणों संग वार्ता की. भैरो सिंह ने रांची से हनुमान जी एवं नंदी की मूर्ति उमेडंडा में ले गये. प्रशासन की ओर से एडीएम राजेश्वर नाथ आलोक व डीएसपी रामनारायण चौधरी ने सांसद-विधायक व ग्रामीणों को समझाया और 36 घंटे के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी तथा भव्य तरीके से मंदिर में नये मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा कराने का आश्वासन दिया.

- **पुलिस बलों की तैनाती :** एहतियात के तौर पर उमेडण्डा में भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गयी है. घटना के बाद एफएसएल की टीम ने मंदिरों में जाकर नमूने इकठ्ठा किया.
- **मामला दर्ज:** घटना के संबंध में बुढ़मू थाना में पंडित सिधेश्वर मिश्रा के बयान पर अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है.
- **मीडिया से अपील:** वहीं घटना को लेकर रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने मीडिया से अपील की है कि घटना से संबंधित फोटोग्राफ और वीडियो पोस्ट या प्रसारित ना करें, जिससे कि जिले में सांप्रदायिक सद्भाव का माहौल बना रहे.

न्यूज अपडेट

नवमी डोल मेला में सुरक्षा को लेकर हुई बैठक

नामकुम। नवमी डोल मेला में सुरक्षा, स्वास्थ्य शिविर लगाने को लेकर सोमवार को बैठक हुई. बैठक में उपस्थित आजसू पार्टी जिला वरीय उपाध्यक्ष प्रकाश लकड़ा ने बताया मेला के सफल आयोजन में आजसू पार्टी पूरा सहयोग करेगा . मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य राजू नायक , प्रकाश लकड़ा, मुकेश कुमार नायक, नामकुम प्रखंड अध्यक्ष रतन सिंह होंडा,अनगाड़ा प्रखंड अध्यक्ष जगरनाथ महतो, एससी मोर्चा के अनगाड़ा प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन राम, पिंटु नायक, प्रदीप तिर्की , हहाप मुखिया सह समाज सेवी नन्हें कच्छप , संकर राम, अरविंद मुंडा, गणेश राम, दीवान सही मानकी, मंगल सही मानकी, धीरज नाग बैठक में उपस्थित रहें .

कांग्रेस सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष ने पंचायतों का किया दौरा

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चंद्र महतो के साथ में सिल्ली प्रखंड कांग्रेस को-ऑर्डिनेटर योगेंद्र सिंह ने सोमवार को विभिन्न पंचायतों का दौरा किया. नेताद्वय ने हालमाद, हाकेदाग,विसरिया, मुरी पूर्वी, मुरी पश्चमी, एवं पिस्का पंचायत का दौरा किया. खंड सचिव योगेंद्र कोईरी,भागीरथ महतो, हालमाद,मोहन उपाध्याय,हाकेदाग हरिचरण करमाली, मुरी पश्चिमी जमीलउद्दीन मोमिन,शाहबुद्दीन अंसारी,लाल बहादुर महतो,मोतीलाल बेदिया, विक्रम मुंडा इत्यादि कांग्रेस जनों से मुलाकात की. लोकसभा चुनाव की तैयारी व प्रखंड स्तर ,में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे.

गार्डवाल निर्माण कार्य की विधायक ने आधारशिला रखी

नामकुम। खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने ग्राम सपारोम में तालाब के दोनों तरफ 350 फीट गार्डवाल का निर्माण की अधारशीला रखी. वहीं नामकुम प्रखंड सह अंचल परिसर में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी, पर्यवेक्षीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग कर्मचारी आवास तथा प्रखंड परिसर का विकास विविध निर्माण लागत 4,93,31,301/- रुपये कार्य की आधारशिला विधि विधान से किया. मौके पर प्रखण्ड प्रमुख आशा कच्छप, जिला परिषद सदस्य रीता होरो, अंचल अधिकारी सह प्रभारी बीडीओ प्रभात भूषण सिंह, सरस्वती देवी, नन्हे कच्छप, रोज लकड़ा, जीता कच्छप, पतरस तिर्की, संदीप तिर्की, माधो कच्छप, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं अन्य लोग उपस्थित थे.

बचरा श्रमिक क्लब में मनाया गया महिला दिवस

पिपरवार। बचरा श्रमिक क्लब में डेंजरस डांस एम ग्रुप ने महिला दिवस धूमधाम के साथ मनाया . कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिपरवार जीएम की पत्नी सह जागृति महिला मडंल की अध्यक्ष मिनिता सहाय और विशिष्ट अतिथि अशोका पीओ की पत्नी मीरा कुमार,झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सह बचरा उतरी मुखिया गुंजन सिंह, बचरा दक्षिणी मुखिया रीना देवी,कांग्रेस प्रदेश सचिव पिंकी सिंह सहित कई महिला अतिथि शामिल हुए.

हिंडालको ने संविदा श्रमिकों को किया सम्मानित

सिल्ली/मुरी। हिंडालको मुरी के द्वारा 75 वां वर्ष पूरे होने पर रविवार के दिन हिंडाल्को के अल्युमिनियम क्लब में संविदा श्रमिकों को सम्मानित किया . इस आयोजन में रंगारंग कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं बृहद भोज का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया. कार्यक्रम में आए हुए संविदा श्रमिकों को पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया गया. कार्यक्रम में संविदा श्रमिकों में काफी उमंग था. मुख्य अतिथि प्लांट का यूनिट हेड रवि नारायण मिश्रा ने कार्यक्रम में आए हुए लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कारखाना में शुरुआत से आज तक काफी उतार-चढ़ाव रहा परंतु संविदा श्रमिकों के मेहनत, लगन एवं ईमानदारी से आज हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 75वां वर्ष का उत्सव मना रही है. .कार्यक्रम को सफल बनाने में 75 वां वर्ष आयोजन कमेटी के सदस्यों का काफी सराहनीय योगदान रहा.

कारो में महिला दिवस समारोह का आयोजन

पिपरवार। बहेरा पंचायत अंतर्गत कारो में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन सोमवार को किया गया. इस समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी रमेश मुंडा एवं संचालन बालेश्वर उरांव ने किया . समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बहेरा पंचायत मुखिया रेखा कुमारी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पंचायत की उपमुखिया सुरजमनी कुमारी, पंसस बसंती देवी ,वार्ड सदस्य रानी देवी, सोनी देवी, सिस्टर विक्टोरिया कुजुर, सिस्टर रीता बारला, दुलारी सुमन ,जयंती, सुलेन्द्र उरांव, रुपलाल महतो, अनिल महतो आदि शामिल थे .महिला दिवस समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि का स्वागत महिलाओं द्वारा स्वागत गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर किया गया . समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का योगदान सर्वोपरि है.

आईआरबी थ्री कैम्प में विदाई समारोह का आयोजन

पिपरवार। सीसीएल क्षेत्र के इंडिया रिजर्व बटालियन आईआरबी थ्री पिपरवार कैंप में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता आरक्षी पदाधिकारी मनी मोहन प्रसाद और संचालन अवर निरीक्षक रंजीत कुमार ने किया. इस कार्यक्रम में आईआरबी थ्री पिपरवार कैंप से स्थानांतरण हुए तीन डीएसपी को विदाई दी गई.स्थानांतरण होने वाले डीएसपी में श्रीराम समद का सीसीआर रांची, महावीर शिलानन्द किंडो रेल आईजी कार्यालय रांची और अरूण कुमार तिर्की एसीबी रांची तबादला होने पर विदाई दी गई.कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों ने बारी-बारी से तीनो डीएसपी को माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर एवं उपहार प्रदान कर उन्हें विदाई दी गई.

22 पड़हा कार्यकारिणी समिति सदमा, ओरमांझी व कांके का पुनर्गठन

ओरमांझी। एंजल गार्डन नर्सरी स्कूल सदमा ओरमांझी पश्चिमी क्षेत्र के प्रांगण में आदिवासी सरना 22 पड़हा कार्यकारिणी समिति सदमा ने बैठक की. बैठक 22 पड़हा कार्यकारिणी समिति सदमा ओरमांझी- कांके क्षेत्र ने पुनर्गठन हुआ. सर्व सहमति से संरक्षक एतवा मुंडा, कमलनाथ मुंडा, रमेश चंद्र उरांव, विगु उरांव, देवकुवर पाहन, शिवचरण करमाली, सुरेंद्र उरांव, हरिलाल मुंडा,कल्लू मुंडा, लोकन मुंडा, गीता कच्छप,साधो मुंडा, काशीनाथ मुंडा,के अगुवाई से आदिवासी सरना 22 पड़हा समिति सदमा ,ओरमांझी - कांके क्षेत्र के निगरानी से पुनर्गठन हेतु प्रस्ताव लाया गया.

झारखंड के जल, जंगल और जमीन पर कब्जा करना चाहती है ईडी

बड़गाई की जमीन कैसे हेमंत सोरेन के नाम से है, ईडी प्रमाण दे : झामुमो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने ईडी पर बड़ा हमला बोला है. झामुमो ने बड़गांई अंचल की 8.5 एकड़ जमीन का मुद्दा एक बार उठाते हुए ईडी से सवाल किया है. कहा कि यह जमीन कैसे हेमंत सोरेन के नाम से है, ईडी प्रमाण दे. यह बातें झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने सोमवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही.

उन्होंने इस मौके पर जमीन से संबंधित कागजात भी जारी किया है. कहा कि ईडी का पूरा खेल झारखंड के जल, जंगल, जमीन पर कब्जा करने के लिए है. इसे हेमंत सोरेन ने रोकना चाहा तो उन्हें जेल में डाल दिया गया. उन्होंने कहा कि ईडी बताये कि किन-किन कंपनियों पर छापेमारी की गयी. उसके बाद इन कंपनियों द्वारा 375 करोड़ का इलेक्ट्रोल बांड कैसे खरीद कर सत्ताधारी पार्टी को दिया गया. भट्टाचार्य ने कहा कि जिस भुईंहरी जमीन को सामने लाया गया है. दरअसल, वह राजकुमार पाहन की जमीन है. वर्तमान में भी वह जमीन पाहन के पास ही ही है. 2015 में उन्होंने 8.5 एकड़ जमीन हिलारियस कच्छप के नाम से रजिस्टर्ड डीड के माध्यम से लीज पर दिया था. हिलारियस ने इस जमीन को खेती के लिए लिया था. जमीन पर बिजली कनेक्शन के लिए कच्छप ने ही आवेदन दिया और उनके नाम से कनेक्शन भी लिया. बिजली बिल का भुगतान भी किया.

भट्टाचार्य ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब 2015 में इस जमीन का लीज हिलारियस के नाम से रजिस्टर्ड होता है, बिजली कनेक्शन भी मिलता है. बिल भी नियमित रूप से जमा होता है तो यह हेमंत सोरेन का जमीन कैसे हो गयी. ईडी किस आधार पर क्लेम करती है कि यह जमीन हेमंत सोरेन की है. उनके पास इसका आधार क्या है. किसी भी जमीन की पहचान खाता, खेवट और खतियान से होती है. इसमें कहीं भी हेमंत सोरेन का नाम नहीं है.

उठाए सवाल

- झामुमो जमीन से संबंधित कागजात जारी किया है
- ईडी बताए कि किन कंपनियों पर छापेमारी की गई

जमीन 17 बार बेचने की सूचना के बाद राजकुमार को वापस कर दी गई

भट्टाचार्य ने कहा कि दरअसल जब इस जमीन को 17 बार 17 लोगों के बीच बेचने की सूचना मिली तब राजकुमार पाहन ने जमीन वापस करने के आवेदन दिया. उन्हें जमीन वापस भी कर दी गयी. तो किस आधार पर यह हेमंत की जमीन बतायी जा रही है, जबकि जमीन उसके मालिक पास सुरक्षित है.

प्रत्याशी ही चुनाव आयुक्त का चुनाव कैसे करा सकता है ?

भट्टाचार्य ने कहा कि पीएम मोदी खुद ही प्रत्याशी घोषित किये गये हैं. अब 15 मार्च को वह चुनाव आयुक्त का चुनाव कैसे कर सकते हैं. क्या प्रत्याशी ही तय करेगा कि वोट का रखवाला कौन हो. पीएम, गृहमंत्री दोनों ही प्रत्याशी हैं और दोनों ही चुनाव आयुक्त को नियुक्त कैसे कर सकते हैं. क्या ये लोग संविधान बदलने की तैयारी कर रहे हैं.

इलेक्ट्रोरल बांड मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत : विजय हांसदा

इस मौके पर राजमहल के सांसद विजय हांसदा ने कहा कि इलेक्ट्रोरल बांड को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक एवं स्वागत योग्य है. कोर्ट ने तुरंत ही एसबीआई को इलेक्ट्रोरल बांड की सूची जारी करने का निर्देश दिया है. जो एक स्वयं को भ्रष्टाचारमुक्त पार्टी कहती है वे अब बताए कि कहां से कितना पैसा आया है.

राशिफल

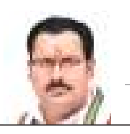

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष बारहवें चंद्र राहु का योग है. आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा. अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा. विवेक से कार्य करें. स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी. पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा. जल का दान किसी शिव मंदिर में करें.

वृषभ व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. शत्रु भय रहेगा. व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी. नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी. मशक्कत करने से लाभ होगा. चिंता होगी. शत्रु पराजित होंगे.

मिथुन मान-सम्मान मिलेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्त्री कष्ट संभव. कलह से बचें. कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे. विवेक से कार्य बनेंगे. पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना. वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग. किस्मत का साथ मिलेगा.

कर्क विवाद न करें. लेन-देन में सावधानी रखें. कानूनी बाधा दूर होगी. देव दर्शन होंगे. राज्य से लाभ होने की संभावना. मातृपक्ष की चिंता. वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें. धनागम की संभावना. मित्र मिलेंगे.

सिंह प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. झंझटों में न पड़ें. आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना. शत्रु पराजित होंगे. लाभ होगा. स्वास्थ्य ठीक न हो. अनजाना भय सताएगा. राज्य से लाभ.

कन्या जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. राजकीय बाधा दूर होगी. नेत्र पीड़ा की संभावना. धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा. शत्रु से परेशान होंगे. अपमान होने की संभावना. कष्ट की संभावना. धनहानि. कष्ट-पीड़ा.

तुला स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. भागदौड़ रहेगी. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. धनागम सुस्त रहेगा. कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा. दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है. कुछ लाभ की संभावना.

वृश्चिक पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना. कुसंग से हानि. धनागम सुखद रहेगा. प्रेमिका मिलेगी. कुछ आय होगी. माता को कष्ट रहेगा.

धनु भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना. लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा. दुःसमाचार प्राप्त होंगे. हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा. भयकारक दिन रहेगा. मंदिर में घी दान करें.

मकर मेहनत से किया गया प्रयास सफल होगा. कोई धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे. कुछ कष्ट होने की संभावना. लाभ के योग बनेंगे. स्त्री वर्ग को कष्ट साथ ही कुसंग से कष्ट. कलहकारक दिन रहेगा. अन्न और फल का दान करें.

कुंभ पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. आय में वृद्धि होगी. विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना. चिंताएं जन्म लेंगी.

मीन किस्मत का साथ मिलेगा. परिवार की चिंता रहेगी. लाभ होगा. अस्वस्थता का अनुभव करेंगे. चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी. शत्रु दबे रहेंगे. कलह-अपमान से बचें. संभावित यात्रा होगी. सावधानी बरतना होगी.

आजादनगर फायरिंग मामले में मुख्य आरोपी समेत दो गिरफ्तार

जमशेदपुर। आजादनगर थाना अंतर्गत फातमी मस्जिद के पास बीते दिनों मो शाहिद पर फायरिंग कर दी गई थी. इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत दो नामजद को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में सैयद अमानुल्लाह उर्फ सैप उर्फ अमन और शहनवाज शामिल है. पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर कांड में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया है. सोमवार को मामले का खुलासा करते हुए सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि आपसी विवाद को लेकर शाहिद पर फायरिंग की गई थी. दोपहर में हुआ था विवाद, शाम को चला दी गोली: सिटी एसपी ने बताया कि आरोपी अमन और शहनवाज अच्छे दोस्त है. अमन ठेकेदार और जिसके अंदर शाहिद इलेक्ट्रिशियन का काम करता है. 9 मार्च को शाहिद अपने एक साथी को काम करने के लिए लाया था. शहनवाज ने इसका विरोध किया जिसके बाद दोनों के बीच बहस हुई थी.

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड और मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ

आर्थिक मदद करने के लिए अब तैयार है चंपाई सरकार

संवाददाता। रांची

सोमवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने राजधानी रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत स्टेडियम में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना और मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना का तोहफा दिया. मुख्यमंत्री ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि अब आप और आपकी पढ़ाई के बीच आर्थिक तंगी को बाधा नहीं बनने देंगे. आपके कॅरियर को सरकार उड़ान देगी. झारखंड के गरीब बच्चे-बच्चियों को पढ़ाई के लिए पैसे की चिंता नहीं करनी है. बच्चे अपना भविष्य संवारने की दिशा में आगे बढ़ें, सरकार आर्थिक मदद करने को तैयार है.

शिक्षा का बेहतर वातावरण कर रहे तैयार : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा का बेहतर वातावरण बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है. इस राज्य के सभी वर्ग के बच्चों को बेहतर और उच्च शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिले, इसके लिए कई योजनाएं चल रही है. जब तक यहां के बच्चे पढ़- लिखकर अच्छा मुकाम हासिल नहीं करेंगे, तब तक इस राज्य को आगे नहीं ले जा सकते हैं. ऐसे में बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं. उन्होने कहा कि झारखंड एक गरीब प्रदेश है. यहां के आदिवासी, मूलवासी परिवारों के बच्चे आर्थिक कठिनाइयों की वजह से उच्च शिक्षा पाने से वंचित हो जाते हैं. ऐसे में इन गरीब आदिवासी, मूलवासी बच्चों को उच्च शिक्षा देने के लिए सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है. मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने राज्य के बच्चों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराकर उन्हें मुख्य धारा में लाने का कार्य कर रहे हैं.

बच्चों के सपनों को पूरा करने का प्रयास: मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे गरीब बच्चों ने अपने भविष्य को लेकर जो सपना देखा है, उसे पूरा करने की दिशा में सरकार उनके साथ खड़ी है. जो बच्चे इंजीनियर, डॉक्टर और लॉयर आदि बनने की सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन पैसे की तंगी व्यवधान पैदा कर रहा है, वैसे बच्चों को सरकार आर्थिक सहयोग करेगी, ताकि वे पढ़ लिखकर एक अच्छा मुकाम हासिल करें और राज्य के साथ अपने परिवार तथा समाज को सशक्त बनाने में अहम योगदान कर सकें.

ये रही समारोह की खासियत

- 12 सौ विद्यार्थियों को मिला गुरुजी क्रेडिट कार्ड
- 900 छात्राओं को मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना का लाभ
- गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के पोर्टल की हुई लॉन्चिंग
- झारखंड विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद के नए वेब पोर्टल का शुभारंभ
- गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना को लेकर उच्च शिक्षा एवं तकनीकी विभाग का सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक धनबाद एवं एचडीएफसी बैंक के साथ हुआ एमओयू
- झारखंड विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद और राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत के मध्य हुआ एम ओ एमओयू.
- क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र रांची में नवनिर्मित 3-डी थिएटर का हुआ उद्घाटन

मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना की विशेषता

झारखंड की छात्राओं को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के उद्देश्य से मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना की शुरुआत की गयी है. इसमें राज्य के राजकीय, नीजी व पीपीपी मोड पर संचालित डिप्लोमा स्तरीय कोर्स में नामांकित तथा झारखं के विद्यालयों से 10वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्राओं को डिप्लोमा कोर्स के लिए प्रति वर्ष 15,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी. झारखंड के राजकीय, नीजी व पीपीपी मोड पर संचालित अभियंत्रण महाविद्यालयों में बीटेक और बी.ई. कोर्स में झारखंड के स्कूलों से 10वीं व 12वीं कक्षा (अथवा समकक्ष) उत्तीर्ण छात्राओं को बी. टेक और बी.ई. कोर्स के लिए प्रति वर्ष 30,000 प्रोत्साहन राशि दी जायेगी. जिस छात्रा के परिवार का विगत वर्ष में सभी प्रकार के आय के स्रोतों को मिलाकर सकल वार्षिक आय अधिकतम 4 लाख रुपये तक प्रति वर्ष है या लाभुक राष्ट्रीय/राज्य खाद्य सुरक्षा योजना से आच्छादित हैं, उन्हें शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से लाभ मिलेगा.

बच्चों को फ्री कोचिंग के अलावा रहने-खाने का खर्च दे रही है सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से लेकर विभिन्न कोर्सेज को करने के लिए सरकार आर्थिक मदद कर रही है. इसी कड़ी में मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत विभिन्न परीक्षा प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को फ्री कोचिंग करने के साथ रहने खाने का भी खर्च सरकार वहन कर रही है. वहीं, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों की विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए शत प्रतिशत स्कॉलरशिप राज्य सरकार दे रही है. कार्यक्रम के दौरान मनोज कुमार जीएम एसएलबीसी बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि सरकार की पहल पर बैंक भी आगे आएगी.

नहीं रखनी होगी कुछ गिरवी, सरकार बनेगी गारंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को अब उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कुछ भी गिरवी रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी उन्हें आर्थिक मदद के लिए गारंटी नहीं देनी होगी. सरकार गारेंटर बनेगी. गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत विद्यार्थियों को 15 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण मिलेगा. इसमें आपको सरकार की ओर से कई रियायतें भी मिलेंगी. वहीं, मांकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्राओं को डिप्लोमा स्तरीय कोर्स के लिए प्रतिवर्ष 15 हज़ार रुपए बी बीटेक कोर्स के लिए प्रतिवर्ष 30 हज़ार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी.

4% साधारण ब्याज की दर से राशि का भुगतान करना होगा

झारखंड राज्य स्थित मान्यता प्राप्त संस्थान से 10वीं और 12वीं कक्षा के उत्तीर्ण विद्यार्थी, जो आर्थिक कारणों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित हैं, वैसे छात्र-छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान किया जाएगा. ताकि छात्र उच्च शिक्षा के क्षेत्र या संस्थान आदि में शिक्षा प्राप्त कर सकें. विद्यार्थियों को ऋण के रूप में अधिकतम 15 लाख तक की राशि बैंकों के माध्यम से बिना किसी प्रोसेसिंग शुल्क के उपलब्ध करायी जायेगी. विद्यार्थियों को मात्र 4% साधारण ब्याज की दर से राशि का भुगतान करना होगा. शेष ब्याज की राशि का वहन राज्य सरकार करेगी. गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण वापसी की अवधि 15 वर्ष तक की निर्धारित की गयी है.

ग्रामीण कार्य विभाग में 25 इंजीनियर इधर से उधर

रांची। ग्रामीण कार्य विभाग ने 25 इंजीनियरों का ट्रांसफर-पोस्टिंग की है. सोमवार को इसे लेकर आदेश जारी कर दिया गया है.

नाम	कहां गए
चंद्रनाथ	सचिव प्रोविजनल के मुख्य अभियंता कार्यालय ग्रामीण
अवधेश कुमार	ग्रामीण विकास विशेष अंचल हजारीबाग
रमाकांत	विशेष अंचल दुमका का अतिरिक्त प्रभार
विजय कुमार राय	कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल गढ़वा
राजू मरांडी	कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल बोकारो
राजीव कुमार	कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल गोड्डा
महादेव उरांव	कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल गुमला
श्रीधर शंभू रजक	कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल जमशेदपुर
राधा कृष्ण मुरारी	कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल कोडरमा
राम पुकार राम	ग्रामीण विकास विशेष मंडल पलामू
सुरेश पासवान	कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल लोहरदगा
इतवारी मंडल	कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विशेष प्रमंडल गोड्डा
सिंघेश्वर मंडल	अधीक्षण अभियंता के तकनीकी सलाहकार दुमका
बाल किशन किस्को	कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल हजारीबाग
अजय तिर्की	कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल सरायकेला
श्याम सुंदर मुर्मू	कार्यपालक अभियंता जीएसआरडीए
विजय कुमार दास	कार्य आंचल रांची
सुरेंद्र कुमार	कार्य प्रमंडल कोडरमा
मंगेश्वर हेंब्रम	कार्य प्रमंडल सिल्ली
कर्म सिंह	सहायक अभियंता मंडल चैनपुर
अंकुर चौरसिया	प्रमंडल गढ़वा
विजय कुमार मुरमू	प्रमंडल चाईबासा
घनश्याम प्रसाद शाह	कार्यवर्ती मंडल हजारीबाग
रामजन्म मंडल	अभियंता प्रमुख कार्य
विजय कुमार	सहायक अभियंता मुख्य अभियंता कार्यालय रांची

न्यूज अपडेट

सुरक्षा-व्यवस्था की खामियों को तुरंत करें दूर: डीजीपी

रांची। कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था की खामियों को तुरंत करने का डीजीपी अजय कुमार सिंह ने निर्देश दिया है. डीजीपी ने सोमवार को यह बात समीक्षा बैठक के दौरान कही. झारखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी न्यायालय परिसरों, न्यायाधीशों और उनके आवासीय कॉलोनियों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए समीक्षा बैठक की गयी. बैठक में डीजीपी ने सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी, एसएसपी, एसपी से उनके क्षेत्राधीन न्यायालय परिसर, माननीय न्यायाधीशों और उनके आवासीय कॉलोनियों की सुरक्षा बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की. साथ ही सुरक्षा-व्यवस्था की खामियों को अविलम्ब दूर करने का निर्देश दिया.

मॉनिटरिंग करते रहने पर जोर दिया गया: समीक्षा के क्रम में डीजीपी झारखंड ने न्यायालय परिसरों, न्यायाधीशों और उनके आवासीय परिसरों, कॉलोनियों में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी और बलों की वरीय पुलिस पदाधिकारियों द्वारा लगातार औचक निरीक्षण करने और पाए गए त्रुटियों का तत्काल निवारण करने का निर्देश दिया.

मुबारक महीने का चांद नजर आया, रमजान आज से

रांची। दारूल कजा इमारत शरीया रांची, के काजी शरीअत मुफ्ती मोहम्मद अनवर कासमी ने कहा कि शबानुल मोअज्जम 1445 हिजरी की 29 तारीख और सोमवार 11 मार्च को रमजान उल मुबारक महीने का चांद रांची व झारखंड समेत देश के विभिन्न स्थानों में आम तौर पर नजर आया है. इस लिए 12 मार्च को रमजान उल मुबारक महीने की पहली तारीख है. उन्होंने कहा कि यही फैसला मरकजी दारुल कजा इमारत शरीया फुलवारी शरीफ पटना का है. एदार ए शरीया झारखंड के नाजिमे आला मौलाना मोहम्मद कुतुबुद्दीन रिजवी ने कहा कि 29 शाबान 1445 हिजरी के अनुसार सोमवार 11 मार्च को एदार ए शरीया झारखंड के द्वारा हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार दरगाह, डोरंडा रांची के परिसर में रमजानुल मुबारक का चांद देखने की व्यवस्था की गई. इस के अलावे हजारीबाग, धनबाद, जमशेदपुर, रामगढ , बोकारो, पलामू गढ़वा राजमहल, गोड्डा, गुमला, खूंटी, चतरा, खरसावां, जामताड़ा, मधुपुर, बोकारो, जमशेदपुर, पलामु, लोहरदगा, दुमका, घाटशिला, गोला, बड़का गांव, पांकी, इटखोरी, चास, झरया, डुमरी, समेत 65 जगहों पर रमजान माह का चांद देखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई.

सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का किया गया प्रयास

किरीबुरु। किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर में दो समुदायों के बीच आपसी सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का असफल प्रयास कोई असामाजिक तत्वों द्वारा किया गया. कोई अज्ञात असामाजिक तत्त्वों ने किरीबुरु स्थित मस्जिद की बाउन्ड्री पर ॐ एवं जय श्री राम लिखकर हिन्दू व मुस्लिम समुदाय के बीच ऐतिहासिक आपसी प्रेम व भाईचारा के रिश्तों में खटास अथवा जहर घोलने का असफल प्रयास किया. ऐसे तत्वों को यह नहीं पता है कि किरीबुरु-मेघाहातुबुरु के सभी धर्म व समुदाय के लोग एक परिवार की तरह साथ-साथ रहते हैं. ऐसे कार्य करने वालों को हिन्दू, मुस्लिम, सीख, ईसाई, सरना धर्म आदि सभी समुदाय के लोगों ने निंदा की है. तथा सभी समुदाय अपने-अपने स्तर व सामूहिक प्रयास से ऐसे तत्वों का पता लगाकर उन्हें सबक सिखाने तथा कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्यवाही कराने के प्रयास में लग गये हैं. मस्जिद कमेटी के सचिव अबरार अहमद ने बताया कि कोई मानसिक रुप से विक्षिप्त व्यक्ति हीं ऐसा कार्य किया होगा. इससे हमारी सभी धर्म व समुदाय के साथ आपसी एकता व भाईचारे के रिश्तों में कभी भि जहर घोल नहीं सकता है. उन्होंने कहा कि हम हिन्दुओं या अन्य धर्मों के धार्मिक स्थल व पर्व त्योहारों में जाते एवं एक-दूसरे को मदद करते हैं. अन्य धर्म के लोग भी हमारे पर्व-त्योहारों में आते व सहयोग करते हैं.

सड़क किनारे जानवरों को काटने पर रोक के दिये निर्देश

रांची। श्यामानंद पांडेय द्वारा दायर की गयी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने अंतरिम आदेश पारित किया. जिसमें रांची व झारखंड के अन्य जिलों के उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को अवैध रूप से जानवरों के काटे जाने व सड़क के किनारे जानवरों के शवों के प्रदर्शन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है. इसके अलावा रांची नगर निगम और राज्य सरकार से पूछा गया कि मांस की दुकानों में जानवरों के शवों को काले शीशे के दरवाजे और पर्दे से ढके जाने पर जो रेगुलेशन है, उसे लागू करने के लिए क्या कार्रवाई की गयी है? याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शुभम कटारुका ने माननीय खंडपीठ के समक्ष पक्ष रखा. मामले की अगली सुनवाई 3 अप्रैल को होगी.

दुर्घटना

3 घंटे बाद शाम पांच बजे एनएच-75 से जाम हटाया गया

ट्रक की चपेट में आने से दो भाइयों की मौत

आशीष टैगोर। लातेहार

आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-75 पर लगाया जाम

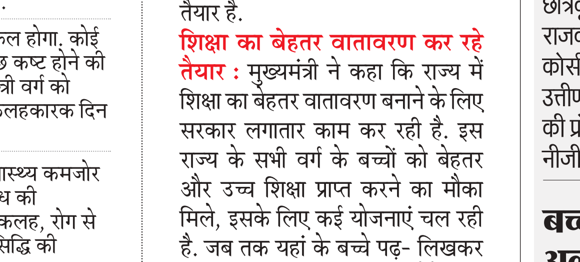

सोमवार दोपहर शहर में अनियंत्रित ट्रक ने सड़क पर खड़े दो सगे भाइयों को अपनी चपेट में ले लिया. दुर्घटना में दोनों भाइयों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. घटना की सूचना मिलने पर घर की महिलाएं बेसुध हो गयी. परिजन घटनास्थल पर पहुंच कर एनएच-75 जाम कर दिया.

वहीं, स्थानीय विधायक बैद्यनाथ राम मौके पर पहुंचे और परिजनों को ढांढ़स बंधाया. शहर के माको मोड़ के महेंद्रा शो रूम के पास रेलवे स्टेशन क्षेत्र के हेसला ग्राम निवासी संतोष प्रसाद (42) और उसका बड़ा भाई जुगल प्रसाद (44) मोटरसाइकिल से आ रहे थे. वे करकट गांव में अपने मकान का किराया वसूलने गये थे. वहां से वे लौट रहे थे. इसी दौरान मेदिनीनगर की ओर से रांची जा रहा ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. ट्रक दोनों भाईयों को घसीटते हुए तकरीबन 10 मीटर आगे तक ले गया. इसमें एक भाई का शरीर कमर से दो हिस्सों में बंट गया. दोनों भाइयों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. दोनों भाई लातेहार शहर के करकट गांव में खस्सी का मांस बेचने का व्यवसाय करते थे. सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ अरविंद कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे.तकरीबन तीन घंटे बाद शाम पांच बजे एनएच-75 से जाम हटाया गया.

घटना की सूचना के तुरंत बाद स्थानीय विधायक बैद्यनाथ राम घटना स्थल पहुंच गये और अंत तक रहे. उन्होंने आक्रोशित भीड़ व परिजनों को बहुत समझाने का प्रयास किया. सूचना के बाद अंचलाधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो, बीडीओ मनोज कुमार तिवारी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल व राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न प्रसाद मौके पर पहुंचे. एसडीपीओ अरविंद कुमार ने सरकारी प्रावधानों के अनुसार हर संभव मदद कराने का आश्वासन दिया.

न्याय दिलाने की मांग पर नारेबाजी कर रहे थे

रात ढाई बजे सड़क से हटे नारेबाजी कर रहे ग्रामीण

संवाददाता। चांडिल

चांडिल थाना क्षेत्र के रावताड़ा निवासी छात्र करण महतो के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने रविवार की शाम कैंडल मार्च निकाला था. कैंडल मार्च में शामिल लोग रावताड़ा गांव से निकलकर चांडिल बाजार पहुंचे. इसके बाद चांडिल थाना के मुख्य गेट के पास एनएच 32 पर बैठ गए. घटना के पांच दिनों के बाद भी किसी की गिरफ्तारी नहीं होने से ग्रामीण आक्रोशित थे. मृतक के परिजन और ग्रामीणों का कहना है कि करण की मौत दुर्घटना नहीं है. ग्रामीणों का आरोप है कि उसकी हत्या में एक राजनीतिक दल के नेता भी शामिल हैं. थाना के मुख्य गेट के समक्ष बैठे ग्रामीण पुलिस-प्रशासन के खिलाफ और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग पर नारेबाजी कर रहे थे. इस दौरान रात को चांडिल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार राजवाड़, पुलिस निरीक्षक एके तिवारी और चांडिल थाना प्रभारी वरुण यादव थाना पहुंचे और ग्रामीणों से बात की. लंबी बातचीत के बाद के बाद भी कोई निष्कर्ष नहीं निकला और लोग करण महतो के हत्या में शामिल लोगों को गिरफ्तारी की मांग पर अड़े थे. कई दौर की बातचीत के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने करण महतो की मृत्यु की गुत्थी सुलझाने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा.

एसबीआई को देना होगा डिटेल

सर्वोच्च अदालत ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की याचिका को नकारते हुए 12 मार्च तक चुनावी बांड की जानकारी देने को कहा है. इस तरह सर्वोच्च अदालत ने चुनावों को पारदर्शी बनाने की दिशा में एक ठोस कदम उठाया है. चुनाव आयोग के एक सदस्य के अचानक इस्तीफे के बाद जिस तरह के संशय के बादल मंडरा रहे हैं,उसमें सर्वोच्च अदालत का यह निर्णय महत्वपूर्ण है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एसबीआई 12 मार्च को जानकारी दे और 15 मार्च तक चुनाव आयोग उस जानकारी को सार्वजनिक करे. एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इलेक्टोरल बांड की जानकारी देने की समय-सीमा 30 जून तक बढ़ाने की मांग की थी. एसबीआई की तरफ से सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में वरिष्ठ वकील हरीश सल्वे ने कोर्ट को बताया कि सर्वोच्च अदालत के आदेश के बाद एसबीआई ने नए इलेक्टोरल बांड्स जारी करने पर रोक लगा दी है, लेकिन समस्या ये है कि जो इलेक्टोरल बांड जारी हुए हैं उस पूरी प्रक्रिया को पलटना होगा और इसमें समय लगेगा.

> मुख्य न्यायधीश ने एसबीआई को फटकार लगाते हुए कहा कि 'हमने 15 फरवरी को आदेश दिया था और आज 11 मार्च है. ऐसे में बीते 26 दिनों में आपने क्या किया? सुप्रीम कोर्ट आज ही एनजीओ एडीआर की याचिका पर भी सुनवाई की और एसबीआई को नोटिस जारी किया.

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई की दलील मानने से इंकार कर दिया और जानकारी देने का आदेश दिया. सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि 'आप (एसबीआई) कह रहे हैं कि दानदाताओं और राजनीतिक पार्टियों की जानकारी सील कवर के साथ एसबीआई की मुंबई स्थित मुख्य शाखा में है. मैचिंग प्रक्रिया में समय लगेगा, लेकिन हमने आपको मैचिंग करने के लिए कहा ही नहीं था और हमने सिर्फ स्पष्ट डिस्कलोजर मांगा था'. मुख्य न्यायधीश ने एसबीआई को फटकार लगाते हुए कहा कि 'हमने 15 फरवरी को आदेश दिया था और आज 11 मार्च है. ऐसे में बीते 26 दिनों में आपने क्या किया? सुप्रीम कोर्ट आज ही एनजीओ एडीआर की याचिका पर भी सुनवाई की और एसबीआई को नोटिस जारी किया. एसबीआई के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की गई थी. एडीआर की याचिका में आरोप लगाया गया कि एसबीआई ने जानबूझकर सर्वोच्च अदालत के आदेश का उल्लंघन किया है. दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि एसबीआई 6 मार्च तक इलेक्टोरल बांड्स की जानकारी चुनाव आयोग को दे और चुनाव आयोग 15 मार्च तक उस जानकारी को सार्वजनिक करे. 15 फरवरी को पांच जजों की संविधान पीठ ने केंद्र की इलेक्टोरल बांड्स योजना को असंवैधानिक बताते हुए इस पर रोक लगा दी थी. कोर्ट ने इलेक्टोरल बांड योजना के एकमात्र फाइनेंशियल संस्थान एसबीआई बैंक को 12 अप्रैल 2019 से अब तक हुई इलेक्टोरल बांड की खरीद की पूरी जानकारी 6 मार्च तक देने का आदेश दिया था. सर्वोच्च अदालत के इस निर्णय से चुनावों को पारदर्शी और धन के मामले में बढ़ती असमानता को कम करने की दिशा में मदद मिलेगी और साथ ही राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में कारपोरेट फंडिंग की भूमिका भी स्पष्ट होगी. एसबीआई के याचिका के बाद सवाल उठ रहे थे कि आखिर क्या कुछ छुपाने का प्रयास किया जा रहा है.

सुभाषित

आहारनिद्राभयसन्ततित्वं सामान्यमेतत्पशुभिर्नराणाम्।
ज्ञानं हि तेषामधिकं विशिष्टं ज्ञानेन हीनाः पशुभिः समानाः।।

मनुष्य और पशुओं में भोजन, निद्रा, भय और सन्तान एक समान है, परन्तु ज्ञान ही वह गुण है जो मनुष्य में विशेष है, इसलिए ज्ञान विहीन मनुष्य पशु के समान होता है.

'चार सौ पार' या बहेगी बदलाव की बयार!

भीड़ और विपक्षी नेताओं के उत्साह को देखकर ऐसा लगने लगा कि सत्तारूढ़ सरकार के प्रति जनता में घोर नाराजगी है और विपक्षी खेमों को घेरने के लिए तरह-तरह की जो योजनाएं सत्तारूढ़ दल द्वारा बनाई गई हैं, वह सफल होने वाली नहीं हैं. ऐसा इसलिए भी कि सत्तारूढ़ दल ने अपने पक्ष को बिहार में मजबूत बनाने की योजना के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तोड़कर अपने साथ शामिल कर लिया था, उसका कोई भी लाभ होता दिखाई नहीं देता.

• देश-काल

निशिकांत ठाकुर

आजकल किसी दो चार लोगों के बीच खड़े हो जाइए, सभी आपको देश के वर्तमान हालात पर चर्चा करते मिलेंगे. वे किस प्रकार के व्यक्ति हैं, इसपर नहीं जाइए, केवल उनके विचार को सुनिए-परखिए. राजनीति के जिन विषयों के बारे में कभी आपने सोचा तक नहीं होगा, वे उसपर गंभीर मंत्रणा करते मिलेंगे. आपको अपने देश पर गर्व होगा, उनकी शिक्षा दीक्षा पर भी गर्व होगा, लेकिन यह जानने के बाद आप घोर आश्चर्य में पड़ जाएंगे कि ये वे लोग हैं, जो बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं. स्वाभाविक रूप से कोई रोजगार न मिलने के कारण उन्होंने देश की वर्तमान राजनीति का गहन अध्ययन करना शुरू कर दिया है. फिर अगले कुछ दिन में देश में लोकसभा चुनाव होने जा रहा है, तो ऐसी स्थिति में विचार व्यक्त करना तो भारतीय युवाओं की रीति-नीति भी रही है, क्योंकि देश का भविष्य तो इन्हीं युवाओं के हाथ में है. उनका आकलन इतना सटीक होता है कि आपको ऐसा प्रतीत होगा, मानो ये सभी किसी संसदीय क्षेत्र का दौरा करके अभी-अभी वापस लौटे हों. इन्हीं युवाओं के मन को भ्रमित करने के लिए आज बड़े-बड़े अखबारों में बड़े-बड़े खबरिया चैनलों पर उसे प्रकाशित और प्रसारित किया जाता है कि जिसे सुन-पढ़कर युवा परेशान हो जाते हैं कि कहीं वे भटक तो नहीं गए हैं?

हमारे देश की जनता बहुत साफ हृदय, सुगम और सीधी है. इसमें दो राय नहीं कि ऐसी जनता को मूर्ख बनाना आज के इन चतुर सुजान राजनेताओं के लिए कोई बड़ी चुनौती नहीं होती. वे जनता को लच्छेदार भाषणों से उन्हीं से कहला सकते हैं कि आपसे बड़ा कोई नेता नहीं, आपसे अधिक हित इस देश का करने वाला कोई नहीं, लिहाजा इस बार भी हम आपको ही अपना मत देकर सरकार बनाने का अवसर देंगे. अभी हाल के दिनों में प्रधानमंत्री बंगाल और बिहार में चुनावी रैली कर रहे थे और रैली में उपस्थित जनता के मुंह से बार-बार कहला रहे थे-'अबकी बार ... सरकार.' इस तरह के नारे देना प्रधानमंत्री के लिए कोई नई बात नहीं है. उनका सत्ता में आना ही इसलिए हुआ था कि वे रैली में आए लोगों से ऐसा वादा करवा लेते थे. लेकिन, अभी तक किसी भी नेता, मीडियाकर्मी या जनता में यह पूछने कि हिम्मत नहीं हुई कि पिछले दस वर्ष से देश की सत्ता पर काबिज आपकी सरकार ने इस कालखंड में आखिर ऐसा क्या किया है कि जिसके दम पर आप फिर से अपनी सरकार बनाने के लिए जनता के मुंह में हाथ डाल डालकर यह कहलवाते हैं कि एक अवसर उनकी सरकार को और दिया जाए? यह सच है आपकी सरकार ने कुछ दिया हो या नहीं दिया हो, लेकिन देश के समस्त भ्रष्टाचारियों को एक पार्टी में लाकर हिटलरशाही की तरह नए-नए कानून बनाकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देती रही. हां, यह भी सच है कि देश के अस्सी करोड़ लोगों को अपंग बना दिया, उन्हें उन पांच किलो अनाज पर जीवन-यापन करने के लिए विवश कर दिया. क्या यह नहीं हो सकता था कि इन निरीह जनता के लिए रोजगार खड़ा कर दिया जाता, जिसमें अपनी ताकत के बलबूते कमाकर लाने की कूवत होती. लेकिन, फिर सरकार का वह मुहावरा कहां जाता, जिसमें कहा जाता है कि हमारी सरकार अस्सी करोड़ गरीब जनता को 'मुफ्त का राशन' देती है. निराश्रित बनाने की यह विश्व में अपनी तरह की पहली योजना है, जो भारत की वर्ततान सरकार द्वारा बनाई गई है. इसे जनता को अपने पक्ष में मतदान करने का नायाब तरीका भी कह सकते हैं.

उसके अगले ही दिन पटना के गांधी मैदान में विपक्षी महागठबंधन की रैली हुई. भीड़ और विपक्षी नेताओं के उत्साह को देखकर ऐसा लगने लगा कि सत्तारूढ़ सरकार के प्रति जनता में घोर नाराजगी है और विपक्षी खेमों को घेरने के लिए तरह-तरह की जो योजनाएं सत्तारूढ़ दल द्वारा बनाई गई हैं, वह सफल होने वाली नहीं हैं. ऐसा इसलिए भी कि सत्तारूढ़ दल ने अपने पक्ष को बिहार में मजबूत बनाने की योजना के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तोड़कर अपने साथ शामिल कर लिया था, उसका कोई भी लाभ होता दिखाई नहीं देता. कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कभी भी सामूहिक नेतृत्वकर्ता नहीं रहे हैं, लेकिन इतने वर्षों तक वे केंदीय मंत्री सहित बार-बार बिहार के मुख्यमंत्री बनते रहे, उसका कारण उनकी निज की योग्यता को ही माना जाता है. एनडीए द्वारा बिहार में लोकसभा के लिए प्रत्याशियों का नाम न घोषित करना सत्तारूढ़ दल के संशय को ही दिखाता है. वैसे, पिछले लोकसभा चुनाव में एनडीए और जदयू गठबंधन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था, लेकिन इस बार मामला इसलिए गंभीर है कि एनडीए या जदयू का प्रदर्शन वैसा ही रहेगा, इसकी कोई आज कल्पना भी नहीं करता. इसकी वजह यह है कि इस बार उसका सामना महागठबंधन से है, जिसका नेतृत्व बिहार में तेजस्वी यादव, उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और केंद्रीय स्तर पर मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी कर रहे हैं.

इस चुनाव के बाद किसकी सरकार बनेगी, यह तो रिजल्ट आने के बाद पता चलेगा, लेकिन जो कई सर्वेक्षणों से छनकर आई है उसने सत्तारूढ़ भाजपा को बेचैन अवश्य कर दिया है. इसके प्रमाण के रूप में तो भाजपा की पहली सूची ही है, जिसमें साफ हो गया है कि किस तरह से वह फूंक-फूंककर कदम रख रही है. पहली ही लिस्ट में उन लोगों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है, जिन्होंने कभी भाजपा नेता के रूप में पार्टी को दागदार किया. वैसे ही कई तथाकथित नेताओं ने भाजपा का टिकट पाने के बाद भी चुनाव लडने से इनकार कर दिया. यह तो बड़ा ही हास्यास्पद लगता है कि कोरम पूरा करने के लिए राजनीति से दूर-दूर तक कोई वास्ता न रखने वालों को भी टिकट देकर चुनाव लड़ने के लिए आमंत्रित किया जाता है और चुनाव लड़ने वाला प्रत्याशी चुनाव लड़ने से इनकार कर देता है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सीख के उपहार

प्राचीन मिथिला देश में नरहन (सरसा) राज्य का भी बड़ा महत्व था. वहां का राजा बड़ा उदार और विद्वान् था. अपनी प्रजा के प्रति सदैव वात्सल्य भाव रखता था. प्रजा को वह सन्तान की तरह चाहता था, प्रजा भी उसे पिता की तरह मानती थी. किन्तु उसकी राजधानी में एक गरीब आदमी था, जो हर घड़ी राजा की आलोचना किया करता. उसकी इस गतिविधि का कोई कारण स्पष्ट नहीं था. आलोचना वह केवल अपने अहं की तुष्टि के लिए किया करता था. उसका मानना था कि एक न एक दिन राजा के पास उसकी आलोचना की बात पहुंच जाएगी और राजा डर जाएगा. वह दौड़ा-दौड़ा मेरे पास आएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. वह अपने स्वभाव के अनुरूप आलोचना में लगा ही नहीं रहा, बल्कि अपनी आलोचना और तीखा बनाता चला गया. राजा को इस बात की जानकारी मिल चुकी थी, किन्तु वे इस आलोचना के प्रति उपेक्षा भाव ही रखते. राजा यह सोचकर उस बात को टाल देते थे कि जो ऊंचा आसन पर होता है, उसपर हजारों लाखों नजरें टिकी होती हैं. कोई प्रशंसा करता है तो कोई निंदा. उधर उसकी आलोचना की तीव्रता बढ़ती चली गयी. एक दिन राजा ने इस बारे में गम्भीरता से सोचा. फिर अपने सेवक को 'गेहूं के आटे के बडे मटके', 'वस्त्र धोने का क्षार', 'गुड़ की ढेलियां' बैलगाड़ी पर लाद कर उसके यहां भेजा. राजा से उपहार में इन वस्तुओं को पाकर वह आदमी गर्व से फूल उठा. हो न हो, राजा ने ये वस्तुएं उससे डर कर भेजी हैं. सामान को घर में रखकर वह अभिमान के साथ राजगुरु के पास पहुंचा. सारी बात बताकर बोला, "गुरुदेव! आप मुझसे हमेशा चुप रहने को कहा करते थे. यह देखिये, राजा मुझसे डरता है." राजगुरु बोले, "बलिहारी है तुम्हारी समझ की! अरे! राजा को अपने अपयश का डर नहीं है उसे मात्र यह चिंता है कि तुम्हारी आलोचनाओं पर विश्वास करके कोई अभिलाषी याचना से ही वंचित न रह जाय. राजा ने इन उपहारों द्वारा तुम्हे सार्थक सीख देने का प्रयास किया है. वह यह कि हर समय मात्र निंदा में ही रत न रहो, संतुष्ट रहो, शुभ-चिंतन करो और मधुर संभाषण भी कर लिया करो. आटे के यह मटके तुम्हारे पेट पुष्टि के साथ तुम्हारे संतुष्ट भाव के लिए हैं, क्षार तुम्हारे वस्त्रो के मैल दूर करने के साथ ही मन का मैल दूर करने के लिए है और गुड़ की ये ढेलियां तुम्हारी कड़ुवी जबान को मीठी बनाने के लिए हैं."

मंगल ग्रह पर जीवन के प्रमाण मिल सकते हैं!

• विज्ञान

मुकुल व्यास

पृथ्वीवासियों को नासा के पर्सिवियरेंस रोवर द्वारा मंगल पर एकत्र किए गए नमूनों का इंतजार है, क्योंकि इनमें लाल ग्रह पर प्राचीन जीवन के प्रमाण हो सकते हैं. नासा के रोवर ने पाया है कि मंगल ग्रह का जेजेरो क्रेटर किसी समय पानी से भरा हुआ था. इससे यह उम्मीद जगी है कि रोवर ने लाल ग्रह पर जीवाश्म जीवन का सबूत एकत्र कर लिया होगा. यह रोवर पहली बार फरवरी, 2021 में इंज्यूनिटी हेलीकॉप्टर के साथ क्रेटर पर उतरा था. रोवर ने जमीन में प्रविष्ट करने वाले रडार का उपयोग करके यह खोज की है. उसने एक झील से संबंधित तलछट की परतों का खुलासा किया है. यह झील बाद में एक विशाल डेल्टा में तब्दील होकर सूख गई. जब क्रेटर से एकत्र किए गए भूवैज्ञानिक नमूने पृथ्वी पर लौट आएंगे, तब शोधकर्ताओं को इस बात का सबूत मिल सकता है कि लाल ग्रह पर कभी प्राचीन जीवन पनपा था. पर्सिवियरेंस रोवर, पुरानी क्यूरियोसिटी रोवर के साथ, 48 किलोमीटर चौड़े जेजेरो क्रेटर को पार करके मंगल ग्रह की सतह पर प्राचीन जीवन के संकेतों की खोज कर रहा है और पृथ्वी पर वापसी के लिए चट्टान के दर्जनों नमूने एकत्र कर रहा है. तीन वर्षों तक रोवर के साथ इंज्यूनिटी हेलीकॉप्टर भी था जिसने 18 जनवरी को मंगल ग्रह की सतह पर अपनी 72वीं और अंतिम उड़ान भरी. कार के आकार की पर्सिवियरेंस रोवर सात वैज्ञानिक उपकरणों से लैस है, जिनमें से एक मंगल ग्रह की सतह के नीचे प्रयोग के लिए रडार इमेजर (रिमफैक्स) है. अपनी यात्रा के दौरान रोवर ने हर 10 सेंटीमीटर जमीन में रडार के जरिये मंगल के क्रेटर की सतह के नीचे लगभग 20 मीटर की गहराई से प्रतिबिंबित तरंगों का एक नक्शा बनाया. अब इस रडार मानचित्र ने तलछट के अस्तित्व का खुलासा किया है. पिछले अध्ययनों में तलछट के बारे में संदेह उत्पन्न हुआ था, लेकिन पहले कभी इसकी पुष्टि नहीं हुई थी. इस अध्ययन के प्रमुख लेखक डेविड पेज ने कहा कि चट्टान के रिकॉर्ड में हम जो बदलाव देखते हैं, वे मंगल ग्रह के वातावरण में बड़े पैमाने पर हुए परिवर्तनों से प्रेरित हैं. अच्छी बात यह है कि हम इतने छोटे भौगोलिक क्षेत्र में परिवर्तन के इतने सारे सबूत देख सकते हैं, जो हमें अपने निष्कर्षों को पूरे क्रेटर के पैमाने तक विस्तारित करने की अनुमति देते हैं. चूंकि पृथ्वी पर जीवन पानी पर अत्यधिक निर्भर है. मंगल ग्रह पर पानी का सबूत इस बात का एक महत्वपूर्ण सुराग हो सकता है कि ग्रह पर कभी जीवन था या आज भी वहां जीवन हो सकता है.

> मंगल ग्रह की भूमध्य रेखा पर मेडुसी फॉसी फॉर्मेशन क्षेत्र के एक नए रडार सर्वेक्षण से पता चला है कि वहां जमीन में दबी हुई जल-बर्फ की विशाल परतें मौजूद हैं, जो कई किलोमीटर मोटी हैं. यह मंगल ग्रह के मध्य भाग के आसपास अब तक पाया गया सबसे अधिक पानी है. इससे जाहिर है कि लाल ग्रह पानी से उतना वंचित नहीं है, जितना हमने सोचा था.

लेकिन हमारे दुर्गम पड़ोसी ग्रह पर जीवन के सबूत जुटाना अभी तक बहुत कठिन साबित हुआ है. मंगल ग्रह की भूमध्य रेखा पर मेडुसी फॉसी फॉर्मेशन क्षेत्र के एक नए रडार सर्वेक्षण से पता चला है कि वहां जमीन में दबी हुई जल-बर्फ की विशाल परतें मौजूद हैं, जो कई किलोमीटर मोटी हैं. यह मंगल ग्रह के मध्य भाग के आसपास अब तक पाया गया सबसे अधिक पानी है. इससे जाहिर है कि लाल ग्रह पानी से उतना वंचित नहीं है, जितना हमने सोचा था. वैज्ञानिकों का कहना है कि वहां उतना ही पानी दबा हुआ है, जितना पृथ्वी के लाल सागर में पाया जा सकता है. यदि इसे सतह पर लाकर पिघलाया जाए, तो यह मंगल को 1.5 से 2.7 मीटर गहरे उथले महासागर में ढक देगा. बर्फ के दबे हुए भंडार के संकेत पहली बार 2007 में 2.5 किलोमीटर की गहराई तक पाए गए थे, लेकिन तब वैज्ञानिकों को यह नहीं पता था कि ये भंडार किस चीज के हैं. नया डेटा मिलने और उस डेटा का विश्लेषण करने के लिए नए उपकरण उपलब्ध होने के बाद इन भंडारों की असलियत का पता चला.पिछले कुछ दशकों में जैसे-जैसे मंगल की खोज बढ़ी है, लाल ग्रह के बारे में हमारी पिछली समझ में भारी परिवर्तन हुआ है. जहां भी हम देखते हैं, मंगल ग्रह पर अतीत में सतह पर नदियों के रूप में पानी बहने या झीलों या महासागरों में पानी जमा होने के प्रमाण दिखाई देते हैं. मंगल ग्रह पर अब कोई तरल पानी नहीं है. वह सारा पानी कहां गया, यह एक रहस्य बना हुआ है. क्या वह वाष्प के रूप में अंतरिक्ष में गायब हो गया, या क्या वह ग्रह के अंदर ही सिमट कर ऐसी जगह पहुंच गया है, जहां हम उसे नहीं देख सकते? मेडुसी फॉसी फॉर्मेशन में इस प्रश्न के कुछ उत्तर हो सकते हैं. वैज्ञानिक एक अन्य व्यावहारिक कारण से यह जानना चाहते हैं कि मंगल ग्रह पर पानी कहां मिलेगा.

गरीबी रेखा का पता नहीं, लेकिन ग़रीबी घट गई!

• विमर्श

अरविंद मोहन

लोकसभा चुनाव से पहले नीति आयोग ने देश में गरीबों की संख्या संबंधी अपने आकलन के रूप में जो एक बम फोड़ा है, उसकी गूंज चुनाव भर में बनी रहे तो कोई आश्चर्य नहीं होगा. आयोग के किसी अर्थशास्त्री की जगह उसके सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम द्वारा जारी की गयी इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश में 2013-14 और 2022-23 के बीच गरीबों की संख्या में तेजी से कमी आ गई है और अब यह पांच फीसदी से नीचे पहुंच गई है जिसका मतलब हुआ कि देश में गरीबों की संख्या सात करोड़ से अधिक नहीं रह गई है. जाहिर है इन दस वर्षों में देश में नरेंद्र मोदी का शासन रहा है और अगर यह अनुमान सही है तो यह सरकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होगी. अभी कुछ समय पहले ही एक नामी अंतरराष्ट्रीय संस्था के सहयोग से हुए अध्ययन में भी मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी में भी भारी गिरावट की बात की गई थी, जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री बार बार अपने भाषणों में करते हैं. उस अध्ययन और उसके आसपास हुए दूसरे अध्ययनों को लेकर भी हल्का विवाद रहा, लेकिन आम तौर पर इस पचीस करोड़ की कमी (जिसमें यूपीए के शासन के दौरान ज्यादा तेज गिरावट बताई गई थी) को स्वीकार किया गया. ऐसे अध्ययनों को स्वीकार करने में हिचकिचाहट अकादमिक जगत की ईर्ष्या के चलते ही नहीं है. इस सरकार ने आंकड़े जुटाने के काम को जिस तरह रोका और बाधित किया है उससे भी बाकी हिसाब काफी कुछ हवाई हो गया है. अभी इसी घरेलू खपत पर खर्च का पिछला सर्वे इसी सरकार ने रोका था और उसके चलते ही ये आंकड़े पांच की जगह सीधे दस साल पर आए हैं. और सर्वेक्षण का आधार या आंकड़े बनाने के आधार को लेकर असुविधाजनक सवाल थे, जिनके चलते किसी अर्थशास्त्री की जगह सीईओ से आंकड़े जारी किये गए. सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि जब गरीबी रेखा ही तय नहीं है तो आप बार-बार गरीबों की संख्या में गिरावट का दावा किस आधार पर करते हैं. और सुब्रह्मण्यम साहब के जुबान खोलते ही अस्सी करोड़ से ज्यादा लोगों को गरीबी के नाम पर मुफ़्त राशन देने, पचास करोड़ से ज्यादा जन धन खाते खोलने, पचीस करोड़ से ज्यादा घरों में उज्ज्वला योजना से गैस पहुंचाने और शौचालय बनाने से लेकर दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना और किसान कल्याण के नाम पर आठ करोड़ से ज्यादा खातों में सालाना छह हजार रुपए ट्रांसफर करने जैसी योजनाओं पर अप्रिय सवाल भी उठाए जाने शुरू हो गए. हम इस विरोधाभास की चर्चा खास नहीं करना चाहते, क्योंकि इन पर पहले भी चर्चा होती रही है और इन योजनाओं का एक चुनावी मतलब भी है-गरीब कल्याण और जरूरत वाले पक्ष भी पर्याप्त प्रबल हैं. और इनका लाभ इनको चलाने का दावा करने वाली पार्टी और नेता को हुआ है, लेकिन करोड़ों लोगों को भी सीधा लाभ मिला है जिससे उन्होंने शासन की चिंता का साफ़ एहसास भी किया है..यह सही है कि किसी परिवार के उपभोग के तरीके से उसकी आर्थिक हैसियत का अंदाजा लगाया जा सकता है. यह भी सही है कि अनाज की ज्यादा खपत या घर के बजट का ज्यादा बड़ा हिस्सा अनाज पर खर्च करने का मतलब गरीबी का जीवन है. दूसरे शौकों और भोजन के ही ज्यादा नफासत या पौष्टिकता वाले पदार्थों पर खर्च का मतलब आमदनी बढ़ना है. सो इस तरह का अध्ययन एक मोटा अंदाजा देता है. लेकिन जब भारत में अनाज पर चालीस फीसदी खर्च करने का औसत हो और यूरोप अमेरिका में यह औसत सात-आठ फीसदी हो तो हम किस मुंह से विकास और रामराज्य आने का दावा करेंगे या गरीबी खत्म करने की बात करेंगे. हां, दस साल में सत्रह-अठारह फीसदी सुधार का दावा महत्व का है, लेकिन ऐसा भी नहीं कि बाकी सारी कसौटियों को भुला दिया जाए. अब लोग अनाज कम खा रहे हैं, यह तो आपने उनके अमीर और विकसित होने का प्रमाण मान लिया, लेकिन उनमें दाल की खपत तेजी से कम हुई है तो आप उनके आहार और आर्थिक स्थिति को किस आधार पर सही मान रहे हैं. अनाज और दाल अर्थात गरीब के प्रोटीन की खपत घटना तो पर्याप्त चिंता की बात भी मानी जा सकती है. दूध, दही, मांस और उनसे भी बढ़ाकर एरीटेड ड्रिंक्स अर्थात कोक-पेप्सी और प्रोसेस्ड फूड अर्थात चिप्स वगैरह का चलन बढ़ना गरीब के यहां अमीरी पहुंचने का ही प्रमाण मान लेना भी कोई होशियारी नहीं है.

> ऐसे अध्ययनों को स्वीकार करने में हिचकिचाहट अकादमिक जगत की ईर्ष्या के चलते ही नहीं है. इस सरकार ने आंकड़े जुटाने के काम को जिस तरह रोका और बाधित किया है उससे भी बाकी हिसाब काफी कुछ हवाई हो गया है. अभी इसी घरेलू खपत पर खर्च का पिछला सर्वे इसी सरकार ने रोका था और उसके चलते ही ये आंकड़े पांच की जगह सीधे दस साल पर आए हैं.

मीडिया में अन्यत्र

प्रधानमंत्री का कश्मीर दौरा और उसके बाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर की अपनी पहली यात्रा के दौरान इस केंद्र-शासित प्रदेश की एक गुलाबी तस्वीर पेश की. इस केंद्र-शासित प्रदेश का गठन 2019 में पूर्ववर्ती जम्मू एवं कश्मीर राज्य का विभाजन करके किया गया था और इसकी विशेष संवैधानिक स्थिति भी छीन ली गई थी. श्रीनगर में 7 मार्च को आयोजित एक रैली में श्री मोदी द्वारा दिया गया भाषण और केंद्रीय योजनाओं से लाभान्वित स्थानीय उद्यमियों के साथ उनकी बातचीत दिल जीतने की कोशिश थी. श्री मोदी ने जहां अपनी रैली में लोगों की प्रभावशाली उपस्थिति को पिछले पांच सालों के दौरान अपनाए गए सरकार के एकीकरणवादी दृष्टिकोण के समर्थन के रूप में निरूपित किया, वहीं विपक्षी दलों ने कहा है कि कम से कम रैली में शिरकत करने वाले लोगों के एक हिस्से को तो प्रशासन द्वारा लाया गया था. प्रधानमंत्री लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जम्मू एवं कश्मीर के बाहर मतदाताओं को भी संबोधित कर रहे थे. उन्होंने किसी किस्म के राजनीतिक प्रचार से परहेज किया और इसके बजाय, लोगों के लिए अधिक अवसर पैदा करने से जुड़ी अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया. प्रधानमंत्री ने कहा कि कश्मीर के लोग अब "खुलकर सांस ले रहे हैं".

श्री मोदी ने "आत्म-केंद्रित वंशवादी राजनीति" के जरिए सात दशकों तक जम्मू एवं कश्मीर को "बर्बाद" करने के लिए कांग्रेस और दो क्षेत्रीय दलों, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर भी निशाना साधा. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमेशा कश्मीर को भारतीय राज्य की अनिर्णय की मिसाल के रूप में देखा है. उसने इस स्थिति को पलटने का वादा किया था. प्रधानमंत्री के भाषण ने कश्मीर के इस परिप्रेक्ष्य को राजनीतिक और सांस्कृतिक संघवाद के सवाल के बजाय एक विकासात्मक और प्रबंधन की चुनौती के रूप में रेखांकित किया. श्री मोदी ने अमीर भारतीयों से अपनी शादियों की योजना कश्मीर में बनाने का भी आग्रह किया. उन्होंने विदेशों में रहने वाले देशवासियों से गैर-भारतीयों को घाटी का दौरा करने के लिए प्रेरित करने को कहा और घरेलू पर्यटकों से कश्मीर में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय उत्पाद को खरीदने का अनुरोध किया. इस क्षेत्र के विकास से दशकों के संघर्ष से चोट खाये स्थानीय लोगों को मदद तो मिल सकती है, लेकिन 2019 के बाद से कटौती किए गए राजनीतिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली भी जरूरी है.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जन्मदिवस/जयंती

श्री दुर्गा सप्तशती के अर्गला स्तोत्र में मार्कण्डेय ऋषि ने इस प्रकार स्तुति की है- जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी, दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तु . इस श्लोक में नमोऽस्तु को छोड़.कर जितने शब्द प्रयोग में आये हैं, सभी भगवती दुर्गा के ही नाम हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार जयंती का मतलब वह स्त्री, जिसने विजय प्राप्त कर ली हो. जयन्ती शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'जि' धातु से है, जिसका अर्थ है विजय करनेवाली, विजयिनी. रथों, मन्दिरों पर फहरने वाली ध्वजा भी जयन्ती (जीत दिलाने वाली) है. सौम्य रूप में पार्वती ही भगवती दुर्गा हैं. जयंती के और भी कई अर्थ हैं. जैसे ध्वजा, ज्योतिष का एक योग, जयंती एक बड़े पेड़ का भी नाम है, जिसे जैंत या जैता कहते हैं. इस पेड़ की डालियां बहुत पतली और पत्तियां अगस्त की पत्तियों की तरह, पर उनसे कुछ छोटी होती हैं. फूल अरहर की तरह पीले होते हैं. फूलों के झड़ जाने पर बित्ते सवा बित्ते लंबी पतली फलियां लगती हैं. फलियों के बीज उत्तेजक और संकोचक होते हैं और दस्त की बीमारियों में औषध के रूप में काम में आते हैं. खाज का मरहम भी इससे बनता है. इसकी जड़ पीसकर बिच्छू के काटने पर लगाई जाती है. जयंती जई यानी जौ के छोटे पौधों को भी कहा जाता है, जिन्हें विजयादशमी के दिन ब्राह्मण लोग यजमानों को मंगल द्रव्य के रूप में भेंट करते हैं. जयंती का मतलब किसी महापुरुष के जन्मदिवस पर मनाया जाने वाला उत्सव भी होता है. जैसे हनुमान जयंती, महावीर जयंती, बुद्ध जयंती आदि. यानी जन्मदिन की वर्षगांठ को जयंती कहा जाता है. इधर कुछ वर्षों से परम्परा सी बन गई है कि दिवंगत व्यक्ति के जन्मदिन को ही जयन्ती कहें, जबकि व्यवहार में ऐसा नहीं है. जीवित व्यक्ति की भी 25-वीं वर्षगांठ रजत जयन्ती, 59-वीं वर्षगांठ स्वर्णजयन्ती और 75-वीं वर्षगांठ हीरक जयन्ती के रूप में मनाई जाती है!

तारीफ करूं क्या उसकी जिसने तुझे बनाया

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

कुछ लोग काम के समय में बार-बार चाय पीकर आराम फरमाते हैं. और धन्यवाद देते हैं चाय शुरू करने वाले को-तारीफ करूं क्या उसकी जिसने तुझे बनाया. इनका कहना है कि चाय न होती तो काम करना मुश्किल हो जाता. चाय-पीते बतलाते, समय पास हो जाता है. कोई पूछे भी कि कहां हैं ? तो लोग यह जानकर कि चाय पीने गए हैं, कोई खास बुरा नहीं मानते. सोचते हैं कि देर-सबेर आ ही जायेंगे. एक बार एक लड़की को चाय के कारण लेने के देने पड़ गए. ससुराल में नई-नई आई थी. पति ने चाय बनाने को कहा. लड़की ने चाय बनायी और जैसे ही आकर बोली कि 'टू कप टी--'. एक सजिल्द किताब आकर उसके कनपटी से टकराई. और जब तक शोर सुनकर पड़ोस के दो-चार लोग इकट्ठा हुए, लड़की धराशायी हो चुकी थी. पति महोदय बोले जा रहे थे तू कपटी, तेरा बाप कपटी.... काफी का प्रचलन बढ़ने से चाय की अहमियत थोड़ी कम हुई है. पहले लोग किसी के आने पर कहते थे कि पानी-वानी पिलाओ. अथवा पानी-वानी पिए कि नहीं. और अब वानी की जगह पर चाय आ गई है और पानी से पहले बोल-चाल में अपना स्थान बना ले गई है. पानी-वानी का मतलब होता था ठंढा पानी पीकर ठंडे मन से वानी का प्रयोग यानी मधुर वानी से स्वागत-सत्कार, हाल-चाल पूछना आदि. लेकिन चाय ने वानी को पानी से सिर्फ जुदा ही नहीं किया बल्कि वानी यानी जिह्वा को जलाया भी. वैज्ञानिक भाषा में इसे कहा जाता है कि चाय में उत्तेजना लाने वाला पदार्थ कैफीन होता है और चाय से लोगों में उत्तेजना आती है. भला बताइये उत्तेजना में कहीं मधुर-वानी निकल सकती है क्या? बात एक ही है कहने के तरीके अलग हैं. आप खुद सोचिए कि जली जीभ से जली बात नहीं निकलेगी तो क्या अमृत में सनी बात निकलेगी? यही कारण है कि मधुरी वानी ग्रंथों और संतों के प्रवचनों व नसीहतों तक ही सीमित होकर रह गई है. कई लड़के किसी लड़की को अपनी ओर हंसते देख, चाहे लड़की उसी पर हंस रही हो, चाय के लिए विनम्र निवेदन कर देते हैं. लड़की चाय के लिए तैयार हो जाय तो इसे अपना सौभाग्य समझते हैं और कापी-किताब खरीदने के लिए अथवा फीस के लिए जो पैसा होता है. उसे भी गवां बैठते हैं. और बाद में लड़की को भी. चाय का बहुत महात्म है. एक ओर जहां कितने ही लोग चाय पीकर और पिलाकर बर्बाद हो गए हैं. वहीं दूसरी ओर कई लोग ऐसे भी हैं जो चाय पीकर और पिलाकर बन गए हैं.

आखर

हिंदी कथा-भाषा का परिवर्तित होता स्वरूप

आलेख

डॉ. कमल कुमार बोस

हिंदी कथाभाषा में जो परिवर्तन दिखता है, वही परिवर्तन सामान्य जनों की भाषा में आया है- कथाभाषा और सामान्य बोलचाल की भाषा में अंतर मात्र कला का है. लेकिन अब तो अनगढ़ या गंवई और क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग कथा-साहित्य में सामान्य बात हो गई है, जो शिवपूजन सहाय, नागार्जुन, कृष्णा सोबती आदि कथाकारों के कथा-साहित्य में देखा जा सकता है. लेकिन एक बात ध्यान देने की यह है कि गंवई और शहरी भाषा में भी परिवर्तन में आया है- भाषाई परिवर्तन का कारण है भूमण्डलीकरण और उसके प्रभाव से बदलता भारतीय समाज और उसकी बदलती संकृति. आर्थिक विषमता भी हिंदी भाषा के परिवर्तन का कारण बनी है. उच्च वर्ग और निम्न वर्ग के लोगों की भाषा में अंतर स्पष्ट देखा जा सकता है. संचार और सूचना तंत्र के विकास के कारण भी हिंदी भाषा में में परिवर्तन आया है- एक क्षेत्र की हिंदी की शैली दूसरे क्षेत्र में कभी गंभीरता के साथ तो कभी मजाक में बोली जाने लगी है. हिंदी व्यंग्यभाषा में विभिन्न भाषाओं के शब्दों को मिला कर नूतन शब्द सृजित किए जाते हैं, जो बाद में समाज में प्रयोग में लाए जाने लगते हैं. कथा-साहित्य के लेखन के दृष्टिकोण में अंतर आने से भी हिन्दी भाषा में अंतर आया है- कथा साहित्य के यथार्थवादी संरचना के लिए भी भाषा में अनेक विचलनों को देखा जा सकता है. कुछ कथाकारों ने व्यंग्य-भाषा, कुछ ने भदेस-भाषा या भ्रष्ट-भाषा, कुछ ने स्थानीय भाषा तो कुछ ने पात्र के अनुरूप भाषा का प्रयोग अपने कथा साहित्य में किया है. यानी मानक भाषा के साथ-साथ भदेस भाषा, गाली-गलौच, स्थानीय प्रचलित शब्दों, अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग (कभी सटीक तो कभी मजाकिया), जुमलों, और मुहावरों का प्रयोग हिंदी भाषा को नई पहचान दे रहा है.

उपर्युक्त उक्ति के आलोक में कुछ उदाहरणों को देखना आवश्यक है- भुवनेश्वर मिश्र की 'घराऊ घटना' का यह उद्‌बोधन देखें जिसमें दूसरे वक्ता पंडित जी की भाषा भोजपुरी है तो पहले वक्ता की भाषा खड़ी बोली हिंदी है- "दो ही महीने के अंदर तिलक-ब्याह सबसे फुर्सत हो गई. पंडित जी की एक ही बात मुझे याद है, उन्होंने कहा था, हमार लड़किनिया के त ई दसवें बरीस नू बा."1 कृष्णा सोबती के उपन्यास 'जिंदगीनामा' को हिंदी का उपन्यास कहें या पंजाबी भाषा का इस पर आलोचकों में मतभेद को छोड़ दिया जाए, तो कहा जा सकता है कि इस उपन्यास में खड़ी बोली के साथ-साथ पंजाबी भाषा और उसके शब्दों की 'ब्लेंडिंग' बहुत ही सुन्दर है- "लो, एक और आया झुण्ड!" "बग्ग है कि टोका?" "टोका है." "उ, बग्ग है." "वीर जी, ये कहां जा रही है उड़कर?"2 इस उद्धरण में अंतिम सम्वाद, "वीर जी, ये कहां जा रही है उड़कर?" मानक हिंदी में है और शेष संवाद पंजाबी के शब्दों से गूंथे हुए हैं. यानी हिंदी कथाभाषा अब स्थानीय और क्षेत्रीय भाषा की ओर झुक जाती है, जब कथानक किसी क्षेत्र विशेष से लिया गया हो और उसमें यथार्थ के तत्त्वों को में लेना आवश्यक हो. क्षेत्रीय उपन्यासों में तो यह हिंदी कथाभाषा क्षेत्रीय भाषा का का सौंदर्य युक्त सम्मिश्रण देखा जा सकता है.

श्रीलाल शुक्ल ने उपन्यास "राग दरबारी' में तीखी किन्तु रोचक हिंदी व्यंग्य-भाषा का प्रयोग किया है. वे बात ट्रक की करते हैं और उसकी चाल को देश की सरकार की चाल की तरह बता देते हैं- ऐसा व्यंग्य और कटाक्ष इस उपन्यास में भरपूर प्रयास हुआ है- "घरघरा कर ट्रक चला. शहर की टेढ़ी-मेढ़ी लपेट से फुर्सत पाकर कुछ दूर आगे साफ और वीरान सड़क आ गई. यहां ड्राइवर ने पहली बात टॉप गियर का प्रयोग किया, पर वह फिसल फिसल कर न्यूट्रल में गिरने लगा. हर सौ गज के बाद गियर फिसल जाता और एक्सीलेटर दबे होने से ट्रक की घरघराहट बढ़ जाती, रफ़्तार धीमी हो जाती. रंग नाथ ने कहा, "ड्राइवर साहब, तुम्हारा गियर तो बिलकुल अपने देश की हकूमत जैसा है. "3 रंगनाथ की उक्ति कबीरी व्यंग्य का एक सुन्दर उदहारण है, जिसमें नंगा सत्य है और सुन्दर-सटीक व्यंग्यात्मक तुलना, "ड्राइवर साहब, तुम्हारा गियर तो बिल्कुल अपने देश की हुकूमत जैसा है." भारत की सरकारें शपथ ग्रहण के बाद बड़ी तेजी से टॉप गियर में जाती हैं और जल्दी ही न्यूट्रल गियर में जाकर कुर्सी खाने-पचाने लगती हैं और अगले चुनाव के लिए फंड जुटाने में लग जाती हैं. ट्रक ड्राइवर भी शराब पीने के लिए फंड जुटाता है, रास्ते में पैसेंजर बैठा कर! रंगनाथ उस ट्रक में एक पैसेंजर है. ट्रक की ड्राइविंग सीट पर बैठा ड्राइवर सरकार के सुप्रीमो के समान है. ज्ञान चतुर्वेदी के उपन्यास 'हम न मरब' में ढाई सौ से अधिक गालियों का प्रयोग हुआ है, जिनमें सर्वाधिक प्रयोग 'भैं...' का हुआ है! इस उपन्यास में इस गाली का प्रयोग बब्बा के परिवार की तीन पीढ़ियों के सदस्य प्रयोग करते हैं, यहां तक के मरे हुए बब्बा के लिए लिए प्रयोग करने से वे नहीं चूकते. उनके गाली-प्रयोग की तीखी आलोचना हुई लेकिन यह उपन्यास बिका खूब आज विवाद पैदा करने वाला साहित्य बिकता है, विवादित फ़िल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट हो जाती हैं. एक उद्धरण इस उपन्यास से देखें- "बब्बा भड़क गए... हम तो इन्हें कभी मांठ न भेजते. पर जे भैं... हमें बिना बताए मांठ कढ गए. हुआ कि इधर हम तो खून ठुक्बे में लगे थे कि उधर जे चू... आपको उठा लाए. "4 एक ही संवाद में दो गालियां हैं और दोनों ही स्त्रियों का मान मर्दन करने वाली 'भैं...' और 'चू...' भाषा भदेस है. कितना भी साथी लेखक या साथी आलोचक इस प्रयोग को उचित बताने का प्रयास करें, लेकिन ऐसा प्रयोग स्त्री के सन्दर्भ में एक अपराध है- गवई भाषा में जिस बेशर्मी से इन गालियों का प्रयोग किया जाता है, उसका साहित्य में औचित्य प्रतीत नहीं होता है, क्योंकि साहित्य समाज हित के लिए होता है और उसमें समाज की भाषा में आती है, बोली भी आती है. दिलीप तेतरवे के उपन्यास 'एक कालखण्ड की यात्रा' का यह अंश द्रष्टव्य है जो चतुर्वेदी जी की भाषा-दृष्टि के विपरीत है- "साहब, उस सम्मेलन में गालघोटाका जी ने कहानी का पाठ शुरू किया... मेरे गाल लाल हो गए. उनके मुंह से एक स्वर में जो पंक्तियां प्रवाहित हो रही थीं, उन पंक्तियों में रसीली, नमकीन और कड़क गालियों का बड़ा ही उम्दा सम्मिश्रण था. लेकिन मंच के सामने अपने पापा की गोद में बैठे एक छह वर्ष के नादान बालक ने गालघोटाका जी की ओर इशारा करते हुए कहा, 'पापा, पापा, यह तो बड़ा ही गन्दा आदमी है.' साहब, अब उस बालक का इतना बड़ा दिमाग तो था नहीं कि वह गालियों में छिपे साहित्यिक को समझ परख पाता!"

इस उद्धरण में छह वर्ष का बालक कबीरी सच बोल देता है और उस कहानीकार को गन्दा बोल देता है. गाली के ऐसे अज्यधि और बेतरतीब प्रयोग से साहित्यकारों को बचना चाहिए, लेकिन साहित्य को बिकाऊ बनाने के चक्कर में ऐसा परयोग किया जा रहा है. ऐसी हिंदी के कारण समाज को गलत सन्देश (गाली) को अच्छे संदेशों के साथ मिला कर दे दिया जाता है. फिर भी, यह सत्य है कि हिंदी भाषा देश काल के अनुसार बदल रही है और कथा साहित्य में भी हिंदी भाषा के अनेक रूप-स्वरूप देखे जा सकते हैं.

सन्दर्भ-

1. भुवनेश्वर मिश्र, 'घराऊ घटना' नवल किशोर प्रेस, लखनऊ, चौथा संस्करण, 1908, पृष्ठ-6
2. कृष्ण सोबती, जिंदगीनामा, 2016, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-2, पृष्ठ-17
3. श्रीलाल शुक्ल, ?राग दरबारी, 2016, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-2, पृष्ठ-6
4. ज्ञान चतुर्वेदी, हम न मरब, 2016, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-2, पृष्ठ-18
5. दिलीप तेतरवे, एक कालखण्ड की यात्रा, 2014, यथार्थ प्रकाशन, नई दिल्ली6, पृष्ठ-16

समीक्षा

आठ भागों में बंटी "काव्य पुष्पाजंलि"

डॉ विनय भरत

"काव्य पुष्पाजंलि" राजलक्ष्मी सहाय की तीसरी कृति है. इसके पहले "जयहिंद" कहानी संग्रह से लेखिका ने अपना एक बड़ा पाठकवर्ग तैयार कर लिया है. उनकी आठ भागों में बंटी "काव्य पुष्पाजंलि" में कुल 62 कविताएं हैं. चाहे पहली कविता "प्रेमचन्द ले आओ फिर से" पढ़ें, या आखिरी सावन पर लिखी कविता "ऐसा होता..तो झूमता", सभी उतनी ही फ्रेश हैं. अक्सर अंत तक आते - आते कविताएं थक जाती हैं. यहां ऐसा नहीं है.

पहला भाग - साहित्य- को समर्पित है, जिसमें कवयित्री की प्रेमचन्द और कवि नीरज जैसे विभूतियों को ज़िंदा करने की चाह साफ दिखती है. मसलन, जब वो या तो ये लिखती हैं- "हृदय की स्याही में डूबी कलम/ कागज समाज/ शब्दों के अंगारे/ जगमग आज भी/ अमर अमिट/ सीधा सादा सा प्रेमचन्द" या फिर ये कि "जब जब देश काल पर उबली/ रंग लाल हुआ स्याही का/ कलम कांपती थी गुस्से में / अंगार उगलते जब नीरज".

खण्ड दो समाज- पर कलम चलाती है, चाहे वो कविता "नभ में अटका संविधान रंग बिरंगा" हो या युवाओं को झकझोरती कविता "तू फैशन में फटेहाल". फैशन बाज़ार की धज्जियां उड़ाते हुए लिखती हैं – " कुरती की बाहें नुची हुई/ भीतर से चमड़ी झांक रही/ क्या बचकर आई हो अबला / वसन फटा है जहां - तहां से ../ तुझे देखकर सचमुच लगता/ बलात्कार कर छोड़ गया".

कवियत्री अपने तीसरे खण्ड में राष्ट्र प्रेम में डूब जाती हैं - चाहे कविता "लहराता तिरंगा देख रहे सब/ दर्द शहीदों का किसने देखा" हो या "रांची एयरपोर्ट पर बापू की प्रतिमा", कवियत्री के मन में वेदना है. इतने संघर्षों के बाद मिली आज़ादी को बचाने की बेचैनी भी है, जतन भी है. लिखती हैं – "बचपन भारत का खिला रहे, यह तुझसे वादा है मेरा/ तेरे पग जैसे नाच रहे/ कदम ताल हम मचा रहे ..प्रण लेता हूं तेरे समक्ष/ हर जनम सिपाही बनकर ही / इस धरती पर मैं आऊंगा" (है शपथ मुझे इन रंगों की). कवियत्री इतनी संवेदनशील और जीवंत है कि उनकी कविताओं की प्रेरणा उनकी पोती(स्वधा सहाय) तक बन पड़ी हैं.

चौथे भाग में कवियत्री का राष्ट्रप्रेम, रामप्रेम में तब्दील होता है और चार कविताएं भगवान श्री राम को समर्पित हैं. लिखती हैं–" उसे टाट में रहने दो/ क्यों मन्दिर मन्दिर करते हो / कब महल रास आया उसको/ उसे टाट ही भाया है." खण्ड पांच शिव को समर्पित है. " कितना गरल पियेंगे शिव" की चिंता के साथ कवियत्री मां अम्बे को कलम समर्पित करते हुए भाग छः में "नौ दुर्गा के नौ संकल्प" के प्रति संकल्पित हैं–"कुछ संकल्प तुम्हारा हो मां/ कुछ संकल्प हमारा हो/ हाथ थाम आगे चलना/ तेरे पीछे हम आते हैं."

कवयित्री ने सातवां भाग कोरोना को समर्पित किया है. कर्म सिद्धान्त को आरोपित करती हुई कवियत्री अपनी कविता "हरियाली का शाप लगा" में लिखती हैं-"हरियाली का शाप लगा/ मानव अब भी न समझा! / तरु वृक्षों की कब्रों पर/ खड़े महल अगणित किए".

आठवां भाग - सावन- पर है, पर सावन में वासन्ती हवा साफ सुनाई पड़ रही है . "पट्टी हरी तिरंगे की/ बुनकर दी थी सावन ने/ शस्य श्यामला अपनी धरती / मानों सजी तिरंगे में" (सावन की सौगात तिरंगा).

राजलक्ष्मी की कहानी संग्रह " जय हिंद" को पढ़ते वक्त ही उनके पाठकों को जब उनकी कहानियों में काव्यात्मक रवानी दिखी थी, एक अदद काव्यसंग्रह की मांग पाठकों के ओर से उठी थी. कवियत्री ने " काव्य पुष्पाजंलि" के मार्फ़त अपना वायदा पूरा किया है. ज्यादातर कविताएं सब्जेक्टिव हैं. उम्मीद है पाठक इसे पढ़ते वक्त " ऑब्जेक्टिव" रहेंगे और कवयित्री को किसी स्कूल से बांधने की कोशिश नहीं करेंगे. हालांकि हाल के दिनों में "राम, राष्ट्र" जैसे शब्दों ने जिस तरीके से अपने मायनों के केंद्र को शिफ्ट किया है, कवियत्री की यह मांग वक्त के सांचे में एक बड़ी मांग कही जा सकती है. पर किताब के कवर पर जिस प्रकार एक मासूम के पांव को अपने पवित्र ममतामयी हथेली ने थाम रखा है, कवियत्री का हृदय उतना ही निश्छल है.

पुस्तक : काव्य पुष्पाजंलि
लेखिका : राजलक्ष्मी सहाय
प्रकाशक : प्रखर गूंज पब्लिकेशन,दिल्ली
समीक्षक : डॉ विनय भरत
प्रथम संस्करण : 2023
मूल्य - 900 रुपए (हार्डकवर)

लघुकथा

बदला

अनिता रश्मि

"क्या समय आ गया. अब तो झूमने में भी डर लगता है."
"क्यों भला?"
"किसी की नजरों में आ जाऊं और वह कुल्हाड़ी तेज कर ले"
अपने तट पर खड़े-अड़े आखिरी पेड़ के भय से नदी को भी भय लगने लगा.
"अरेऽ! सही कहा. मुझ पर भी शिकारियों की निगाहें पड़ गई हैं. मैं भी तो मार दी जाऊंगी."
"नहीं! तुम्हें कौन मारेगा? अब तो प्लास्टिक पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है न?"
भरे-पूरे काले बादलों को मचलते देखकर पेड़ ने कहा.
नदी को कुछ जवाब नहीं सूझा. बस, उसने सहमते हुए एक उंगली ढलान की ओर उठा दी. पेड़ धीरे से उस ओर घूमा. दूर पर ठीक नदी के बीचों-बीच माटी भरकर एक बिल्डिंग खड़ी थी, दूसरी खड़ी हो रही थी, तीसरे की नींव पड़ चुकी थी. बिल्डिंग की खिलखिलाहट दोनों तक पहुंच रही थी.
"तुम्हारे भीतर अभी भी जल का सैलाब है न?"
"हां, है."
पेड़ ललकारते हुए उसके लिए जोर-जोर से झूमने लगा,
"तो तुमको हनुमान जी की तरह अपनी शक्ति की याद दिलानी पड़ेगी?"
काले डरावने बादल भी सहयोग देने को तत्पर हो उठे. नदी के अंदर-बाहर हदहदायल पानी आ गया. उसने तेज गति से बिल्डिंग और नींव की खिलखिलाहट को गटकने के लिए दौड़ लगा दी.

सही रास्ता

गीता चौबे गूंज

ब्रेक के साथ एक झटके से गाड़ी रुकी तो स्वयं में खोयी नेहा की तंद्रा टूटी. वह कैब ड्राइवर से पूछने ही वाली थी कि उसकी नजर ट्रैफिक की लालबत्ती पर पड़ी. वह बुदबुदा उठी,
"यही तीन बत्ती और चार रास्ता मेरे जीवन को खालीपन से भर गया था जब मैंने रोहन से लड़ कर गुस्से में अपना रास्ता बदल लिया था. बाद में अहसास हुआ कि रोहन की तो कोई गलती ही नहीं थी. गुस्से में लिए हुए मेरे एक गलत निर्णय ने मुझे इस भरी दुनिया में अकेला कर दिया. आज मैं उसी तीन बत्ती चार रास्ता पर खड़ी हूं. अभी भी देर नहीं हुई है अपनी गलती सुधारने के लिए..."
बत्ती हरी होते ही एक दृढ़ निश्चय के साथ नेहा ने ड्राइवर को लेफ्ट टर्न लेने का निर्देश दिया जो रोहन के घर की तरफ जाता था.

व्यंग्य ›› बर्बरीक

कण-कण में है ईश्वर

जब से हिरण्यकश्यप के वध के लिए खंभा फाड़कर निकल आए थे ईश्वर तो सबको विश्वास हो गया कि कण कण में ईश्वर हैं. लोग इस डराने वाले ईश्वर से डर गए. आम भोली भाली जनता विश्वास भी करने लगी और गलत काम करने से पहले दाएं बाएं ऊपर नीचे एक बार देखने जरूर लगी कि कहीं ईश्वर देख तो नहीं रहा है. लेकिन अगले ही पल आश्वस्त भी हो जाती कि नहीं देख रहा है. न तो हर जगह खंभा मौजूद था और न ईश्वर के पास इतना समय था कि हर आदमी पर सीसीटीवी की तरह नज़र रखता. राज करने वाले लोग तक नहीं रख पाते. जिन पर टार्गेट सेट होता है उसी पर ईडी का कैमरा लगवा दिया जाता है. मज़े में गलत सही काम किया जाता रहा. कण कण में रहने वाले ईश्वर का भय कम होता गया. दरअसल ईश्वर घर के उस बुजुर्ग की तरह हो गया जो हर काम में अनावश्यक टोकाटाकी करते करते अपना महत्व खो देता है. तो लोग ढूंढने में लग गए कि आखिर है कहां वह? कोई ऊंचे पहाड़ों पर खोजता तो कोई गुफाओं में, कोई किसिम किसिम की किताबों में खोजता, तो कहीं और. लोग तो समंदर की गहराई में भी खोज आए और अंतरिक्ष में भी. लेकिन वहां होता तब तो मिलता. फिर मेरा ईश्वर तेरा ईश्वर का झंझट शुरू हो गया. ईश्वर हर बार फिसल जाता. ज्ञानियों ने कितना कहा कि भैया, ईश्वर कहीं और नहीं तुम्हारे मस्तिष्क में बैठा है लेकिन अंदर देखता कौन है. हाल हाल में यह सत्य उद्‌घाटित हुआ कि ईश्वर सड़क को जाम कर ईश्वर का जुलूस निकालने या इबादत करने में है. जो जितना ईश्वर का भक्त है वह उतनी देर तक या खतरनाक तरीके से जाम कर सकता है. बच्चों की स्कूल बसें, मरीजों को ले जाती एंबुलेंस या ट्रेन फ्लाइट पकड़ने वाले लोग रोते चिल्लाते रहें -ईश्वर के लिए जाने दो. भक्त गण हंसकर कहते - ईश्वर के लिए ही तो यह सब कर रहे हैं. आराधना करते रहो. अगली बार ईश्वर दिखाई नहीं सुनाई दिया डीजे की चिंघाड़ में. किसी भी तरह की पूजा हो, मूर्ति से भी पहले डीजे की व्यवस्था की जाने लगी.

रहिमन डीजे राखिये बिन डीजे सब सून
डीजे जबतक ना बजे घट जाए सब पुन्न (पुण्य)

मोहल्ला टोला, स्कूल, अस्पताल सबकी आत्माएं थर थर कांपती हुई डीजे की चिंघाड़ के माध्यम से ईश्वर का पल पल साक्षात्कार करती रहती हैं. अगला दर्शन नशे में किए जा रहे उद्दाम नृत्य में होता है. यह नृत्य किसी भी संगीत पर हो सकता है- लिपिस्टिक डिस्टिक से लेकर लाठी तलवार गदका भांजने वाले नृत्य के रूप में. इसके लिए ज़रूरी होता है ईश्वरीय पेय पदार्थों का सेवन. तभी तो कवि चैलेंज करता है कि

जाहिद शराब पीने दे मस्जिद में बैठकर
या वो जगह बता जहां पर खुदा न हो

तो अब आप भी समझ गए होंगे कि ईश्वर की सत्ता सड़क जाम, डीजे और नशीले नृत्य में मौजूद है. इन सबसे डरकर रहिए.

कविता/ग़ज़ल

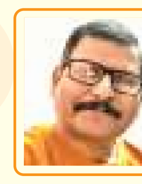

प्रकाश देवकुलिश

स्त्री

सागर बन
स्वयं अपनी गहराई में पैठी है स्त्री
लिए अथाह प्यार, वरदान
कि इसका स्वयं उसे नहीं पता
जैसे विशेषण को संज्ञा का नहीं पता
जैसे नहीं पता भाववाचक को व्यक्तिवाचक का
बोल कुछ देगी, होगी कुछ स्त्री
ठहरो थोड़ा
तो उन्हीं शब्दों में मिल जायेगी
प्रेम से भरी स्त्री
शब्दों का समूह बौना हो जाएगा
स्त्री के दो एक शब्द के सामने
जैसे प्रथम रश्मि के फूटते ही
दीपक हो जाता है बौना
खुलने दो उन शब्दों को
जैसे चूजों के पंख खुलते हैं घोसलों में
थोड़ा वक्त लेकर
ध्वनित होने दो स्त्री का मौन
भर जाओगे प्रणव से
धैर्य अपने अर्थ खोल देगा
जब उसे लगाओगे
स्त्री को हृदयंगम करने के इंतज़ार में
स्वर्गिक शब्द का अर्थ है सिर्फ स्त्री के पास
प्यार के हर शब्द से ऊंची है स्त्री.

दिनेश प्रसाद सिंह दिनेश

आया वसंत

आया वसंत, हुआ मौसम सुहाना
झूम-झूम गा कोयल, मत कर बहाना
चूम गई पुरवाई, अरहर की डाली
झूम गई खेतों में गेहूं की बाली
सूखी टहनियों पर पत्तों का आना
आया वसंत हुआ मौसम सुहाना.
कलियां सब बौराई, भौरें मुस्काए
बागों में चुपके से फूल निखर आए
हुआ बाग-बाग बागवां का तराना
आया वसंत हुआ मौसम सुहाना.
बगिया में महक गई वासंती साड़ी
मंद-मदिर गंध से भींग गई झाड़ी
टीस गया विरहिन को कोयल का गाना
आया वसंत, हुआ मौसम सुहाना.

प्रवीण परिमल

सुनना बड़े ही ग़ौर से उसकी कराह

रंगीन तितलियों के सदा पर दबोचना
गिरगिट ने सीखा किससे उन्हें धर दबोचना
तालीम क्या मिली है यही वालिदैन से?
चिड़ियों को तन्हा बाग़ में पाकर दबोचना
सुनना बड़े ही ग़ौर से उसकी कराह तुम
हिरनी को जब कभी भी ऐ अजगर! दबोचना
आता है याद गांव किनारे का वो शिकार
छुपकर बहेलियों का वो तीतर दबोचना
नेताओं की नज़र में है हर वोट इस तरह
बिल्ली का ज्यूं झपट के कबूतर दबोचना
जब थानेदार करता है रिश्वत का कारोबार
फिर मुज़रिमों को चाहेगा क्योंकर दबोचना
'परिमल' वो कटने लगते हैं अब मुझको देखकर
पड़ता है कर्ज़दारों को अक्सर दबोचना.

डॉ राजश्री जयंती

स्त्री मन को समझ लेना

न होती वो क्या होता संसार
बस यह जान लेना
किसी विशेषण से
विभूषित न करना
अपने बच्चों के मन में
स्त्री के लिए सम्मान
जगा देना
कभी महिमामंडित
न करना
भाव दिल में उसके भी है
यंत्र न समझ लेना
किसी अलंकरण की
अलंकृत न करना
वह भी चाहती है
ख़ुल कर सांस लेना
बस इतना समझ लेना
साधारण सी औरत है

निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव

कलियुग में द्वापर

देख रहा हूं
काल-चक्र को
उल्टी दिशा में घूमते हुए
इक्कीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध में
धरती पर
द्वापर का अवतरण
अवतरित हुए हैं कृष्ण
ऋतुराज वसंत के रूप में-
अपने कथन
'ऋतुनां अहं कुसुमाकर:'
को चरितार्थ करते हुए!
फूली हुई सरसों के खेत
फैले हैं अदिगन्त
धरती पर
लहरा रहा सागर
चटक पीली रोशनी का
इसमें खड़ा हूं
महसूसता हूं
आत्मा का विस्तार
प्रकाश किरणों में भींगते हुए
मन में भर रहा
नवीन उल्लास
नवीन स्फुरण!
लगता है मेरी काया में
प्रविष्ट कर गयी है
जयदेव की आत्मा
और वह रच रही है नया गीत
गोविंद
वसंत और फाल्गुनी के अमर
प्रेम का!

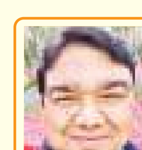

नरेश अग्रवाल

विकट थी समस्या

डाकुओं ने उसे
कुछ दिन नहीं
वर्षों तक अपने साथ रखा
फिर भी डाकू न बना सके
विष न भर सके दिमाग में
गाली देना नहीं आया उसे
न दुत्कारना, न ठोकर मारना
वह अभी भी प्यार से
जी हुजूर कहता है
जिससे छीनना है
उसे दूर भगा देता
गोली की आवाज से डर जाता
हार कर उसे बेच दिया
एक बड़े साहूकार को
यहां अचानक उसका रंग बदला
दासता का भार सह न सका
डाकुओं के साथ गुजारे
दिन याद आने लगे
चमत्कार हुआ उसकी देह में
सोचने का रसायन बदला
सारे गहने लूट कर सेठ के
जा मिला डाकुओं से
चकित थे गैंग के आदमी
अब वह पहले जैसा नहीं रहा
उसके सामने के दांतों से
विष टपक रहा
आंखें भी खूंखार
मुंह से गालियां
हाथ में सेठ की लाइसेंसी पिस्तौल
विकट थी समस्या
सरदार के सामने
उसे मित्र माने या पुराना दास

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

क्लीन स्विप : ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स कैरी ने दूसरी पारी में नॉटआउट 98 रन टीम बनाकर टीम के लिए जीत की राह आसान कर दी

रोमांचक मुकाबले में कंगारुओं ने कीवी की टीम को हराकर 2-0 से जीती टेस्ट सीरीज

एजेंसी । क्राइस्टचर्च

रोमांचक मुकाबले में आखिर में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज जीत ली. ऑस्ट्रेलिया ने क्राइस्टचर्च में खेले गये दूसरे टेस्ट मैच तीन विकेट से जीत दर्ज की. रोमांचक टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स कैरी ने दूसरी पारी में नॉटआउट 98 रन बनाए. इसमें न्यूजीलैंड पहली पारी में महज 162 रनों पर ऑलआउट हो गया था. जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 256 रन बनाए. न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 372 रन बनाए. वहीं ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 281 रन बनाकर मैच के साथ-साथ सीरीज भी अपने नाम कर ली. इस मैच के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड एलेक्स केरी को मिला, जबकि मौट हेनरी को सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया. यह सीरीज ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलेक्स कैरी के लिए भी खास रहा. विकेटकीपर बैटर के तौर पर चौथी पारी में टीम को जीत दिलाते हुए कैरी ने दूसरा सबसे बड़ा स्कोर अपने नाम कर लिया. उन्होंने इस मामले में भारतीय खिलाड़ी ॠषभ पंत को पीछे छोड़ दिया.

ॠषभ ने ऐतिहासिक गाबा टेस्ट मैच में नॉटआउट 89 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई थी. इस लिस्ट में अभी भी टॉप पर ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट हैं. गिलक्रिस्ट ने 1999 में इसी मैदान पर नॉटआउट 149 रनों की पारी खेली थी. वहीं इस लिस्ट में चौथे नंबर पर श्रीलंका के निरोशन डिकवेला हैं. उन्होंने 2017 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 81 रनों की पारी खेली थी. पांचवें नंबर पर इंग्लैंड के जोस बटलर हैं.

- न्यूजीलैंड पहली पारी में 162 रनों पर ऑलआउट हुई
- ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 256 रन बनाए थे
- न्यूजीलैंड की टीम ने दूसरी पारी में 372 रन बनाए

कैरी ने किया बेहतर प्रदर्शन

बटलर ने 2020 में पाकिस्तान के खिलाफ 75 रनों की पारी खेली थी. इसके अलावा एक और मामले में एलेक्स कैरी ने बड़ा रिकॉर्ड बनाया. एक टेस्ट मैच में 10 या इससे ज्यादा कैच लेने के साथ-साथ 100 प्लस रन बनाने वाले कैरी महज दूसरे खिलाड़ी हैं. उनसे पहले यह कारनामा एबी डिविलियर्स ने किया था. एबीडी ने 2013 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में यह किया था. इस जीत के साथ ही कंगारुओं को बड़ा फायदा हुआ. ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर 2-0 से कब्जा करते हुए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के पॉइंट्स टेबल में दूसरा पायदान हासिल कर लिया है. भारत अभी भी टॉप पर है, जबकि न्यूजीलैंड तीसरे पायदान पर है.

ब्रीफ खबरें

इंडियन वेल्स टेनिस के अंतिम 16 में पहुंची इगा

इंडियन वेल्स । पोलैंड की इगा स्वियातेक ने आस्ट्रेलियाई ओपन में मिली हार का बदला चुकता करते हुए लिंडा नोस्कोवा को 6-4, 6-0 से हराकर बीएनपी परीबस इंडियन वेल्स टेनिस ओपन के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया. दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अलकाराज और तीसरी वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर भी अगले दौर में पहुंच गए. लेकिन पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव को 32वीं वरीयता प्राप्त जिरि लेहेका ने 6-4, 6-4 से हराया.

आरामको सीरिज के शीर्ष 10 में गोल्फर दीक्षा

टैंपा (अमेरिका) । भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर आरामको टीम सीरिज के तीसरे और आखिरी दिन एक अंडर 71 के स्कोर के साथ लगातार दूसरी बार शीर्ष 10 में जगह बनाने में कामयाब रही. पहले दो दौर में 69 और 70 स्कोर करने वाली दीक्षा ने कुछ छह अंडर 210 स्कोर किया था और संयुक्त छठे स्थान पर रही. लेडीज यूरोपीय टूर पर पहला सत्र खेल रही भारत की प्रणवी उर्स ने संयुक्त 17वां स्थान हासिल किया. प्रणवी अब एलईटी आर्डर आफ मेरिट में 14वें और दीक्षा 17वें स्थान पर है. जर्मनी की अलेक्जेंड्रा फोस्टरलिंग ने खिताब जीता.

मीराबाई ओलंपिक से पहले पेरिस में करेंगी अभ्यास

नयी दिल्ली । पूर्व विश्व चैंपियन भारोत्तोलक मीराबाई चानू के ओलंपिक खेलों से पहले पेरिस में अभ्यास करने के प्रस्ताव को भारत सरकार ने सोमवार को मंजूरी दे दी. केन्द्रीय खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल के अनुसार तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता पेरिस के ला फेर्टे-मिलन में एक महीने तक अभ्यास करेंगी. इस 29 साल की भारोत्तोलक के साथ दो कोच और एक फिजियोथेरेपिस्ट भी होंगे. सरकार 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम के तहत 49 किग्रा भार वर्ग में चुनौती पेश करने वाली मीराबाई और उनके सहयोगियों के हवाई टिकट, वीजा शुल्क, आवास, भोजन, प्रशिक्षण और चिकित्सा बीमा सहित अन्य खर्चों का वहन करेगी.

भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपे के ली झे-ह्यूई और यांग पो-हुआन की जोड़ी को हराया

सात्विक और चिराग बने चैंपियन

भाषा । पेरिस

फ्रेंच ओपन बैडमिंटन

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने रविवार को फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीनी ताइपे के ली झे-ह्यूई और यांग पो-हुआन की जोड़ी पर सीधे गेम में जीत के साथ दूसरी बार फ्रेंच ओपन बैडमिंटन पुरुष युगल का खिताब जीत लिया. दुनिया की नंबर एक भारतीय जोड़ी ने इससे पहले 2022 में इस खिताब को जीता था. यह जोड़ी 2019 में फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही थी. एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने ली और यांग को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-11, 21-17 से हराकर सीजन का पहला खिताब जीता.

भारतीय जोड़ी इस साल मलेशिया सुपर 1000, इंडिया सुपर 750 में दूसरे स्थान पर रही थी जबकि पिछले साल चाइना मास्टर्स सुपर 750 में भी उपविजेता रही थी. यह जीत सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के लिए इस साल का पहला खिताब है. इससे पहले, वे मलेशिया मास्टर्स और इंडिया ओपन में दूसरे स्थान पर रहे थे. यह उनका दूसरा बीडब्ल्यूएफ फ्रेंच ओपन 750 खिताब भी है. पेरिस में हुए फाइनल में, सात्विकसाईराज और चिराग ने शुरू से ही अपना दबदबा दिखाया. उन्होंने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के रूप में अपनी स्थिति को साबित किया. लेकिन दोनों ने 4-3 की बढ़त हासिल करने के बाद जल्दी ही नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया.

भारतीय जोड़ी इस साल लगातार तीसरे टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने में सफल रही

उनके शक्तिशाली स्मैश और असाधारण रक्षात्मक कौशल का ली और यांग सामना नहीं कर पा रहे थे. सात्विकसाईराज के जोरदार स्मैश और चिराग की रक्षा को हमले में बदलने की क्षमता पूरी तरह से प्रदर्शित हुई क्योंकि उन्होंने आराम से पहला गेम 21-11 से जीत लिया. दूसरे गेम में ली और यांग ने एक लचीला प्रदर्शन दिखाया, जिन्होंने जर्मन ओपन में अपनी जीत के बाद एक विजयी लकीर के साथ फाइनल में प्रवेश किया और कई शीर्ष रैंक वाले जोड़ों को हराया. उन्होंने शुरुआत से ही अपना दृढ़ संकल्प दिखाया, सात्विकसाईराज और चिराग के साथ तालमेल बनाए रखा और ब्रेक के समय 11-9 की बढ़त भी बना ली. हालांकि, सात्विकसाईराज और चिराग ने अपने खेल के स्तर को ऊपर उठाते हुए 16-14 की बढ़त बना ली. ली और यांग के मैच में बने रहने के प्रयासों के बावजूद, सात्विकसाईराज और चिराग का दबदबा अपराजेय साबित हुआ. चिराग के शक्तिशाली स्मैश ने भारतीय जोड़ी के लिए खिताब को सुरक्षित कर दिया. इससे पहले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की विश्व में नंबर एक भारतीय जोड़ी ने साउथ कोरिया के सियो सेउंग जे और कांग मिन ह्युक को 21-13, 21-16 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी. भारतीय जोड़ी ने इस साल लगातार तीसरे टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने में सफल रही. फ्रेंच ओपन में भी यह जोड़ी तीसरी बार फाइनल में पहुंची थी.

2022 में भारतीय जोड़ी ने इस खिताब को जीता था

2019 में यह जोड़ी फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही थी

37 मिनट तक चला फ्रेंच ओपन का फाइनल मुकाबला

दोनों का इस साल का यह पहला खिताब है

पुरुष राष्ट्रीय शिविर के लिए संभावित खिलाड़ियों का ऐलान

भुवनेश्वर में 12 से 30 मार्च तक लगेगा शिविर

भाषा । नयी दिल्ली

हॉकी इंडिया ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में 12 से 30 मार्च तक होने वाले सीनियर पुरूष राष्ट्रीय शिविर के लिये 28 संभावित खिलाड़ियों का ऐलान किया है. पेरिस ओलंपिक 2024 की तैयारियों को पुख्ता करने के लिये यह शिविर काफी महत्वपूर्ण है. एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में सफलता के बाद टीम शिविर में लौटी है. लीग में भारत आठ मैचों में 15 अंक लेकर इस समय तीसरे स्थान पर है. लीग 22 मई को बेल्जियम के एंटवर्प में बहाल होगी . इसके बाद एक जून से लंदन और फिर आखिरी चरण नीदरलैंड में खेला जायेगा. संभावित खिलाड़ियों में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश और सूरज करकेरा, डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और आमिर अली शामिल हैं.

वहीं मिडफील्डर में मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, आरएस मोइरांगथम, शमशेर सिंह, नीलाकांता शर्मा, राजकुमार पाल और विष्णुकांत सिंह होंगे. वहीं फॉरवर्ड खिलाड़ियों में आकाशदीप सिंह, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, बॉबी सिंह धामी और अराइजीत सिंह हुंडल को चुना गया है. मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि हम आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करना चाहते हैं. इस शिविर में चुने गए खिलाड़ियों को आगामी अहम मैचों में मौका मिलेगा. हमने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों को चुना है.

खिलाड़ी तैयार

- मिडफील्डर में मनप्रीत सिंह, और हार्दिक सिंह हैं शामिल
- गोलकीपर कृष्ण पाठक और पीआर श्रीजेश भी शामिल

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के 28 सदस्यीय कोर ग्रुप में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश व सूरज करकेरा हैं. साथ ही डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और आमिर अली हैं. इसमें मिडफील्डर मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, आर एस मोइरांगथम, शमशेर सिंह, नीलाकांता शर्मा, राजकुमार पाल और विष्णुकांत सिंह भी हैं. इसके अलावा फॉरवर्ड आकाशदीप सिंह, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय शामिल हैं.

अमेरिका ने जीता महिला गोल्ड कप

होरान ने पहले हाफ में गोल दागकर 1-0 की बढ़त ले ली थी

भाषा । सेन डिएगो

लिंडसे होरान के पहले हाफ के इंजरी टाइम में हेडर से दागे गोल की बदौलत अमेरिका ने ब्राजील को 1-0 से हराकर कोनकाकैफ महिला गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया. टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में मैक्सिको के खिलाफ शिकस्त झेलने वाले अमेरिका ने रविवार को हुए करीबी फाइनल में जीत दर्ज की. अमेरिका की टीम चौथी बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में ब्राजील से खेल रही थी. अमेरिकी टीम ने पिछले तीन खिताबी मुकाबले भी जीते थे जिसमें 2004 और 2008 ओलंपिक भी शामिल है. इस मुकाबले के लिए सेन डिएगो के स्नैपड्रैगन स्टेडियम में 31 हजार 528 दर्शक मौजूद थे, जो किसी कोनकाकैफ महिला फुटबॉल मैच में दर्शकों की रिकॉर्ड संख्या है. होरान ने पहले हाफ के इंजरी टाइम के अंतिम लम्हों में एमिली फॉक्स के पास पर हेडर से गोल किया. यह होरान का टूर्नामेंट में तीसरा गोल है. लिन विलियम्स 79वें मिनट में अमेरिका की बढ़त को दोगुना करने के करीब पहुंची लेकिन ऑफ साइड हो गईं. ब्राजील और अमेरिका दोनों ने फ्रांस में होने वाले ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है.

हारा ब्राजील

- अमेरिकी टीम ने पिछले तीन मुकाबले भी जीते थे
- इसमें 2004 और 2008 ओलंपिक भी शामिल है

निशानेबाज रुद्रांश खंडेलवाल को पैरा विश्व कप में रजत पदक

नयी दिल्ली । भारत के रुद्रांश खंडेलवाल और निहाल सिंह ने सोमवार को यहां पैरा निशानेबाजी विश्व कप के तीसरे दिन मिश्रित 50 मीटर पिस्टल (एसएच1) स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता. रुद्रांश, निहाल और तोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता सिंहराज की तिकड़ी ने मिश्रित 50 मीटर पिस्टल (एसएच1) टीम स्पर्धा का रजत पदक भी जीता. चीन ने स्वर्ण पदक हासिल किया. पिछले साल पेरिस पैरालंपिक का कोटा हासिल करने वाले निशानेबाज रुद्रांश ने फाइनल में 223.2 अंक जुटाए थे. इटली के डेविड फ्रांसेचेटी ने 230.0 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता. निहाल ने 202.8 अंक के साथ कांस्य जीता. इससे पहले क्वालीफिकेशन दौर में रुद्रांश ने 530 और निहाल ने 527 अंक जुटाकर क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर रहते हुए आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई.

ताजमहल का दीदार

मां उषा रानी के साथ साइना नेहवाल

आगरा । भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल सोमवार को अपनी मां उषा रानी के साथ ताजमहल का दीदार करने पहुंची. इस दौरान साइना को देख पर्यटकों ने घेर लिया. उनके साथ फोटो व सेल्फी लेने की होड़ मच गई. उन्होंने ताजमहल की वास्तुकला और पच्चीकारी देखी. साइना की मां उषा ने कहा कि मुगल शहंशाहों में शाहजहां सबसे अच्छा था. उसने अपनी बेगम की याद में इतना सुंदर स्मारक बनवाया. साइना ने बताया कि वे 10 साल पहले अपने पिता हरवीर सिंह नेहवाल के साथ ताजमहल देखने आई थीं. इस बार मां के साथ आईं हैं.

गेंदबाज पिछले महीने हुई टखने की सर्जरी के कारण शमी इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट श्रृंखला से बाहर थे

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में खेल सकते हैं शमी: जय शाह

भाषा । धर्मशाला

टखने की सर्जरी से उबर रहे भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इस साल सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के के दौरान वापसी कर सकते हैं. यह जानकारी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने दी. शमी इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला से बाहर रहे थे. पिछले महीने हुई टखने की सर्जरी के कारण वह बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 22 मार्च से शुरू हो रहे आगामी सत्र से भी बाहर रहेंगे.

जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में भी उनकी भागीदारी की संभावना नहीं है. शमी ने भारत के लिए अपना पिछला मैच एकदिवसीय विश्व कप में खेला था. भारत सितंबर में दो टेस्ट और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए बांग्लादेश की मेजबानी करेगा.

शाह ने कहा कि शमी की सर्जरी हो गई है. वह भारत वापस आ गए हैं. बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए शमी की वापसी की संभावना है. लोकेश राहुल को इंजेक्शन की जरूरत थी, उन्होंने रिहैब (चोट से उबरने की प्रक्रिया) शुरू कर दिया है और एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में हैं. राहुल दाहिने क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशियां) में दर्द की शिकायत के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के आखिरी चार मैच नहीं खेल पाए थे. लंदन में इलाज कराने के बाद उनके आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने की उम्मीद है. बीसीसीआई सचिव ने ॠषभ पंत की चोट से उबरने और खेल में वापसी पर भी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि पंत आईपीएल में वापसी के लिए तैयार है. पंत दिसंबर 2022 में एक भीषण कार दुर्घटना के बाद से खेल से दूर हैं.

उम्मीद कायम

- शमी ने पिछला मैच वनडे विश्व कप में खेला था
- भारत सितंबर में दो टेस्ट और तीन टी-20 मैच खेलेगा

बीसीसीआई सोसाइटी है और कोई भी इसमें निवेश नहीं कर सकता है

शाह ने कहा कि वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है. वह अच्छी कीपिंग कर रहा है. हम जल्द ही उसे फिट घोषित कर देंगे. अगर वह टी20 विश्व कप खेल सका तो यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात होगी. वह हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी है. शाह ने कहा कि अगर वह कीपिंग कर सका तो वह विश्व कप खेल सकता है. देखते हैं कि वह आईपीएल में कैसा प्रदर्शन करता है. इंडियन प्रीमियर लीग में विदेशी निवेश के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं है क्योंकि बीसीसीआई कंपनी नहीं सोसाइटी है. उन्होंने कहा कि बीसीसीआई सोसाइटी है और कोई इस में निवेश नहीं कर सकता है. पिछले साल खबर आई थी कि सऊदी अरब की नजर आईपीएल में अरबों डॉलर के निवेश पर है. भारत में पंजीकृत सोसायटी केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी के बिना विदेशी निवेश स्वीकार नहीं कर सकती है.

मुक्केबाज निशांत देव हैं पेरिस ओलंपिक कोटे से एक जीत दूर

बस्तो अर्सिजियो (इटली) ।

विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता मुक्केबाज निशांत देव पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने से एक जीत दूर हैं. उन्होंने यूनान के क्रिस्टोस काराइटिस को हराकर विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के 71 किलोवर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है. पिछले साल विश्व चैम्पियनशप में फीदरवेट का कांस्य पदक जीतने वाले 23 वर्ष के निशांत ने सर्वसम्मति से 5-0 से जीत दर्ज की. इस क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में पुरूषों के 71 किलो वर्ग के चार कोटे दिये जाने हैं.

निशांत को क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज करने की जरूरत है ताकि वे भारत के लिये पुरूष मुक्केबाजी में पांचवां कोटा हासिल कर सकें. उनका सामना अमेरिका के विश्व चैम्पियनशिप 2021 रजत पदक विजेता ओमारी जोंस से होगा. भारत के नौ सदस्यीय दल में सिर्फ निशांत ओलंपिक कोटे की दौड़ में बचे हैं. विश्व चैम्पियनशिप 2023 कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया (51 किलो) और मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किलो) पहले दौर में हार गए. भारत के लिये निकहत जरीन (50 किलो), प्रीति पवार (54 किलो), परवीन हुड्डा (57 किलो) और लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं. बाकी भारतीय मुक्केबाजों के लिये आखिरी मौका बैंकाक में 23 मई से तीन जून तक होने वाला दूसरा ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर होगा.

राबड़ी सहित चार ने एमएलसी चुनाव के लिए किया नामांकन

संवाददाता । पटना

महागठबंधन की ओर से राबड़ी देवी, अब्दुल बारी सिद्दीकी, उर्मिला ठाकुर, सैयद फैसल अली और माले की शशि यादव ने पर्चा भरा

बिहार विधान परिषद के लिए महागठबंधन के सभी पांच उम्मीदवारों ने सोमवार को नामांकन दाखिल किया. महागठबंधन की ओर से राबड़ी देवी, अब्दुल बारी सिद्दीकी, उर्मिला ठाकुर, सैयद फैसल अली और माले की शशि यादव ने पर्चा भरा. इस दौरान आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव भी रहें. राबड़ी देवी के नामांकन भरने के बाद लालू ने विक्ट्री साइन दिखाया. वहीं, इस दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन के पांच उम्मीदवारों ने एमएलसी चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है, जिसमें से तीन महिलाएं हैं. हम लोग महिला सशक्तिकरण की बात हीं नहीं करते हैं, करके भी दिखाते हैं. महागठबंधन के एमएलसी सदन में बिहार की आवाज को बुलंद करेंगे. जनता के हित के मुद्दों को उठाएंगे. बिहार के विकास के लिए काम करेंगे.

वहीं, बीजेपी सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने कहा है की पार्टी अगर दो तिहाई सीटों के साथ सत्ता में आती है तो संविधान में बड़े बदलाव करेगी. इसपर तेजस्वी ने कहा कि जो भी संवैधानिक संरचना है उसे बर्बाद किया जा रहा है. जो भी संवैधानिक संस्थाएं हैं, उसको भाजपा द्वारा हाइजैक किया जा रहा है. जब मीडिया ने पूछा कि चिराग राजग गठबंधन से नाराज चल रहे हैं. वे अगर महागठबंधन के साथ आना चाहें ते क्या स्वागत करेंगे? उन्होंने कहा कि राजद के लिए सभी के दरवाजे खुले हुए हैं. समय बताएगा कि लोकसभा चुनाव में कौन किस पर भारी पड़ेगा. बता दें कि विधान परिषद के विस कोटे की 11 सीटों के लिए चुनाव को लेकर नामांकन दाखिल करने का सोमवार को आखिरी दिन था. वहीं 21 को चुनाव होना है. विधायकों की संख्या के लिहाज से एनडीए से 6, महागठबंधन से पांच प्रत्याशियों का निर्विरोध चुना जाना तय है. 11 सीटें विधान परिषद की 5 मई को खाली हो रही हैं.

शहाबुद्दीन की पत्नी ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का किया ऐलान

सीवान । चुनाव आयोग किसी भी वक्त आगामी लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है. इससे पहले विभिन्न पार्टियों के नेता अलग-अलग सीटों से चुनाव लड़ने के दावे कर रहे हैं. इसी बीच पूर्व सांसद मो. शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब ने भी चुनाव लड़ने को लेकर दावे किये हैं. शहाब ने एक कार्यक्रम के दौरान ऐलान किया है कि वो या फिर उनका बेटा ओसामा सीवान से निर्दलीय लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे. निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा से राजद को बड़ा झटका लगा है.

बच्चों में हुआ झगड़ा, पड़ोसियों ने एक को पीट-पीटकर मार डाला

जहानाबाद । बच्चों के बीच हुए विवाद में बात ऐसी बढ़ गई कि पड़ोसियों ने एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी. पिटाई से घायल हुए शख्स ने इलाज के दौरान जहानाबाद सदर अस्पताल में सोमवार को दम तोड़ दिया. मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और सड़क पर शव को रखकर एनएच-83 को जाम कर दिया. दरअसल, यह पूरी घटना शहर के अंबेडकर नगर की है. बीते रविवार को छोटी-मोटी किसी बात को लेकर दो बच्चों में विवाद हुआ था. पीड़ित परिवार के परिजन अखिलेश दास ने बताया कि बुट्टा दास और उसके परिजनों ने घर में घुस कर मंटू दास की बेरहमी से पिटाई कर दी थी. घायल को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जहां शनिवार को मौत हो गई.

▼ ब्रीफ खबरें

विधायक की गाड़ी को ट्रक ने मारी टक्कर

समस्तीपुर । समस्तीपुर में एनएच 28 पर मुसरीघरारी चौक के पास ट्रक और जदयू विधायक की स्कार्पियो में सीधी टक्कर हो गई. इसमें विधायक अमन हजारी के साथ ही चालक रोशन कुमार, उनके दो सुरक्षागार्ड पिंकी कुमार, मुकेश कुमार और उनका निजी सचिव गंभीर रूप से घायल हो गए. इन्हें स्थानीय लोंगों के सहयोग से रात में मुसरीघरारी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. यहां से गंभीर हालत में उन्हें पटना रेफर कर दिया गया. स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है.

चूड़ी कारोबारी की गोली मारकर हत्या

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर में चूड़ी-लहठी के एक कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई. घटना जिले के गरहा थाना क्षेत्र का है. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई. मृतक की पहचान बोचहा मदारीपुर कर्ण निवासी 43 वर्षीय मो. नसीर के रूप में की गई है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज में भेज दिया. घटना की जानकारी परिजनों को मिलते ही सभी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

जमीन कारोबारी को गोली मारी, घायल

सीवान । सीवान में जमीन कारोबारी को अपराधियों ने गोली मार दी. उनकी हालत गंभीर है. इधर, घायल जमीन कारोबारी को बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच, पटना रेफर कर दिया गया है. बताया जा रहा है कि कंधवारा रोड में डीएवी सेंचुरी पब्लिक स्कूल के समीप, तौकीर मियां अपने बच्चों को मोटरसाइकिल से लाने जा रहे थे. इसी दौरान रेलवे क्रॉसिंग के पास पहले से घात लगाए चार अपराधियों ने तौकीर पर फायरिंग कर दी. मौके पर तौकरी को तीन गोली लगी. घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

खानपुर थाना क्षेत्र के रेबड़ा चौक के पास हुआ हादसा

बस दुर्घटनाग्रस्त, 3 मरे, 10 घायल

संवाददाता । समस्तीपुर

खानपुर थाना क्षेत्र के रेबड़ा चौक के पास सोमवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई. यात्रियों से भरी एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस घटना में मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई. हादसे में 10 से ज्यादा यात्री गंभीर रूप से जख्मी हो गए. घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय पीएचसी में भर्ती कराया गया. यहां तीन लोगों की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है.

तेज गति में बस को घुमाने से गाड़ी पलटी : बस मथुरापुर स्टैंड से बहेड़ी जा रही थी. उसकी हालत काफी जर्जर थी. माना जा रहा है कि ब्रेक फेल हो जाने के कारण रेबड़ा चौक के पास यह दुर्घटनाग्रस्त हो गई. यह भी कहा जा रहा है कि तेज गति में बस को घुमाने से गाड़ी पलटी है. इस दौरान विद्यालय जा रही एक स्कूली बच्ची भी इसकी चपेट में आ गई. वहीं खलासी और एक पैसेंजर की बस के नीचे दबने से मौत हुई है. मृतक की पहचान रेबड़ा गांव निवासी महेश शर्मा की पुत्री निखिला कुमारी (छात्रा), बस के खलासी शिवाजीनगर के रजौर निवासी नामदेव और यात्री की पहचान दरभंगा के अंबा बिजौलिया निवासी बौकू चौपाल के रूप में हुई है.

घटना की सूचना मिलते ही काफी संख्या में आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई. घटना से नाराज लोगों ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. गुस्साए ग्रामीणों ने कहा कि सड़क पर धड़ल्ले से जर्जर बसों का परिचालन होता है. इस पर पुलिस या प्रशासन का कोई ध्यान नहीं होता है. इसके चलते हर दिन हादसे हो रहे हैं.

वहीं, दूसरी ओर घटना से आक्रोशित हुए लोगों ने मृतक के परिजन को मुआवजा देने की मांग की. सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस को लोगों ने खदेड़ा. स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को इलाज के लिए पीएचसी में भर्ती कराया था जहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया गया. घटनास्थल पर मौजूद दारोगा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है.

कार ने दूसरी कार में मारी टक्कर, ड्राइवर घायल

पटना :पटना में अटल पथ के पास शनिवार सुबह तेज रफ्तार महिंद्रा की एक्सयूवी नई कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गयी, जिससे गाड़ी में मौजूद ड्राइवर के सीने में लोहे की रॉड घुस गया. वह जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है. इस घटना से अटल पथ पर अफरा-तफरी मच गयी. घटना के बाद लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. लोग ड्राइवर को कार से बाहर निकालने में लगे है. एक्सयूवी कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है. रोंगटे खड़ा कर देने वाली इस घटना को देखकर लोग भी हैरान हैं. घटना की सूचना पुलिस को दी गयी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ड्राइवर को कार से बाहर निकाला.

पूरे विश्व भर में भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना हो रही : विजय चौधरी

पटना । संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने सोमवार को बताया कि आज पूरे विश्व में भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना हो रही है. पिछले वर्ष वैश्विक स्तर पर सभी देशों को मिलाकर औसत प्रगति दर 3 प्रतिशत थी, जबकि भारत की प्रगति दर इसके दो गुनी से भी अधिक 7 प्रतिशत के लगभग थी. मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि लिया आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान वित्तीय वर्ष के तीसरे तिमाही यानी अक्टूबर से दिसंबर 2023 में भारत की प्रगति दर 8.4 प्रतिशत रही है, दूसरी तरफ, पिछले वर्ष बिहार की प्रगति दर 10.6 प्रतिशत रही है, जो देश में सर्वाधिक है. उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण, बिजली तथा शुद्ध पेयजल उपलब्धता से लेकर जातीय गणना सफलतापूर्वक कराने हेतु पूरे देश में बिहार की नजीर के रूप में सराहना हो रही है.

जदयू जिलाध्यक्ष के बेटे को गोली मारी, घायल

संवाददाता । मधेपुरा

अपराधियों ने जदयू नेता के बेटे को गोली मारकर घायल कर दिया. घटना गम्हरिया थाना क्षेत्र के इटवा जीवछपुर गांव की है. घायल युवक का इलाज जननायक कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और छानबीन में जुट गई.

बताया जा रहा है कि गम्हरिया थाना क्षेत्र के इटवा गांव वार्ड-3 निवासी व जनता दल यूनाईटेड के जिला उपाध्यक्ष करमलाल मेहता के बेटे दीपक कुमार (23) के ऊपर गोली चलाई गई है. परिजनों ने बताया कि रविवार की देर रात दीपक घर से पश्चिम नहर की ओर मोबाइल से बात करते हुए जा रहा था. नहर के समीप पहुंचते ही पीछे से दो बाइक पर सवार चार की संख्या में अज्ञात अपराधियों के द्वारा मोबाइल छीनने का प्रयास किया गया.

गोली जांघ व कमर के बीच में लगी है : छिनतई विरोध करने पर अपराधियों ने पीछे से गोली मार दी. गोली युवक के जांघ और कमर के बीच में लगी है. गोली लगने से युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया. आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे, जहां से घायल को इलाज के लिए मधेपुरा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है. गम्हरिया थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि युवक को अपराधियों ने गोली मार दी है.

राज्यपाल गोपाल नारायण सिंह विवि में मुख्य अतिथि के तौर थे उपस्थित, बोले-

भारत विश्व में पूर्व से ही शिक्षा का केंद्र रहा है

पटना । राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने सोमवार को गोपाल नारायण सिंह विवि में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने संबोधन में कहा कि भारत विश्व में शिक्षा का केंद्र पूर्व से ही रहा है. राज्यपाल ने कहा कि विश्व में नालंदा विश्व विद्यालय, तक्ष शीला समेत कई शिक्षण केंद्र रहे है. ऋग्वेद विश्व की प्राचीन लिखित वेद में शिक्षक और शिक्षिका को आचार्य और आचार्या के रूप में उद्रित है. अपने देश में ब्रिटिश द्वारा 1896 में पहली सर्वे हुआ था. उस समय संयुक्त बंगाल और बिहार में शैक्षिक दर 90% रही थी, जिसमे महिला और पुरुष दोनों का शैक्षिक दर समान थी. हमारी संस्कृति प्रारंभ से ही महिला उत्थान और उत्थान में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका से परिपूर्ण रही है.

मौके पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि श्रृष्टि के निर्माण, श्रृष्टि को ज्ञान देने और श्रृष्टि की सुरक्षा में भी देवी (महिला) का ही योगदान है. हमारी संस्कृति और धर्म प्रारंभ काल से ही महिलाओं को देवी स्वरूपा के रूप में सम्मान दिया है.

कारोबार

एयरपोर्ट्स पर रनवे, टैक्सीवे व एयरक्राफ्ट पार्किंग स्टैंड्स बनाए जाएंगे

अडाणी ग्रुप एयरपोर्ट 60,000 करोड़ रुपये करेगा निवेश

भाषा । नयी दिल्ली

अडाणी समूह
- एयरपोर्ट्स के करीब होटल विकसित किए जाएंगे
- अडाणी ग्रुप के पास इस समय आठ एयरपोर्ट हैं

भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी कारोबार का विस्तार करने में लगे हैं. अब अडाणी ग्रुप की नजर एयरपोर्ट बिजनेस पर है, जिसमें अगले 10 साल में 60,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है. यह राशि नवी मुंबई एयरपोर्ट के पहले चरण में निवेश किए जा रहे 18,000 करोड़ रुपये से अलग है. इन पैसों को एयरपोर्ट्स में रनवे, टैक्सीवे, एयरक्राफ्ट पार्किंग स्टैंड्स और टर्मिनल बनाने में इस्तेमाल किया जाएगा. साथ ही एयरपोर्ट्स के करीब होटल और शॉपिंग मॉल भी विकसित किए जाएंगे.

अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड (एपएसईजेड) के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अडाणी का कहना है कि यह पैसा आंतरिक संसाधनों से जुटाया जाएगा. अडाणी ने कहा कि मुझे लगता है कि एयर कनेक्टिविटी के मोड में बुनियादी बदलाव होने जा रहा है. देश में कई एयरपोर्ट भविष्य में इंटरनेशनल हब बनने जा रहे हैं. इंटरनेशनल ट्रेवल में भारी बढ़ोतरी होने जा रही है. हम डोमेस्टिक कनेक्टिविटी में सुधार के लिए एयरलाइन कंपनियों के साथ मिलकर काम करेंगे.

करन ने बताया कि उनके द्वारा निर्मित हवाई अड्डों की वर्तमान क्षमता 10-11 करोड़ यात्री सालाना (सीपीए) है. कंपनी की कोशिश इसको तीन गुना बढ़ाने की है. उन्होंने बताया कि लखनऊ एयरपोर्ट के नये टर्मिनल का विकास भी वो करने वाले हैं. साथ ही, नवी मुंबई एयरपोर्ट अगले साल मार्च तक खुलेगी. फिर गुवाहाटी एयरपोर्ट को नया टर्मिनल होगा. हम अहमदाबाद और जयपुर के लिए भी नए टर्मिनल की योजना बना रहे हैं.

उन्होंने कहा कि एयरलाइन बिजनस के प्रॉफिटेबल होने के बाद इसकी लिस्टिंग करने की योजना है. करण अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी के बेटे हैं. अडानी ग्रुप को साल 2019 में देश में छह एयरपोर्ट ऑपरेट करने के राइट मिले थे. इनमें लखनऊ, अहमदाबाद, जयपुर, गुवाहाटी, तिरुवनंतपुरम और मेंगलौर शामिल हैं. बताया जाता है कि एयरपोर्ट टर्मिनल और रनवे कैपेसिटी में अगले 5 साल में 30000 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा. इसके साथ ही सिटी साइड डेवलपमेंट के मामले में अगले 10 साल में 30000 करोड़ रुपए का निवेश किया जाना है.

साल 2021 में अडाणी ग्रुप ने मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट को जीवीके ग्रुप से खरीद लिया. इस तरह अडाणी ग्रुप के पास इस समय आठ एयरपोर्ट हैं.

एसएमई खंड में कीमतों में हेराफेरी के संकेत : सेबी

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने सोमवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक को छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) खंड में कीमतों में हेराफेरी के संकेत मिल रहे हैं. बुच ने निवेशकों को सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि हेराफेरी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) और सामान्य रूप से शेयरों की खरीद-बिक्री, दोनों में है. उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के मौके पर महिला पत्रकारों से कहा, हमें (कीमतों में हेराफेरी के) संकेत मिल रहे हैं. हमारे पास इस बारे में पता लगाने की तकनीक है. हम कुछ पैटर्न देख रहे हैं. मैं कहूंगी कि यह अभी शुरुआती चरण में है और बात बहुत आगे नहीं बढ़ी है. उन्होंने कहा कि पूंजी बाजार नियामक अभी भी इसके सभी पहलुओं को समझने और आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए सलाहकारों के साथ काम कर रहा है. बुच ने कहा कि अगर उसे कुछ गलत मिला, तो इस पर सार्वजनिक परामर्श जारी किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि निवेशकों को यह समझने की जरूरत है कि एसएमई खंड मुख्य बोर्ड (बड़ी कंपनियों) से अलग है. एसएमई खंड को नियंत्रित करने वाले नियम, खुलासा मानदंड अलग हैं और इसलिए जोखिम की प्रकृति भी अलग है.

22वें जी सिने अवार्ड्स

कृति सेनन

अनिल कपूर

आलिया भट्ट

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर, बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन और आलिया भट्ट मुंबई में 22वें जी सिने अवार्ड्स 2024 में फोटो सेशन करवाते. इस मौके पर बॉलीवुड के कई कलाकार शामिल हुए.

स्मॉल-कैप, मिड-कैप फंडों से निकासी चिंताजनक नहीं, निवेश जारी : विशेषज्ञ

एजेंसी । नयी दिल्ली

स्मॉल-कैप और मिड-कैप फंडों में बढ़ते निवेश पर बाजार नियामक सेबी की चिंता के बीच विशेषज्ञों ने कहा है कि इन फंडों में निकासी का कोई चिंताजनक संकेत नहीं दिख रहा है. उन्होंने कहा कि चिंताओं के बावजूद बेहतर प्रतिफल की चाहत में इन फंडों में निवेश जारी रहने का अनुमान है. सेबी ने पिछले महीने के अंत में म्यूचुअल फंड कंपनियों से कहा था कि वे उन निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एक रूपरेखा तैयार करें, जिन्होंने स्मॉल कैप और मिड कैप फंडों में निवेश किया है. पिछली कुछ तिमाहियों में इन योजनाओं में भारी निवेश के कारण सेबी ने यह कदम उठाया. मिड कैप म्यूचुअल फंड ने कुल मिलाकर 2023 में लगभग 23,000 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि स्मॉल कैप योजनाओं के लिए यह आंकड़ा 41,000 करोड़ रुपये से अधिक था. इससे पहले 2022 में मिड कैप फंडों ने 20,550 करोड़ रुपये और स्मॉल कैप फंडों ने 19,795 करोड़ रुपये जुटाए थे.

अडाणी ग्रीन ने सौर ऊर्जा का उत्पादन शुरू किया

नयी दिल्ली । अडाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) ने सोमवार को कहा कि उसने गुजरात के खावड़ा आरई पार्क में 1,000 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन शुरू किया है. कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके साथ एजीईएल की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 9,478 मेगावाट हो गई है. कंपनी 2030 तक 45,000 मेगावाट क्षमता के अपने घोषित लक्ष्य की ओर बढ़ रही है. बयान में कहा गया कि एजीईएल ने खावड़ा में काम शुरू करने के बाद 12 महीने से भी कम समय में 1,000 मेगावाट की उत्पादन क्षमता तैयार की.

इंडिगो ने 6,785 करोड़ मूल्य के शेयर बेचे

नयी दिल्ली । इंटरग्लोब एविएशन के प्रवर्तक राकेश गंगवाल ने सोमवार को खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से कंपनी के 6,785 करोड़ रुपये के शेयर बेचे. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, देश की सबसे बड़ी एयरलाइन संचालित करने वाली कंपनी के सह-संस्थापक ने इंडिगो के 2.25 करोड़ शेयर यानी 5.83 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है. शेयर बिक्री तीन किस्तों में की गई. शेयरों की बिक्री 3,015.10 रुपये प्रति शेयर से 3,016.36 रुपये प्रति शेयर के भाव पर की गई.

फियो के नए अध्यक्ष चुने गये अश्विनी कुमार

नयी दिल्ली । उद्यमी और विक्टर फोर्जिंग्स के साझेदार अश्विनी कुमार को भारतीय निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो का नया अध्यक्ष चुना गया है. फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन (फियो) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सर्वसम्मति से चुने गए कुमार ने ए शक्तिवेल का स्थान लिया है. कुमार ने देश के विभिन्न संगठनों में कई प्रमुख पदों पर काम किया है. कुमार फियो के चेयरमैन (उत्तरी क्षेत्र) और फेडरेशन की प्रबंध समिति के सदस्य, एनआईटी-जालंधर की संचालन परिषद के सदस्य, हैंड टूल्स पैनल (पैन इंडिया) के संयोजक और ईईपीसी इंडिया के 'वाइस रीजनल चेयरमैन' रह चुके हैं.

भारतीय शेयर बाजार | घरेलू शेयर बाजारों में दो दिनों से जारी बढ़त थम गई

कमजोर वैश्विक रुझानों से सेंसेक्स 616 अंक फिसला

एजेंसी । मुंबई

कमजोर वैश्विक रुझानों के बीच धातु और बैंक शेयरों में बिकवाली का जोर रहने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में दो दिनों से जारी बढ़त थम गई और दोनों प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट देखने को मिली. बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स मुनाफावसूली के कारण 616.75 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,502.64 पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 685.48 अंक तक खिसक गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी भी 160.90 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,332.65 पर बंद हुआ. सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड और टाटा स्टील में दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई. एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंड्सइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एनटीपीसी में भी गिरावट रही. दूसरी तरफ नेस्ले, बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ब्याज दर में कटौती पर अनिश्चितता के कारण वैश्विक बाजारों में जारी बिकवाली ने घरेलू बाजार की धारणा को प्रभावित किया. अमेरिका में गैर-कृषि क्षेत्रों में नौकरियों के उम्मीद से अधिक मजबूत आंकड़े और अमेरिकी मुद्रास्फीति आंकड़े जारी होने से पहले सावधानी बरती गई. उन्होंने कहा, मूल्यांकन संबंधी चिंताओं के कारण मझोली और छोटी कंपनियों के सूचकांक में खराब प्रदर्शन जारी है, जबकि निवेशक सोने जैसी सुरक्षित-संपत्ति को शामिल करने के लिए अपने पोर्टफोलियो को संशोधित कर रहे हैं. एशिया के अन्य बाजारों में, जापान का निक्की 2.2 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 0.8 प्रतिशत गिर गया. दूसरी तरफ हांगकांग का हैंग सेंग 1.4 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.7 प्रतिशत चढ़ गया. शुक्रवार को अमेरिकी बाजार नकारात्मक दायरे में बंद हुए थे. वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.29 प्रतिशत बढ़कर 82.32 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 7,304.11 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की थी.

सोने की कीमत 67,000 रुपये के पार जा पहुंची

मुंबई । सोने की कीमतों में तेजी थमने का नाम नहीं ले रही है. सोने की कीमतें ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंची है. सर्राफा बाजार में जोरदार खरीदारी की बदौलत सोने की कीमत 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार जा पहुंची है. इंटरनेशनल मार्केट में सोना रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचा है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2172 डॉलर प्रति औंस के ऐतिहासिक हाई पर ट्रेड कर रहा है जिसके चलते घरेलू सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमतों में तेजी आई है. पिछले करीब 18 दिनों में सोने की कीमतों में गजब की तेजी देखने को मिली है. फरवरी 2024 के चौथे हफ्ते में सोना 62,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहा था. लेकिन उस लेवल से सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में 5000 रुपये प्रति 10 ग्राम का उछाल आ चुका है और अब कीमत 67,000 रुपये के ऊपर ट्रेड कर रहा है.

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले

बांग्लादेश-श्रीलंका सहित कई देश व्यापार के लिए इच्छुक

एजेंसी । नयी दिल्ली

बांग्लादेश, श्रीलंका और खाड़ी क्षेत्र के देशों सहित कई विकसित और विकासशील देशों ने रुपये में व्यापार करने की इच्छा जताई है. वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि भारत के साथ साझेदारी से कारोबार के लिए लेनदेन की लागत घटेगी. उन्होंने भरोसा जताया कि यह कदम भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है.

उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, बांग्लादेश, श्रीलंका पहले ही हमसे बात कर रहे हैं और वे चाहते हैं कि हम इसे तुरंत शुरू करें. खाड़ी क्षेत्र के दूसरे देश भी इस पर विचार कर रहे हैं. मुझे लगता है कि समय के साथ लोगों को इसका फायदा पता चलेगा. गोयल ने कहा कि इस पहल में विकसित देश और सुदूर पूर्व के देश भी शामिल हो रहे हैं. सिंगापुर पहले ही कुछ हद तक इसमें शामिल है. मंत्री ने कहा कि धीरे-धीरे देशों को यह एहसास हो रहा है कि घरेलू मुद्रा में व्यापार करने के कई फायदे हैं. इसलिए कई देश अब अपनी स्थानीय मुद्रा और रुपये के बीच सीधा लेनदेन शुरू करना चाहेंगे. गोयल ने कहा कि धीरे-धीरे यह बात समझ में आ रही है कि सभी लेनदेन को तीसरी मुद्रा में बदलने से उसकी लागत में काफी वृद्धि होती है.

ब्रीफ खबरें

गोलीबारी में तीन की मौत, कई लोग घायल

जोन्सबोरो (अमेरिका)। अमेरिका के आर्कसा राज्य में एक निजी पार्टी के दौरान गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य लोग घायल हो गए हैं. जोन्सबोरो पुलिस ने फेसबुक पर एक पोस्ट में बताया कि जब अधिकारी रविवार सुबह पांच बजे जोन्सबोरो के मुख्य इलाके में पहुंचे तो घटनास्थल पर कई पीड़ित घायल अवस्था में मिले, जिन्हें गोलियां लगी थीं. पुलिस के अनुसार, हमलावर के परिचित एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गयी.

आसिफा बनेंगी पाक की प्रथम महिला: रिपोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ जरदारी ने एक ऐतिहासिक फैसले में अपनी 31 वर्षीय बेटी आसिफा भुट्टो को औपचारिक रूप से देश की प्रथम महिला का दर्जा देने का निर्णय लिया है. यह जानकारी एक मीडिया रिपोर्ट में दी गई है. प्रथम महिला का दर्जा आमतौर पर राष्ट्रपति की पत्नी को मिलता है, लेकिन साल 2007 में उनकी पत्नी और पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या हो गई थी. जरदारी ने भुट्टो की मृत्यु के बाद दोबारा शादी नहीं की.

नक्सलियों ने अपहरण कर एक की हत्या कर दी

बीजापुर(छत्तीसगढ़)। पुलिस का मुखबिर होने के संदेह में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने 35 वर्षीय एक व्यक्ति का अपहरण कर लिया और उसकी हत्या कर दी. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कुटरू पुलिस थाना क्षेत्र के तेलीपेंटा गांव निवासी पुसु हेमला को आज सुबह कुछ स्थानीय लोगों ने तेलीपेंटा-पाताकुटरू मार्ग पर मृत पाया. अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हेमला आठ मार्च को कुछ काम से अपने गांव गया था.

काला जठेड़ी-मैडम मिंज का विवाह आज

नयी दिल्ली। गैंगस्टर संदीप उर्फ काला जठेड़ी और आदतन अपराधी अनुराधा चौधरी उर्फ 'मैडम मिंज' की 12 मार्च को होने वाली शादी के लिए दिल्ली का एक बैंक्वेट हॉल लगभग किले में तब्दील हो चुका है और निगरानी के लिए ड्रोन की मदद ली जाएगी. बैंक्वेट हॉल के प्रवेश द्वार पर धातु की पहचान करने वाले डिटेक्टर लगाए गये हैं, विवाह कार्यक्रम में आने वाले लोगों पर ड्रोन से नजर रखी जाएगी और सुरक्षा के लिए सशस्त्र कमांडो को तैनात किया गया है.

अलकायदा नेता खालिद अल बतरफी की मौत

सना। यमन की अल-कायदा शाखा के नेता खालिद अल बतरफी की मौत हो गई है. आतंकवादी समूह ने रविवार देर रात यह जानकारी दी. अमेरिकी सरकार ने अरब प्रायद्वीप में अल-कायदा (एक्यूएपी) समूह का नेतृत्व करने वाले खालिद अल-बतरफी पर 50 लाख डॉलर का इनाम घोषित किया था. एक्यूएपी को उसके संस्थापक ओसामा बिन लादेन की हत्या के बाद भी सक्रिय चरमपंथी समूह की सबसे खतरनाक शाखा माना जाता रहा है. अल-कायदा ने एक वीडियो जारी किया है.

पेपर लीक के कारण 1.4 लाख अभ्यर्थियों को नहीं मिल पाई नौकरियां

यूपी-बिहार से पेपर लीक की शुरुआत

कुमार माधवन

आगामी लोकसभा चुनाव से पहले सरकारी नौकरी की भर्तियों में हो रहे पेपर लीक का मुद्दा सुर्खियों में है. एक तरफ जहां कांग्रेस ने अपनी 5 गारंटी में से एक पेपर लीक पर सख्त कानून बनाने की बात कही है. तो दूसरी तरफ राजस्थान में पेपर लीक कांड के आरोपियों पर सख्त कार्रवाई कर बीजेपी भी बढ़त लेने में जुटी हुई है. लेकिन, उत्तर प्रदेश और गुजरात में हुए हालिया पेपर लीक ने भाजपा को बैकफुट पर धकेल दिया है. देश में पिछले 5 साल में 15 राज्यों की करीब 45 भर्ती परीक्षाओं का पेपर लीक हुआ है. इन पेपर लीक का सीधा असर 1.4 करोड़ उन अभ्यर्थियों पर पड़ा है, जो सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे थे. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि पेपर लीक की घटनाएं क्यों नहीं रुक रही हैं और लीक का पूरा सिस्टम कैसे काम करता है.

पेपर लीक के कारण नहीं मिली नौकरियां : इंडियन एक्सप्रेस ने हाल ही में पेपर लीक को लेकर एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक पिछले 5 साल में 41 पेपर लीक हुए. 2024 के आंकड़ों को जोड़ दिया जाए, तो यह संख्या 45 के पास पहुंच जाती है. सभी पेपर लीक सरकारी नौकरी से जुड़े हुए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक पेपर लीक का असर 1.4 करोड़ लोगों पर सीधे तौर हुआ. सभी सरकारी नौकरी के अभ्यर्थी थे. पिछले 5 साल में 15 राज्यों ने जो परीक्षा आयोजित करायी गई, उससे 1.4 लाख लोगों को नौकरी मिल सकती थी, लेकिन पेपर लीक की वजह से ये नौकरियां अभ्यर्थियों को नहीं मिल पाई. 2023 के चुनाव से पहले राजस्थान में एक रैली के दौरान खुद प्रधानमंत्री मोदी ने पेपर लीक वालों पर सख्त एक्शन लेने की बात कही थी. पेपर लीक को लेकर झारखंड, राजस्थान सरकार ने विधानसभा में कानून भी पास कराए. हाल ही में केंद्र ने भी पेपर लीक पर कानून बनाया है.

विद्यार्थी प्रभावित

- पेपर लीक का सीधा असर करोड़ों अभ्यर्थियों पर पड़ा
- पैसे लेन-देन का पूरा काम हवाला के जरिए होता है
- 15 राज्यों की करीब 45 भर्ती परीक्षाओं का पेपर लीक हुआ

चार प्वाइंट्स में समझें पेपर लीक का पूरा खेल

1 भर्ती बोर्ड से पेपर निकालना

गिरोह के लोगों का पहला टारगेट समय से पहले पेपर निकालना होता है. इसके लिए गैंग के सदस्य बोर्ड के लोगों से संपर्क साधते हैं. राजस्थान में पेपर लीक की जांच कर रही एसओजी ने अपनी चार्जशीट में दावा किया था कि पेपर लीक की घटना इसलिए हुई, क्योंकि बोर्ड के सदस्य इसमें शामिल थे. इसी तरह का मामला झारखंड में भी सामने आया था. जहां पर परीक्षा लेने के लिए जिस कंपनी को सरकार ने अधिकृत किया था, उसी कंपनी के मालिक ने गिरोह को पेपर बेच दिए.

2 जुटाए गए पेपर का ग्राहक खोजना

गिरोह का दूसरा बड़ा टारगेट जुटाए गए पेपर का ग्राहक खोजना है. ग्राहक खोजने के लिए गैंग के सदस्य कई शहरों में एक साथ सक्रिय रहते हैं. कई राज्यों की जांच एजेंसी ने अब तक जो खुलासे किए हैं, उसके मुताबिक गिरोह पेपर बेचने के लिए कोचिंग संस्थानों से संपर्क साधता है. कोचिंग संस्थान के मालिक पेपर खरीद कर अपने यहां के बच्चों को बेचते हैं. बिहार, उत्तराखंड और राजस्थान से पेपर लीक को बेचने के आरोप में कई कोचिंग मालिक गिरफ्तार हो चुके हैं.

3 हवाला के जरिए होता है पैसों का लेन-देन

पेपर लीक गिरोह के लोगों का पैसे लेन-देन का पूरा काम हवाला के जरिए होता है. बिहार में हाल ही में जांच एजेंसी को इस संदर्भ में बड़ा इनपुट मिला था. एक रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2023 में बिहार में सिपाही बहाली का जो पेपर लीक हुआ था, उसमें पैसे का पूरा लेनदेन हवाला के जरिए किया गया था. राजस्थान और झारखंड में भी बैकडोर से ही पैसे का लेन-देन किया गया था. यही वजह है कि राजस्थान और झारखंड में पेपर लीक की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम भी कर रही है.

4 ये हैं पेपर लीक के मास्टर माइंड

हाल ही में राजस्थान की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने भर्ती परीक्षा के मास्टर माइंड जगदीश बिश्नोई को गिरफ्तार किया है. बिश्नोई 2010 से पहले तक दूसरे के बदले परीक्षा में बैठता था. 2010 पेपर लीक के काम में जुड़ गया. राजस्थान पुलिस के मुताबिक जेल से आने के बाद जगदीश ने फिर से ये काम शुरू कर दिया. इसी तरह बीपीएससी पेपर लीक के मास्टर माइंड आनंद गौरव उर्फ पिंटू यादव है. पिंटू अभी जेल में है और उस पर 2022 के बीपीएससी परीक्षा का पेपर लीक कराने का आरोप है.

पेपर लीक कांड ऐसे बना देश का सबसे बड़ा मुद्दा?

2014 में पहली बार उत्तर प्रदेश में पेपर लीक की खबर सामने आई. उस वक्त सीपीएमटी का पेपर लीक हुआ था. मामले में परीक्षा कराने वाली संस्था केजीएमयू पर भी सवाल उठे थे. इसी साल जुलाई में लखनऊ में रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा का पेपर लीक हो गया. मामले की जांच यूपी एसटीएफ को सौंपी गई. इसके ठीक एक साल बाद बिहार में बोर्ड परीक्षा का पेपर लीक हो गया. 2017 में बिहार में एसएससी का पेपर लीक हुआ. इस मामले में एसएससी के चेयरमैन सुधीर कुमार गिरफ्तार हुए. धीरे-धीरे पेपर लीक देश की बड़ी समस्या बन गई.

दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार का पैतृक आवास क्षतिग्रस्त

भाषा। पेशावर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार का पैतृक आवास हाल में हुई बारिशों के चलते गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद लगभग ढहने के कगार पर है. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. मूसलाधार बारिश ने घर के पुनर्वास और नवीनीकरण के बारे में खैबर पख्तूनख्वा के पुरालेख विभाग के बड़े-बड़े दावों की पूरी तरह से पोल खोल दी है. दिलीप कुमार का जन्म 1922 में पेशावर शहर के ऐतिहासिक किस्सा ख्वानी बाजार के पीछे मुहल्ला खुदादाद में स्थित इस घर में हुआ था और 1932 में भारत जाने से पहले उन्होंने अपने शुरुआती 12 साल यहीं बिताए थे. पाकिस्तान के

तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 13 जुलाई 2014 को इस घर को पाकिस्तान का राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित किया था. कुमार एक बार अपने घर आए थे और उन्होंने भावुक होकर वहां की मिट्टी को चूम लिया था. खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की विरासत परिषद के सचिव शकील वहीदुल्ला खान ने कहा कि पेशावर में हाल में हुई बारिश ने कुमार के घर को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है.

ईडी का सिर्फ 'दुरुपयोग' कर रही है भाजपा : शरद पवार

भाजपा। पुणे

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार विपक्षी नेताओं के बीच डर पैदा करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और उन्होंने ईडी को भाजपा का 'सहयोगी दल' बताया.

पुणे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान पवार ने 2005 से 2023 के बीच ईडी की कार्रवाइयों के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि संघीय जांच एजेंसी ने इस दौरान 5,806 मामले दर्ज किए और उनमें से केवल 25 का निस्तारण किया.

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मामलों के निस्तारण की दर 0.42 प्रतिशत तथा दोषसिद्धि की दर महज 0.40 प्रतिशत है. ईडी का बजट 2022 में 300 करोड़ रुपये से बढ़कर 404 करोड़ रुपये हो गया है. उन्होंने कहा कि 2005 से 2023 के बीच दो सरकारें सत्ता में रहीं जिसमें संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) भी शामिल है जिसका हम हिस्सा थे. संप्रग सरकार में ईडी ने 26 नेताओं की जांच की जिनमें से पांच कांग्रेस के और तीन भाजपा के थे.

हाईटेंशन तार की चपेट में आया बस, पांच लोगों की मौत, कई झुलसे

धू-धू कर जलने लगी यात्री बस

भाषा। गाजीपुर

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक यात्री बस में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया. बताया जा रहा है कि 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार को छू जाने से बस में आग लग गई. आग लगते ही बस धू-धू कर जलने लगी. इस आग की चपेट में कई यात्री आ गए. जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई. अभी तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है.

मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है. प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शहर के मरदह क्षेत्र के महाहर धाम के पास एक मिनी बस में हाईटेंशन तार के छू जाने से आग लग गई. देखते ही देखते बस आग का

गोला बन गई. आग इतनी भयावह थी कि कोई भी इसे बुझाने के लिए बस के करीब जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका. जलती बस के अंदर कई यात्री फंस गए. पीड़ितों में बच्चे भी शामिल हैं. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए. राहत व बचाव का कार्य शुरू किया गया. वहीं, घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. हादसे में आधा दर्जन से ज्यादा लोगों के हताहत होने की आशंका है.

बस में बाराती सवार थे : बस में सवार लोगों के अनुसार, बस मऊ से बरात लेकर मरदह के महाहर धाम पर आ रही थी. इसी बीच बस पर बिजली का तार छू गया और आग लग गई. लोग अपनी-अपनी जान बचाकर भागने लगे. लेकिन बच्चे और महिलाएं में बस में फंस गए.

कर्नाटक सरकार ने लगाई कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल पर रोक

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने सोमवार को राज्य में 'गोभी मंचूरियन' और हवा मिठाई (कॉटन कैंडी) में कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी. सार्वजनिक स्वास्थ्य, विशेषकर बच्चों पर कृत्रिम रंगों के प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है. राज्य सरकार के खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता विभाग ने कहा कि 'गोभी मंचूरियन' और हवाई मिठाई के नमूने समूचे राज्य से इकट्ठा किए गए और प्रयोगशालाओं में उनका विश्लेषण किया गया. परीक्षणों के नतीजों के आधार पर खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने 'गोभी मंचूरियन' को तैयार करने में किसी भी कृत्रिम रंग का इस्तेमाल बंद करने का आदेश दिया है.

इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर अचानक आई बाढ़ से कई लोग प्रभावित

अबतक 26 की मौत, 11 लापता

भाषा। इंडोनेशिया

इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन के बाद पानी कम होना शुरू हुआ तो बचावकर्मियों ने और शव बरामद किए. इस आपदा में अब तक कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य 11 लोग लापता हैं. अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी. मानसून की बारिश और नदियों में बढ़ते पानी के कारण पश्चिमी सुमात्रा प्रांत के नौ जिले और शहर जलमग्न हो गए हैं. शुक्रवार की देर रात हुए भूस्खलन से नदी के

प्राकृतिक आपदा

- भूस्खलन के कारण 14 घर जमींदोज हो गए
- बारिश से 37,000 से अधिक घर और इमारतें जलमग्न

किनारे टूट गए जिससे नदी का पानी पेसिसिर सेलाटन जिले के पहाड़ी गांवों में भर गया. इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि बिजली कटौती, क्षतिग्रस्त पुलों और मलबे से अवरुद्ध सड़कों के कारण आपदा प्रभावित लोगों को मदद करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा. एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित पेसिसिर सेलाटन और उसके पड़ोसी पदांग परियामन जिले के गांवों से बचावकर्मियों ने और शव बरामद किए हैं, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है. उन्होंने कहा कि भूस्खलन से 14 घर जमींदोज हो गए और कम से कम दो ग्रामीण घायल हो गए हैं. वहीं, बचावकर्मी 11 लोगों की तलाश कर रहे हैं जो अब भी लापता हैं. मुहारी ने कहा कि पश्चिम सुमात्रा प्रांत में मानसून की बारिश से 37,000 से अधिक घर और इमारतें जलमग्न हो गई हैं.

गाजा में युद्ध विराम की कोशिश करेगा अमेरिका : जो बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रमजान के अवसर पर दुनिया भर के मुस्लिम समुदाय को बधाई देते हुए रविवार को दोहराया कि अमेरिका बंधकों की रिहाई संबंधी समझौते के तहत कम से कम छह सप्ताह के तत्काल युद्धविराम के लिए अनवरत काम करना जारी रखेगा. बाइडन ने कहा कि अमेरिका बंधकों की रिहाई संबंधी समझौते के तहत कम से कम छह सप्ताह के लिए तत्काल युद्धविराम करने के लिए अनवरत काम करना जारी रखेगा. हम स्थिरता, सुरक्षा और शांति के दीर्घकालिक भविष्य की दिशा में कार्य जारी रखेंगे.

परिचालन नियंत्रण केंद्र का आज उद्घाटन करेंगे पीएम

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पश्चिमी माल ढुलाई गलियारे के परिचालन नियंत्रण केंद्र तथा रेलवे नेटवर्क पर भीड़ का दबाव कम करने के लिए शुरू की गई बुनियादी ढांचा परियोजना के कुछ हिस्सों का उद्घाटन करेंगे. वह पूर्वी समर्पित माल ढुलाई गलियारा (ईडीएफसी) के 401 किलोमीटर के नए खुर्जा जंक्शन-साहनेवाल खंड और पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारा (डब्ल्यूडीएफसी) के 224 किलोमीटर के नए मकरपुरा जंक्शन-घोलवाड़ खंड का भी उद्घाटन करेंगे.

द्वारका एक्सप्रेसवे के हरियाणा खंड का उद्घाटन हुआ : वहीं, सोमवार को गुरुग्राम में पीएम मोदी ने सोमवार को द्वारका एक्सप्रेसवे के हरियाणा खंड का उद्घाटन किया, जिससे यातायात प्रवाह बेहतर बनेगा और राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर दिल्ली तथा गुरुग्राम के बीच यातायात सुगम होगा. द्वारका एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 29 किलोमीटर है, जिसमें से 18.9 किमी का हिस्सा हरियाणा में पड़ता है, जबकि शेष 10.1 किमी दिल्ली में है.

पूर्वी नागालैंड में बंद से जनजीवन प्रभावित

कोहिमा। अलग राज्य की मांग को लेकर 'ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स ऑर्गेनाइजेशन' (ईएनपीओ) द्वारा आहूत अनिश्चितकालीन बंद के कारण सोमवार को पूर्वी नगालैंड के छह जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. ईएनपीओ के बंद के आह्वान के कारण क्षेत्र में दुकानें और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान बंद रहे और अधिकतर वाहन सड़कों से नदारद रहे. ईएनपीओ क्षेत्र में सात नगा जनजातियों की शीर्ष संस्था है. बिजली विभाग, चिकित्सा, अग्निशमन और अन्य आपातकालीन सेवाओं के अलावा मीडिया और शादियों को बंद से छूट दी गई.

होली का चढ़ा रंग

सोमवार को नादिया में होली के त्योहार से पहले रंग और गुलाल से खेलती महिलाएं. -फोटो : पीटीआई

कॅरियर-काउंसिलिंग

संगीत का है शौक तो साउंड इंजीनियर में बनाएं कॅरियर

रजनीश प्रसाद। रांची

साउंड इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग की एक ऐसी शाखा है, जिसके अंदर साउंड को समझने, सुधारने तथा एक नई किस्म का साउंड तैयार करना सिखाया जाता है. इसमें आपको साउंड की कला (उतार-चढ़ाव) को समझने की आवश्यकता होती है. इसमें म्यूजिक, मूवीज, थिएटर, रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, रिप्रोडक्शन से संबंधित चीजें सिखायी और पढ़ाई जाती है. इसमें म्यूजिक, स्पीच और स्टूडियो के साउंड की क्वालिटी को बेहतर बनाना होता है. इसके लिए फिल्मों, रेडियो, और टेलीविजन में कई तरह के टेक्निकल इंस्ट्रूमेंट्स का प्रयोग किया जाता है. यह एक कला है, जो किसी भी प्रकार के साउंड को समझने, उन्हें रिकॉर्ड और प्रोड्यूस करने के लिए विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग किया जाता है, जिसे हम प्रायः ऑडियो मिक्सिंग के नाम से भी जानते हैं. साउंड इंजीनियरिंग में छात्रों को बेसिक से लेकर पोस्ट प्रोडक्शन तक की पूरी कला सिखाई जाती है.

साउंड इंजीनियर के प्रकार

- मॉनिटर ऑडियो इंजीनियर
- सिस्टम इंजीनियर
- वायरलेस माइक्रोफोन इंजीनियर
- गेम ऑडियो डिजाइनर
- इंजीनियर
- रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑडियो इंजीनियर
- स्टूडियो रिकॉर्डिंग इंजीनियर

साउंड इंजीनियर के लिए आवश्यक स्किल्स

- म्यूजिक व ट्यून की समझ होनी चाहिए.
- सुनने की अच्छी शक्ति होनी चाहिए.
- विभिन्न प्रकार के एडिटिंग व मिक्सिंग सॉफ्टवेयर को चलाने में सक्षम होना चाहिए.
- आवाज के वेबलेंथ व फ्रीक्वेंसी के बारे में अच्छी जानकारी होनी चाहिए.
- बेसिक कंप्यूटर नॉलेज
- केबल्स की सोल्डरिंग करनी आनी चाहिए.
- इंग्लिश व कम्यूनिकेशन स्किल का होना जरूरी है.

साउंड इंजीनियरिंग कोर्सेज

- डिप्लोमा कोर्सेज
- सर्टिफिकेट कोर्सेज
- बैचलर कोर्सेज
- मास्टर कोर्सेज

भारतीय संस्थान

- आईआईटी खड़गपुर
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फिल्म एंड फाइन आर्ट्स निफ्फा, कोलकाता
- सरकारी फिल्म और टेलीविजन संस्थान, बैंगलोर
- भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे
- एप्लाइड साइंस कॉलेज, वडक्कनचेरी
- रयात बहरा विश्वविद्यालय, मोहाली
- संगीत विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय
- जी इंस्टिट्यूट ऑफ मीडिया आर्ट्स
- मीडिया स्टडीज के देवीप्रसाद गोयनका मैनेजमेंट कॉलेज
- सीएमआर विश्वविद्यालय

साउंड इंजीनियरिंग में कॅरियर

- मॉनिटर साउंड इंजीनियर
- लाइव कॉन्सर्ट इंजीनियर
- साउंड टेक्नीशियन
- ऑडियो इंजीनियर
- रिकॉर्डिंग इंजीनियर
- ब्रॉडकास्ट इंजीनियर
- साउंड डिजाइनर
- म्यूजिक प्रोड्यूसर
- रीमिक्सिंग इंजीनियर
- सिस्टम इंजीनियर
- डिजिटल रीमास्टरिंग इंजीनियर
- रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑडियो इंजीनियर

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)